धनबाद
शुक्रवार 12.12.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-287 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-8
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

बजट पर चर्चा के दौरान सीएम हेमंत सोरेन का हमला कहा- गैर बीजेपी राज्यों के साथ हो रहा भेदभाव

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अनुपूरक बजट पर बोलते हुए केंद्र सरकार और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कोविड वैक्सीन, इंडिगो संकट, दिल्ली ब्लास्ट, आर्थिक हालात और घुसपैठ जैसे मुद्दों पर केंद्र को कठघरे में खड़ा किया। सोरेन ने कहा कि झारखंड २५ साल का हो गया है, अब इसे कोई डरा या डिगा नहीं सकता। गैर-बीजेपी राज्यों के साथ कैसा व्यवहार होता है, यह कोई नई बात नहीं है।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी निशाना साधा और कहा कि सवाल उठाने से पहले उन्हें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि द्वितीय अनुपूरक बजट की आवश्यकता सभी जानते हैं, फिर भी कटौती प्रस्ताव लाकर विकास कार्यों में बाधा दी जा रही है। सरकार का एक साल पूरा हुआ है और इस दौरान विकास को तेज रफ्तार देने की कोशिश जारी है।

छात्रों को लेकर केंद्र पर गंभीर आरोप

सीएम सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार ने अनुसूचित जनजाति बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप और छात्रवृत्ति में ९० प्रतिशत की कटौती की है। विदेश छात्रवृत्ति योजना में ९५ प्रतिशत कमी दर्ज की गई।

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति आवंटन में ४० से ६३ प्रतिशत की कटौती और मेधा/आय आधारित छात्रवृत्ति में ७५ प्रतिशत की कमी हुई। तकनीकी शिक्षा संस्थानों के अनुदान में भी ६१ प्रतिशत कटौती की गई। उन्होंने कहा, फिर भी विपक्ष पूछता है कि छात्रवृत्ति क्यों नहीं मिल रही है?

राज्य सरकार की पहल- शिक्षा में सुधार का दावा

सीएम ने बताया कि राज्य में गुरुजी क्रेडिट कार्ड के जरिए १५ लाख रुपये तक का ऋण दिया जा रहा है। सावित्रीबाई फुले योजना चलाई जा रही है। सरकारी स्कूलों को प्राइवेट मॉडल पर विकसित किया जा रहा है, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग और शिक्षकों की ट्रेनिंग की व्यवस्था की गई है।

सोरेन ने कहा कि इंडिगो संकट में लाखों लोग प्रभावित हुए, लेकिन संसद में चर्चा वंदे भारत तक सीमित रही। दिल्ली के चांदनी चौक में ब्लास्ट जैसे गंभीर मामलों पर सूचना-तंत्र की विफलता सवाल खड़े करती है। उन्होंने यह भी कहा कि घुसपैठ रोकना केंद्र की जिम्मेदारी है, लेकिन इसका राजनीतिक इस्तेमाल किया जाता है।

देश की बदहाल अर्थव्यवस्था पर कोई चर्चा नहीं

सीएम ने कहा कि महंगाई और आर्थिक संकट की चर्चा नदारद है। रेलवे को झारखंड से सर्वाधिक राजस्व मिलता है, बदले में राज्य को पलायन और प्रदूषण मिलता है। हवाई जहाज में चढ़ाने का वादा किया था, आज हालत यह है कि जो जहाज में चढ़ रहे हैं, उन्हें हवाई चप्पल पहनने को मजबूर कर दिया गया है।

कोविड वैक्सीन पर गंभीर टिप्पणी

सोरेन ने दावा किया कि हाल में पता चला है कि कोविड वैक्सीन के कारण कई बीमारियां बढ़ी हैं। ▶▶ 8

साथी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना एक 'साझा कर्तव्य' है: राष्ट्रपति मुर्मू

यह केवल सरकार, मानवाधिकार आयोग या अन्य संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आह्वान किया कि मानवाधिकारों की रक्षा करना केवल सरकारों, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग या ऐसे अन्य संस्थानों की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि साथी नागरिकों के अधिकारों एवं गरिमा की रक्षा करना एक ''साझा कर्तव्य'' है।

मानवाधिकार दिवस के मौके पर एनएचआरसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमें यह याद दिलाने का अवसर है कि सार्वभौमिक मानवाधिकार अविभाज्य हैं और वे एक न्यायपूर्ण, समान और दयालु समाज की आधारशिला हैं।

इस अवसर पर एनएचआरसी के अध्यक्ष (सेवानिवृत्त) न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यन और पीएम के प्रधान सचिव पी के.मिश्रा भी मंच पर मौजूद थे। १९५० से हर साल १० दिसंबर को दुनिया भर में मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज मैं हरेक नागरिक से यह समझने का आह्वान करती हूं कि मानवाधिकार केवल सरकारों, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नागरिक समाज संगठनों और ऐसे अन्य संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं हैं। अपने साथी नागरिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा करना हम सबका साझा कर्तव्य है। एक करुणामय और जिम्मेदार समाज के सदस्य के रूप में यह हम सभी का कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि आइए हम विकसित भारत' के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लें, जो समग्र विकास और सामाजिक न्याय का आदर्श मिश्रण प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि भारत की मानवाधिकार सिद्धांतों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को वैश्विक स्तर पर भी मान्यता मिल रही है, इसका प्रमाण भारत का सातवीं बार संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में तीन साल के कार्यकाल के लिए निर्विरोध चुना जाना है। राष्ट्रपति ने कहा कि मानवाधिकार सामाजिक लोकतंत्र को बढ़ावा देते हैं और उनमें बिना किसी डर के ▶▶ 8

उमर खालिद को 14 दिन की राहत

दिल्ली(ईएमएस): कड़कड़डूमा कोर्ट ने बृहस्पतिवार को दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपी उमर खालिद को अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायधीश समीर बाजपाई ने कहा कि खालिद १६ दिसंबर से २९ दिसंबर तक जमानत पर रहेगा। कोर्ट ने कहा कि इस बात को ध्यान में रखते हुए कि शादी याचिकाकर्ता की सगी बहन की है, याचिका मंजूर की जाती है और याचिकाकर्ता को १६ से २९ दिसंबर तक २०,००० रुपये के पर्सनल बॉन्ड और इतनी ही रकम के दो जमानतदारों के साथ कुछ शर्तों पर अंतरिम जमानत दी जाती है। दरअसल, दो साल पहले उन्हें अपनी दूसरी बहन की शादी के लिए भी अंतरिम जमानत मिली थी। ▶▶ 8

रैली को संबोधित करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने बोला हमला कहा- शाह खतरनाक, वे दुर्योधन-दुशासन जैसे

महिलाओं से कहा- एसआईआर में नाम कटे तो आपके खाना बनाने के बर्तन हैं, उनसे लड़ो

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खतरनाक करार दिया है। ममता ने गुरुवार को कृष्णानगर की रैली में कहा कि शाह की आंखों में दहशत है। उनकी एक आंख में आपको दुर्योधन तो दूसरी आंख में दुशासन दिखाई देगा। ममता ने स्पेशल इंटेसिव रिवीजन को लेकर महिलाओं से कहा कि वे (केंद्र सरकार) एसआईआर के नाम पर मांओं-बहनों के अधिकार छीन लेंगे। वे चुनाव के दौरान दिल्ली से पुलिस बुलाएंगे। ममता के मुताबिक माताओ-बहनों, अगर आपके नाम काटे गए तो आपके पास किचन के बर्तन हैं, इनसे लड़िए। अपने नाम को लिस्ट कटने मत देना। महिलाएं आगे आकर लड़ेंगी, पुरुष इनके पीछे रहेंगे। ममता ने आरोप लगाया कि २०२६ के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एसआईआर को राजनीतिक हथियार बनाया जा रहा है। अमित शाह वोटों के इतने भूखे हैं कि चुनाव से दो महीने पहले ही यह प्रक्रिया चला रहे हैं।

एसआईआर बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए हो रहा

ममता ने रैली में ये भी कहा कि अक्टूबर से १२ राज्यों में एसआईआर चल रहा है। इस प्रक्रिया का मकसद गलत मतदाता का नाम हटाना और नए मतदाता जोड़ना है। यह बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए हो रहा है। ममता ने केंद्र पर बंगालियों को बांग्लादेशी बताकर डिटेंशन कैंप भेजने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से बीजेपी समर्थक अफसर भेजे जा रहे हैं, जो जिलाधिकारियों की निगरानी कर रहे है। अगर किसी को बाहर निकाला गया, तो हम वापस लाएंगे। बंगाल का मामला अलग है।

एनआईए ने संदिग्ध आतंकी के घर 200 पुलिस कर्मियों के साथ मारा छापा

शाहनवाज 2019 में डकैती और चोरी के कई मामलों में भी जा चुका है जेल

हजारीबाग (ईएमएस): हजारीबाग में एनआईए कार्रवाई फिर तेज कर दी है। गुरुवार सुबह एनआईए की तीन गाड़ियां पेलावल थाना क्षेत्र स्थित एक घर पर पहुंची, जहां टीम ने घर के सदस्यों से बंद कमरे में पूछताछ की। सुबह करीब ५ बजे एनआईए की एक विशाल टीम ने पेलावल क्षेत्र में आवास पर अचानक छापा मारा। इस कार्रवाई में एनआईए के साथ २०० से ज्यादा पुलिस कर्मी भी शामिल रहे। इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल और एटीएस की टीम भी तैनात रही।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बातया गया है कि यह छापेमारी संदिग्ध आतंकी शाहनवाज आलम से जुड़े नेटवर्क की जांच के तहत की जा रही है।

शाहनवाज को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अक्टूबर २०२३ में पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में गिरफ्तार किया था। वह मूलरूप से हजारीबाग का रहने वाला है। इससे पहले २०१९ में वह हजारीबाग में डकैती और चोरी के कई मामलों में जेल भी जा चुका है। २०२० में जमानत मिलने के बाद उसके आईएस मॉड्यूल से जुड़ने की बात सामने आई थी। पुणे पुलिस की हिरासत से भागने के बाद एनआईए ने उस पर ३ लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। बताया जा रहा है कि शाहनवाज ने पुणे के जंगलों में आतंकी प्रशिक्षण भी लिया था। इस मामले में मिले ताजा इनपुट के आधार पर एनआईए की टीम हजारीबाग पहुंची। छापेमारी पूरी तरह गोपनीय ढंग से की जा रही है। अधिकारी कोई भी जानकारी साझा करने से बच रहे हैं। अंदर मौजूद एक वृद्ध व्यक्ति से भी पूछताछ की जा रही है। सूत्रों ने यह भी बताया कि कार्रवाई में टीम ने नाश्ता मंगाया और एक गैस सिलेंडर भी अंदर ले जाया गया है। संभावना जताई जा रही है कि कुछ सामग्री गैस कटर की मदद से काटकर निकाली जा सकती है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। खबर लिखे जाने तक मौके पर कार्रवाई जारी थी।

कच्छ की समुद्री सीमा में फिर पाकिस्तानी बोट पकड़ी गई, 11 मछुआरे गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस): गुजरात की संवेदनशील मानी जाने वाली कच्छ की समुद्री जलीय सीमा में एक बार फिर पाकिस्तानी बोट की घुसपैठ की घटना सामने आई है। जखौ के निकट भारतीय समुद्री सीमा में घुसे ११ पाकिस्तानी मछुआरों को भारतीय कोस्टगार्ड ने पकड़ लिया। तटरक्षकों ने सफल ऑपरेशन चलाते हुए इस घुसपैठ को विफल बना दी। 'अल वली' नामक इस बोट के साथ पकड़े गए सभी पाकिस्तानी मछुआरों को जखौ बंदरगाह लाया गया, जहां उनकी पूछताछ जारी है। सुरक्षा एजेंसियां यह जानने का प्रयास कर रही हैं कि ये मछुआरे गलती से भारतीय सीमा में आए थे या इसके पीछे कोई अन्य मकसद छिपा है।

भारतीय तटरक्षक बल की नियमित पेट्रोलिंग के दौरान पाकिस्तानी फिशिंग बोट 'अल वली' को भारतीय सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ते देखा गया। कोस्टगार्ड ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बोट को रोक लिया और उसमें सवार सभी ११ लोगों को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई कि बोट पाकिस्तानी है और सभी मछुआरे भारतीय सीमा में गैरकानूनी रूप से प्रवेश किए थे। पूरे मामले की गहन जांच अब कोस्टगार्ड द्वारा की जा रही है और पकड़े गए मछुआरों से पूछताछ जारी है।

राज्यसभा में चर्चा के दौरान नेहरु को लेकर आपस में भिड़ गए जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खरगे

नड्डा का आरोप, कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटाए

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की १५०वीं वर्षगांठ है या फिर नेहरू हैं। खरगे ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि यह बहस वंदे मातरम को लेकर है या पंडित जवाहरलाल नेहरू को लेकर। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है।

यह सवाल दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गया, जब केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की संस्कृति से समझौता किया है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तब मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है...दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उसमें आस्था है। ▶▶ 8

1000 करोड़ के बड़े क्रिप्टो निवेश घोटाले में 30 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट

आरोपियों में दो चीनी नागरिक वान जुन और ली आनमिंग-भी शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस): सेंट्रल इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) ने करीब १,००० करोड़ के बड़े क्रिप्टो निवेश घोटाले में ३० आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर कर दी है। इन आरोपियों में दो चीनी नागरिक वान जुन और ली आनमिंग-भी शामिल हैं। सीबीआई के अनुसार, आरोपियों ने 'एचपीजेड टोकन' नाम का एक फर्जी मोबाइल एप लांच किया और लोगों को गैर-मौजूद बिटकॉइन-माइनिंग मशीनों में निवेश करने के लिए तैयार किया। निवेशकों को बेहद ऊंचे मुनाफे का लालच दिया गया था।

यह घोटाला शिगू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से चलाया जा रहा था, इस चीनी नागरिकों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा था। वान जुन, जो जिलियन कंसल्टेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक है, ने अपने भारतीय सहयोगी डोर्ट्स की मदद से कई शेल कंपनियां बनाई थीं। यह गिरोह विदेश से संचालित हो रहा था और कोरोना लॉकडाउन के दौरान तेजी से सक्रिय हुआ।

कुछ ही महीनों में १५० से अधिक बैंक खातों में रकम जमा हुई और उन्हें शेल कंपनियों के जरिए तेजी से घुमाकर धोखा किया गया। जुटाई गई राशि को बाद में क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेश भेजा गया।

5 राज्य, 1 यूटी में एसआईआर की समय सीमा बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस): चुनाव आयोग ने गुरुवार को ५ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर यानी वोटर वेरिफिकेशन) की समयसीमा बढ़ा दी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान-निकोबार में १८ दिसंबर तक फॉर्म भर सकेंगे। वहीं, उत्तर प्रदेश में २६ दिसंबर, गुजरात और तमिलनाडु में १४ दिसंबर तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। पहले फॉर्म भरने की आखिरी तारीख ११ दिसंबर थी।

आयोग ने बताया कि गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के लिए समयसीमा गुरुवार को ही समाप्त होगी और ड्राफ्ट मतदाता सूची १६ दिसंबर को पब्लिश की जाएगी। केरल में पहले ही अखिरी तारीख १८ दिसंबर कर दी गई थी ▶▶ 8

तलाक मांगने पहुंची महिला की दिल खोलकर तारीफ करने लगे न्यायमूर्ति

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने एक आपसी सहमति से तलाक के मामले में महिला की जमकर तारीफ की। दरअसल महिला ने तलाक लेते समय किसी भी तरह का गुजारा भत्ते की मांग नहीं की। इतना ही नहीं, विवाह के समय पति की मां द्वारा उपहार में दिए सोने के कंगन भी वापस किए। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अत्यंत दुर्लभ समझौता बताकर अपने संवैधानिक अधिकारों के तहत विवाह को भंग किया।

रिपोर्ट के मुताबिक, मामला न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया था। सुनवाई की शुरुआत में ही महिला की ओर से पेश वकील ने बताया कि उनकी मुवक्किल किसी प्रकार का भरण-पोषण या अन्य आर्थिक प्रतिपूर्ति की मांग नहीं कर रही हैं।

महिला की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया गया कि केवल सोने के कंगन लौटाना बाकी है। पीठ ने पहले गलतफहमी में समझा कि पत्नी अपना स्त्री-धन वापस मांग रही है, लेकिन जैसे ही वकील ने स्पष्ट किया कि ये कंगन महिला खुद लौटा रही है, जो शादी के समय सास ने उन्हें भेंट किए थे, तब न्यायमूर्ति पारदीवाला मुस्कुरा उठे। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुर्लभ समझौता है आज कल इस तरह के उदाहरण कम ही देखने को मिलते हैं।

अदालत ने लिखा कि यह उन विरले मामलों में से एक है, जहां किसी भी प्रकार की मांग नहीं की गई। उलटे पत्नी ने विवाह के समय मिले सोने के कंगन लौटाए। हमें बताया गया कि ये कंगन पति की मां के हैं। हम इस कदम की सराहना करते हैं, क्योंकि ऐसा आजकल कम ही ▶▶ 8

अरुणाचल में ट्रक खाई में गिरा, 21 की मौत

अनजॉ (ईएमएस): अरुणाचल प्रदेश के अनजॉ जिले के हयुलियांग इलाके में एक ट्रक १००० फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में ड्राइवर और क्लीनर समेत २१ मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा ८ दिसंबर का है। जानकारी गुरुवार को सामने आई। दरअसल, हादसे में एक व्यक्ति जीवित बचा था, जो दो दिन तक पैदल चलकर किसी तरह आर्मी कैंप तक पहुंचा। इसके बाद आज सुबह आर्मी के बचाव दल की टीमें मौके पर पहुंची। टीम को घटनास्थल पर पहुंचने में १० से ज्यादा घंटे लगे। हादसे में घायल व्यक्ति खाई से मुश्किल से बाहर निकला और दो दिन तक पैदल चलकर दिसंबर की रात चिपरा ग्रेफ कैंप तक पहुंचा।

थिरुप्परनकुंद्रम मुद्दा अगर आगे बढ़ाने की जरूरत पड़ी तो बढ़ाया जाएगा: भागवत

दीपम उत्सव से जुड़े कुछ नियमों और परंपराओं को लेकर मतभेद आए थे सामने

नागपुर (ईएमएस): आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने तमिलनाडु के थिरुप्परनकुंद्रम विवाद पर एक अहम टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राज्य के भीतर ही हिंदुओं की एकजुट शक्ति और सामर्थ्य के आधार पर सुलझाया जा सकता है। भागवत ने कहा कि थिरुप्परनकुंद्रम मुद्दा अगर आगे बढ़ाने की जरूरत पड़ी तो बढ़ाया जाएगा। फिलहाल यह मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए इसे वहीं पर शांतिपूर्वक हल होने दिया जाए। उनके इस बयान को मदुरै दीपम विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने साफ संकेत दिया कि संगठन चाहकर भी अभी इस मुद्दे को ज्यादा राजनीतिक रंग नहीं देना चाहता, क्योंकि मामला कोर्ट में लंबित है। उन्होंने कहा कि जब तक न्यायिक प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक सभी से धैर्य बनाए रखने की अपील है। हालांकि,

उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि विवादों का हल स्थानीय स्तर पर मिलकर निकालना ही सर्वोत्तम रास्ता है। इससे समाज में अनावश्यक तनाव नहीं बढ़ता और समुदायों के बीच संवाद बेहतर रहता है।

भागवत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब तमिलनाडु में धार्मिक मुद्दों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज है। थिरुप्परनकुंद्रम क्षेत्र में दीपम उत्सव से जुड़े कुछ नियमों और परंपराओं को लेकर हाल ही में मतभेद सामने आए थे।

वहीं प्रशासन का कहना था कि कानून-व्यवस्था की स्थिति ध्यान में रखते हुए कदम उठाए गए। ऐसे माहौल में आरएसएस प्रमुख का हिंदुओं की एकजुट शक्ति से समाधान वाला संदेश राज्य के भीतर सामंजस्य और संवाद के जरिए हल निकालने की दिशा में एक संकेत माना जा रहा है।

आरएसएस प्रमुख ने कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि किसी भी विवाद को भावनात्मक रूप से नहीं, बल्कि संयम और विवेक से देखें। उन्होंने कहा कि न्याय पर भरोसा रखना चाहिए और जहां समाज की एकता जरूरी हो, वहां सभी समुदायों को मिलकर रास्ता निकालना चाहिए। फिलहाल थिरुप्परनकुंद्रम विवाद पर कोर्ट में सुनवाई जारी है और सभी पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के फैसले का इंतजार कर रहे हैं।

संपादकीय

इंतजामों में लापरवाही कब रुकेगी?

किसी भी हादसे का मुख्य सबक यह होना चाहिए कि उस तरह की घटना से बचने के लिए हर उपाय किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। मगर आए दिन लगभग समान दिखने वाले हादसों की खबरें आती रहती हैं, उसमें नाहक लोगों की जान जाती है और कई बार एक ही प्रकृति की लापरवाही आम पाई जाती है। गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार रात जिस तरह आग लगी और उसमें कम से कम पच्चीस लोगों की जान चली गई, उससे फिर यही पता चलता है कि सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी जरूरी पक्ष को लेकर लापरवाही के नतीजे क्या हो सकते हैं। आग लगने के वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएंगे, मगर किसी भी जगह ऐसे हादसे में जानमाल की क्षति का मुख्य कारण बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने से आग का तेजी से फैलना होता है।

खबरों के मुताबिक, गोवा के उस क्लब में भी आपात स्थिति में बाहर निकलने का रास्ता बेहद संकरा था, जिसमें कई लोग फंस गए। विडंबना यह है कि नाइट क्लब या ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगहों पर चकाचौंध पैदा करने के लिए भारी खर्च किए जाते हैं, लेकिन आपात स्थिति में बचाव को लेकर अमूमन सभी जरूरी पहलुओं को लेकर घोर लापरवाही बरती जाती है।

किसी भी हादसे की स्थिति में सबसे बुनियादी और प्राथमिक जरूरत बचाव का उपाय होती है। मगर जानमाल के व्यापक नुकसान की लगभग सभी घटनाओं में कारण के तौर पर एक विचित्र तरह की समानता पाई जाती है कि वहां अग्नि शमन की व्यवस्था या तो नहीं थी या फिर वह काम नहीं कर रही थी। निश्चित तौर पर यह संबंधित भवन के मालिक और प्रबंधन की लापरवाही होती

है, लेकिन अक्सर लोगों के जमा होने की जगहों पर आग लगने की स्थिति में बचाव इंतजामों की जांच करने के मामले में सरकार या संबंधित महकमों की जिम्मेदारी क्या होती है?

गोवा को एक अहम पर्यटक स्थल और अपेक्षया एक सुरक्षित जगह के रूप में देखा जाता रहा है। मगर नाइट क्लब में आग लगने से जिस तरह पच्चीस लोगों की जान चली गई, उसके बाद वहां के जोखिम को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। इस हादसे के बाद गोवा के बाकी क्लबों में भी अग्नि शमन, सुरक्षा और बचाव के उपायों की स्थिति की जांच की मांग की जा रही है।

सवाल है कि आग लगने की स्थिति में बचाव या सुरक्षा का इंतजाम एक अनिवार्य व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए, जिसमें मामूली लापरवाही की भी गुंजाइश न हो! अव्वल तो समूचा ढांचा ऐसा तैयार होना चाहिए, जिसमें कोई सामान्य तकनीकी गड़बड़ी बड़े हादसे में तब्दील न हो। दूसरे, किसी भी वजह से आग लगने की आशंका के मद्देनजर हर स्तर पर बचाव के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि उस पर तुरंत काबू पाया जा सके।

यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी इमारतों तक अग्नि शमन सेवा के वाहनों की आसान पहुंच हो। कई बार आग व्यापक तबाही का कारण इसलिए बनती है कि उस पर काबू पाने के उपाय अपर्याप्त होते हैं, लोगों के बाहर भागने और अग्नि शमन वाहनों के घटनास्थल पहुंचने का रास्ता संकरा या बाधित होता है।

हादसे और उसमें लोगों की मौत के बाद सरकार तथा प्रशासन की ओर से कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई और हताहतों या उनके परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की औपचारिकता जरूर पूरी की जाती है, लेकिन नियम-कायदों पर अमल को लेकर अगर प्रशासनिक सक्रियता सामान्य दिनों में भी कायम रहे तो शायद कई त्रासदियों से बचा जा सकता है।

शान दिखाने का जरिया बना जानलेवा जश्न, आखिर क्यों नहीं लग पा रही रोक?

शादी समारोहों या जश्न के दौरान खुशी का इजहार करने के लिए हथियारों का प्रदर्शन और गोली चलाने की बढ़ती मानसिकता न केवल सामाजिक स्तर पर भय का वातावरण बना रही है, बल्कि इससे अपराध का एक नया रूप भी उभर कर सामने आ रहा है। खुशी की इस तथाकथित अभिव्यक्ति से आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में हाल ही में विवाह समारोह के दौरान ऐसी ही एक घटना में दो नाबालिग लड़कों की मौत हो गई और जश्न का माहौल अचानक मातम में बदल गया। सवाल है कि इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधियों पर आखिर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? पुलिस भी तभी कार्रवाई करती नजर आती है, जब जश्न में गोली चलने से किसी की मौत हो जाती है। अगर कोई अनहोनी न हो, तो समारोह में उत्साह और प्रसन्नता दिखाने के लिए गोली चलाने को आमतौर पर सामान्य माना जाता है। इसी लापरवाही का नतीजा है कि इस तरह की घटनाओं में जान जाने का जोखिम हमेशा बना रहता है। दरअसल, विवाह समारोहों और अन्य निजी कार्यक्रमों में हथियारों का प्रदर्शन तथा हवा में गोली चलाने का चलन अपनी शान दिखाने का जरिया बन गया है। सामाजिक और मानवीय पहलू से इस बात पर भी विचार करना जरूरी है कि समारोह के आयोजकों की ओर से अपने रिश्तेदारों और संबंधियों को अपने साथ हथियार लाने की अनुमति देना क्या उचित है। जबकि खुशी में गोली चलाने से किसी की मौत हो जाने की खबरें आए दिन आती रहती हैं। शस्त्र (संशोधन) अधिनियम 2019 के मुताबिक, सार्वजनिक समारोहों, धार्मिक स्थलों, शादियों या किसी अन्य कार्यक्रम में गोला-बारूद और आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद अगर इनका बेरोकटोक इस्तेमाल हो रहा है, तो इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना भी स्वाभाविक है। यह सुनिश्चित करना पुलिस का कर्तव्य है कि लाइसेंसी हथियार का कहीं बेजा इस्तेमाल तो नहीं हो रहा है। अब समय आ गया है कि हथियार लाइसेंस की प्रक्रिया को भी कड़ा किया जाए और इसका दुरुपयोग रोकने के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित किया जाए।

आज का कार्टून

देश में कपास किसानों की बढ़ती चुनौतियां

अमेरिका को भारत में नजर आ रहा बाजार

भारत में कपास की खेती मुख्यतः लगभग 99 फीसद खरीफ फसल के रूप में होती है, जबकि तमिलनाडु और उसके आसपास के दूसरे राज्यों के कुछ हिस्सों में यह रबी की फसल है। भारत में लगभग साठ लाख किसान परिवार कपास की खेती से अपनी आजीविका चलाते है। इसके अतिरिक्त 4-5 करोड़ दूसरे लोग भी इसके व्यापार से जुड़े है। यहां पिछले वर्ष कुल 114.47 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य जमीन पर कपास की खेती की गई, जो पूरी दुनिया में कपास की खेती के रकबे 314.79 लाख हेक्टेयर का 36.36 फीसद है। रकबे के लिहाज से भारत पूरी दुनिया में पहले स्थान पर है और उत्पादन के मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। मगर यहां प्रति हेक्टेयर कपास की पैदावार (437 किग्रा प्रति हेक्टेयर) विश्व की औसत पैदावार (833 किग्रा प्रति हेक्टेयर) से काफी कम है।

आरके विश्वकर्मा

भारत में कच्चे कपास के आयात पर पहले पांच फीसद मूल सीमा शुल्क, पांच फीसद कृषि अवसंरचना और विकास उपकर तथा इन दोनों पर दस फीसद सामाजिक कल्याण अधिभार, यानी कुल मिलाकर ग्यारह फीसद का सीमा शुल्क लगता था। फरवरी, 2021 में किसान आंदोलन के बाद देश के कपास किसानों के हित को ध्यान में रख कर यह शुल्क लगाया गया था। मगर अब सरकार ने कपड़ा उद्योग की मांग पर कच्चे कपास के आयात पर सभी सीमा शुल्क में 19 अगस्त, 2025 से छूट दे दी है।

इस फैसले की सराहना देश के कपड़ा उद्योग ने तो की ही, अमेरिकी कृषि विभाग ने भी बाकायदा बयान जारी करके इसे महत्त्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इससे अमेरिकी कपास का भारत में निर्यात बढ़ेगा। इस निर्णय से भले ही अमेरिका को फायदा हो, लेकिन देश के किसान इससे आहत हैं।

'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआइ) के मुताबिक, आयात शुल्क में इस छूट का सबसे बड़ा लाभ निश्चित तौर पर अमेरिका को ही होने वाला है। भारत को कपास निर्यात करने वाला अमेरिका सबसे बड़ा देश है, और वहा कपास की नई फसल बाजार में जुलाई-अगस्त से आनी शुरू हो जाती है।

महत्त्वपूर्ण बात यह है कि आयात शुल्क उस वक्त खत्म किया गया, जब भारतीय किसानों के कपास की नई उपज बाजार में आने ही वाली थी। देश में कपास की फसल अक्तूबर से सितंबर तक होती है। इसी दौरान किसानों को कपास के अच्छे दाम मिलने की उम्मीद होती है। अब विदेश से बड़े पैमाने पर कपास आने से घरेलू कपास की कीमतें गिर जाएंगी।

सीमा शुल्क में छूट की अधिसूचना जारी होने के दिन भारतीय कपास निगम यानी 'काटन कार्पोरेशन आफ इंडिया' (सीसीआइ) ने कपास की कीमत 600 रुपए प्रति कैंडी (एक कैंडी- 356 किग्रा) कम कर दी और उसके दूसरे दिन फिर 500 रुपए प्रति कैंडी कम कर दी। इस तरह महज दस दिनों के भीतर ही कपास के न्यूनतम मूल्य में कुल 1700 रुपए प्रति कैंडी की कमी खुद सरकार की ओर से की गई।

अमेरिका की बात की जाए, तो कपास उत्पादन में वह दुनिया में तीसरे स्थान पर है, लेकिन इसकी घरेलू खपत वहां बहुत कम है। कुल उत्पादन का लगभग 85 फीसद कपास वह निर्यात करता है। पहले अमेरिकी कपास का सबसे बड़ा आयातक चीन था, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीति के कारण चीन वहां से कपास का आयात कम करता जा रहा है। इसलिए अमेरिका को एक वैकल्पिक बाजार की तलाश थी, जो उसे भारत में नजर आ रहा है।

हालांकि, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक देश है और यहां घरेलू खपत कुल उत्पादन का औसतन 95 फीसद है। मगर यहां उच्च गुणवत्ता वाले

या ज्यादा लंबे रेशे वाले कपास (ईएलएस) की पैदावार कम होती है और उसकी जरूरत को आयात के जरिए पूरा किया जाता है।

अमेरिकी कृषि व्यापार निकाय काटन काउंसिल इंटरनेशनल (सीसीआइ) तो इस शुल्क को हटाने की मांग लंबे समय से कर रहा था। दरअसल, उच्च गुणवत्ता वाले या अति लंबे रेशे के कपास के आयात पर से ग्यारह फीसद शुल्क सरकार ने 20 फरवरी, 2024 से समाप्त कर दिया है, लेकिन इससे छोटे रेशे के कपास आयात पर शुल्क जारी था, जिसे इस वर्ष अगस्त में खत्म किया गया।

इस कदम से सरकार अमेरिकी शुल्क की मार से भारतीय वस्त्र निर्यातकों के मुनाफे को तो कुछ हद तक सुरक्षित कर लेगी, लेकिन इसका खमियाजा देश के किसानों को भुगतना पड़ेगा। खासकर तब जब किसानों की आय दोगुनी करने का जोर-शोर से दावा किया जा रहा है।

कपास से सीमा शुल्क हटाने को लेकर जारी बयान में कपड़ा निर्माताओं और उपभोक्ताओं के हितों की बात तो कही गई थी, लेकिन कपास किसानों का जिक्र करना सरकार भूल गई। दूसरी बार जारी बयान में कहा गया कि भारतीय कपास निगम लिमिटेड द्वारा संचालित न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था के माध्यम से किसानों के हितों की रक्षा की जाती है, जो यह सुनिश्चित करती है कि किसानों को उनकी उत्पादन लागत से कम से कम पचास फीसद अधिक मूल्य प्राप्त हो।

न्यूनतम समर्थन मूल्य किसान की उपज का वह मूल्य है, जिसका निर्धारण सरकार इसलिए करती है कि किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिल सके और इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार किसानों से कपास खुद खरीदती है। अब यहां दो बाते हैं: पहली यह कि सरकार कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य कितना तय करती है और दूसरी यह कि इस मूल्य पर सरकार किसानों से कितना कपास खरीदती है!

सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण ए-2 एफएल फार्मूले के आधार पर करती है। इसके अनुसार, मध्यम रेशे के कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य वर्ष 2024-25 के लिए 7,121 रुपए प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। मगर किसान संगठनों की मांग है कि यह सी-2 फार्मूले के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, जिसके अनुसार यह मूल्य 10,075 रुपए प्रति कुंतल होना चाहिए। मालूम हो कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के निर्धारण के लिए सी-2 का फार्मूला डा एमएस स्वामीनाथन ने सुझाया था।

भारत में कपास की खेती मुख्यतः लगभग 99 फीसद खरीफ फसल के रूप में होती है, जबकि तमिलनाडु और उसके आसपास के दूसरे राज्यों के कुछ हिस्सों में यह रबी की फसल है। भारत में लगभग साठ लाख किसान परिवार कपास की खेती से अपनी आजीविका चलाते हैं। इसके अतिरिक्त 4-5 करोड़ दूसरे लोग भी इसके व्यापार से जुड़े हैं।

यहां पिछले वर्ष कुल 114.47 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य जमीन पर कपास की खेती की गई, जो पूरी दुनिया में कपास की खेती के रकबे 314.79 लाख हेक्टेयर का 36.36 फीसद है। रकबे के लिहाज से भारत पूरी दुनिया में पहले स्थान पर है और उत्पादन के मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। मगर यहां प्रति हेक्टेयर कपास की पैदावार (437 किग्रा प्रति हेक्टेयर) विश्व की औसत पैदावार (833 किग्रा प्रति हेक्टेयर) से काफी कम है।

पिछले दस वर्षों में सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कपास की खरीद पर कुल 1,17,348.13 करोड़ खर्च किए। यह एक निवेश की तरह है, सीसीआइ किसानों से कपास खरीद कर इसे बाजार में बेचती है। मगर किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

इस साल के पहले तीन माह में महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के करीब 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। बीते दशक में कपास का कुल उत्पादन 3370.72 लाख गांठें (एक गांठ-170 किग्रा) रहा और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कुल खरीद मात्र 380.58 लाख गांठें।

दुनिया में क्यों मची हथियारों की होड़...

दुनिया के सबसे धनी उद्यमी एलन मस्क ने हाल ही में यह भविष्यवाणी की है कि अगले दस वर्षों के भीतर तीसरा विश्व-युद्ध छिड़ सकता है। जाहिर है, यह बेहद चिंता की बात है और स्वाभाविक ही इस पर जबर्दस्त बहस भी शुरू हो गई है। मस्क के इस बयान से एक बुनियादी सवाल उठ खड़ा हुआ है कि हथियारों की बिक्री में जो भारी उछाल आई है, कहीं वह दुनिया को एक भयानक युद्ध की ओर तो नहीं ले जा रही?

जी जी द्विवेदी

दरअसल, यह सवाल 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक डाटा से पैदा हुआ है। इस डाटा के मुताबिक, संसार की शीर्ष 100 हथियार कंपनियों द्वारा हथियारों व सैन्य उपकरणों की बिक्री से प्राप्त होने वाले राजस्व में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह राशि 670 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। हथियारों की बिक्री से होने वाली यह कमाई बिक्री में रुकावटों, महंगाई और औद्योगिक मंदी के बावजूद हुई है। हथियारों की बिक्री का आलम यह है कि साल 2024 में दुनिया की शीर्ष 100 हथियार कंपनियों में शामिल अमेरिका की 43 कंपनियों का कुल राजस्व 3.8 प्रतिशत बढ़कर 334 अरब डॉलर हो गया। इनमें लॉकहीड मार्टिन, नॉर्थरोप, ग्रुम्मन और जनरल डायनेमिक्स आदि शामिल हैं। रूस को छोड़ दें, तो शेष यूरोप की 26 हथियार कंपनियों में से 23 ने हथियारों के राजस्व में 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और उनका राजस्व 151 अरब डॉलर पहुंच गया। हथियारों की बिक्री असल में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के साथ नाटो देशों को कथित धमकी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र समेत तमाम संघर्षरत देशों के कारण बढ़ी है। केवल एशिया और ओशिनिया ने 2024 में शीर्ष 100 कंपनियों से हथियारों की कम खरीद की। इनकी खरीदारी साल 2023 की तुलना में 1.2 प्रतिशत घटकर 130 अरब डॉलर रही। शीर्ष की दो रूसी कंपनियों- रोस्टेक और यूनाइटेड

शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन्स ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण कल-पुर्जों की कमी के बावजूद 23 प्रतिशत की वृद्धि करके अपने संयुक्त राजस्व को 31.2 अरब डॉलर कर लिया। जापानी और दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने यूरोप और अपनी घरेलू मांगों की वजह से बढ़त को जारी रखा है। शीर्ष में शामिल जापान की पांच कंपनियों ने अपना राजस्व बढ़ाकर 13.3 अरब डॉलर और दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने 14.1 अरब डॉलर कर लिया है। इसी तरह, पश्चिम एशिया की कंपनियों का कुल राजस्व 31 अरब डॉलर रहा, वहीं तीन इजरायली कंपनियों ने 16.2 अरब डॉलर का राजस्व कमाया। इनमें तीन भारतीय कंपनियों ने पहली बार घरेलू मांग की वजह से अपने कुल हथियार राजस्व को 8.2 प्रतिशत बढ़ाकर 7.5 अरब डॉलर कर लिया। साफ है, दुनिया भर की सरकारें रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश में ज्यादा हथियार खरीद रही हैं। वे अपने खत्म हो चुके हथियार भंडार को फिर से भर रही हैं और आपातकालीन तैयारी के तौर पर ऐसी खरीदी कर रही हैं, जिनके बारे में हाल तक सोचा भी नहीं गया था। इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध ने तोप के गोलों, ड्रोन, प्रिसिजन मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम की भारी मांग पैदा कर दी है। गाजा पर इजरायली हमलों ने भी अनावश्यक हथियारों व युद्धक सामानों की मांग बढ़ा दी है।

साउथ चाइना-सी और ताइवान जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव की वजह से जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देश लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें, पनडुब्बियां और अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। इतिहास पर गौर करें, तो हथियार जमा करने की प्रवृत्ति बड़े संघर्षों से पहले दिखी है। अर्थात, 1914 से पहले, फिर 1930 के दशक में और शीत युद्ध के अंतिम दौर में। मस्क की भविष्यवाणी इसी आलोक में लगती है। हो भी क्यों न। जब बड़ी ताकतें एक ही समय में अपनी-अपनी सेनाओं का आधुनिकीकरण करती हैं, तो गलत अंदाजा लगाया जाना स्वाभाविक है। हालांकि, हथियारों की बिक्री में बढ़ोतरी तीसरे विश्व युद्ध की उल्टी गिनती का संकेत नहीं है। यहां सबसे बड़ा अंतर इरादे में है। इस समय हो रही ज्यादातर हथियार-खरीद रक्षात्मक है, आक्रामक नहीं। यूरोपीय देश रूस के साथ युद्ध शुरू करने के लिए नहीं, बल्कि मॉस्को को किसी भी गलत कदम से रोकने के लिए हथियार खरीद रहे हैं। इसी तरह, हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देश चीन से युद्ध नहीं चाहते, बल्कि बीजिंग को ताइवान या साउथ चाइना-सी में एकतरफा कार्रवाई से रोकना चाहते हैं। इसके अलावा, परमाणु हथियार बड़ी ताकतों के लिए लड़ाई रोकने का बड़ा जरिया बना हुआ है।

यह सही है कि इससे परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होता। जब पारंपरिक लड़ाइयां बढ़ेंगी, तो परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका भी बनी रहेगी। यूक्रेन-रूस और गाजा-हमास की लड़ाई में कूटनीति बहुत कारगर साबित नहीं हो पा रही है और छद्म संघर्षों का खतरा बना हुआ है। ड्रोन, हाइपरसोनिक मिसाइल, लंबी दूरी के मारक हथियार और 'एआई-इनेबल्ड सर्विलांस' जैसे अत्याधुनिक हथियारों का तेजी से इस्तेमाल खतरे को गंभीर बनाता है। रक्षा उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है और सुरक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे विकसित किए जा रहे हैं। इसका मतलब है कि देश किसी लड़ाई की चेतावनी मिलते ही तुरंत कार्रवाई कर सकने में सक्षम हों। संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं के कमजोर पड़ने के साथ बड़ी ताकतों की बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा ने बहुपक्षीय कूटनीति में एक बिखराव पैदा किया है, जिससे संघर्ष को टालने की प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

ऐसे में, हथियारों की बिक्री में तेजी से खतरा तो बढ़ा है, मगर इससे जंग छिड़ जाए, यह जरूरी नहीं है। विभिन्न देशों द्वारा हथियारों की खरीद आसन्न खतरे से बचने, आधुनिकीकरण और अपनी क्षमता को मजबूत करने के लिए है। असल खतरा किसी एक देश से नहीं, बल्कि कई देशों के एक साथ फिर से हथियार जमा करने में है। एक ऐसी दुनिया में, जहां भरोसा कम हो रहा है और संकट कूटनीतिक संवाद के दायरे से बड़े होते जा रहे हैं, पहले से ज्यादा असरदार संकट प्रबंधन की जरूरत है। ऐसे में, मस्क की भविष्यवाणी को एक संकेत के तौर पर लेना चाहिए, क्योंकि कई तरह की अवांछित गतिविधियों के साथ बिगड़ते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में हथियारों का निर्माण तेजी से हो रहा है। हथियारों की बिक्री में बढ़ोतरी गहरी भू-राजनीतिक उथल-पुथल और बदलते शक्ति-संतुलन का लक्षण है। भविष्य के विश्व-युद्ध का फैसला न सिर्फ बनाए जा रहे हथियारों और हार्डवेयर से होगा, बल्कि उस समय के नेताओं के फैसलों पर भी निर्भर करेगा।

सड़क निर्माण को ले विधायक राज सीएम हेमंत से मिले

धनबाद (कासं) : झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने धनबाद नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत ३८ महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण में ६ वर्षों से हो रही देरी के गंभीर मामले को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की।

विधायक श्री सिन्हा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर उन्हें अवगत कराया कि धनबाद नगर निगम के कुल ५२ वार्डों में से ३८ प्रमुख सड़कें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जांच लंबित रहने के कारण छह वर्षों से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पड़ी हैं, जिससे आमजन के आवागमन में भारी कठिनाइयाँ और दुर्घटना जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं।

उन्होंने बताया कि एसीबी धनबाद के पुलिस अधीक्षक द्वारा पत्रांक ८४४ दिनांक २१.११.२०२५ के माध्यम से पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, झारखंड रांची से पीइ संख्या ०१/२०२० (दिनांक ०७.०८.२०२०) का अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है, जिसके अभाव में अब तक इन सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। उक्त पत्र की प्रति भी मुख्यमंत्री को सौंपी गई।

विधायक ने यह भी कहा कि वे स्वयं पूर्व में तत्कालीन पुलिस महानिदेशक, एसीबी झारखंड रांची को विषय की गंभीरता से अवगत करा चुके हैं, परंतु निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी न होने के कारण ३८ सड़कों का निर्माण अटका हुआ है। विधायक श्री सिन्हा ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि जनता की परेशानी को देखते हुए एसीबी जांच से संबंधित प्रक्रिया को शीघ्र निष्पादित करते हुए धनबाद नगर निगम क्षेत्र की इन सभी ३८ महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण कार्य को अविलंब शुरू कराए जाने की माँग की। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को विस्तृत लिखित पत्र भी सौंपा।

रक्तदान शिविर का आयोजन

धनबाद (कासं) : श्री सर्वविद्या सेवा ट्रस्ट की इकाई भारतीय एकता शेर सेना सामाजिक संस्था स्थापना दिवस के अवसर पर रणधीर वर्मा चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन ब्लड स्टोरेज सेंटर प्रभारी डॉक्टर राकेश कुमार व एसडीओ ऑफिस के मजिस्ट्रेट के द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर में करीब १० यूनिट से ज्यादा ब्लड लोगों के द्वारा दिया गया। वहीं श्री सर्वविद्या सेवा ट्रस्ट की इकाई भारतीय एकता शेर सेना के अध्यक्ष रंजन गुप्ता ने बताया कि हमारी संस्था हर साल ११ को स्थापना दिवस के रूप में रक्तदान शिविर का आयोजन करती है। क्योंकि इसी दिन हमारे पिताजी की पुण्यतिथि भी है। मौके पर संस्था के सदस्य सौरव कुमार, रवींद्र सिंह, प्रभात कुमार, राजीव नयन, अमित साव आदि मौजूद थे।

जगत जननी श्री श्री मां शारदा देवी की जन्मतिथि मनी

धनबाद (कासं) : रामकृष्ण विवेकानंद सोसाइटी बैंक मोड़ धनबाद में श्री श्री जगत जननी माँ शारदादेवी का १७३वां जन्मतिथि धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। सभी भक्तों ने हर्षोल्लास एवं भक्ति के साथ इस उत्सव का आनंद उठाया। सर्वप्रथम श्री श्री मां शारदा देवी की विशेष पूजा अर्चना की गई। इसके बाद हवन, चंडी पाठ एवं पुष्पांजलि इत्यादि संपन्न हुआ।

इस अवसर पर समिति के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसका नेतृत्व डॉक्टर सुजाता चटर्जी ने की। तत्पश्चात भक्तजन, सदस्य व अतिथियों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में शारदा संघ के सदस्यगण एवं विवेकानंद आश्रम के सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सफल करने में रामकृष्ण विवेकानंद सोसाइटी के अध्यक्ष डॉक्टर गोपाल चटर्जी एवं सचिव अधिवक्ता सुजीत चंद्र मल्लिक, अशोक विश्वास, मानस चक्रवर्ती, बादल सरकार, बापी विश्वास, नदिया नंदन घोष, चंदन मैत्रा, अभिजीत राय, सत्यजीत कोले, विश्वनाथ साधुखा, शारदा संघ के लीना मोइत्रा, मुक्ति सरकार, नुपुर मोइत्रा श्याम बनर्जी, झिलिक, अमल मुखर्जी का विशेष योगदान रहा। संघ के वरिष्ठ सदस्य रोहिणी आईच ने भक्तों, सदस्य एवं अतिथियों को धन्यवाद दिया।

स्टीलगेट में 13 से सजेगा हरि कथा का दरबार

धनबाद (कासं) : स्टीलगेट स्थित दुर्गा मंदिर एवं शिव मंदिर प्रांगण में आगामी १३ से सात दिवसीय भव्य हर के आँगन में हरि कथा का शुभारंभ होने जा रहा है। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। वहीं यह जानकारी आयोजन समिति के हित नयन कुमार ने दी।

आयोजन समिति ने बताया कि यह धार्मिक अनुष्ठान १३ से १९ तक प्रतिदिन शाम ४ से ७ बजे तक आयोजित होगा। श्रद्धालु प्रत्येक दिन कथा श्रवण कर सकेंगे। वहीं बताया कि १३ को झांकी के साथ कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह कलश यात्रा न्यू बैंक कॉलोनी से कार्यक्रम स्थल तक निकाली जाएगी।

कार्यक्रम में वृंदावन के सुप्रसिद्ध कथा व्यास पूज्य श्री हित ललितवल्लभ नागार्च अपने मुखारविंद से श्रीकृष्ण लीलाओं एवं हरि कथा का रसपान कराएँगे। आयोजन को लेकर भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है। कथा के समापन के अगले दिन २० को भव्य महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं।

इस धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान न्यू बैंक कॉलोनी, स्टीलगेट निवासी मोहन गुप्ता एवं उनकी धर्मपत्नी किरण देवी है। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार कथा में उपस्थित होने का आग्रह किया है। प्रेस वार्ता में सरायढेला चेंबर अध्यक्ष श्रवण सिन्हा, कोषाध्यक्ष संजय सोनी, अरुण गुप्ता, मंटू राजु गुप्ता, अशोक विश्वकर्मा, योगेश गुप्ता, निताई कुंभकार, कुश भारती, मुकेश कुमार, मुकुल पांडेय, अमृत मंडल, अशोक विश्वकर्मा, प्रकाश गुप्ता मौजूद थे।

विधायक राज ने विस में चिकित्सा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को उठाया

धनबाद/रांची (कासं) : झारखंड विधानसभा में पार्टी के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने धनबाद में थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित बच्चों की चिकित्सा व्यवस्था से जुड़े गंभीर मुद्दों को जोरदार तरीके से सदन में उठाया।

विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि धनबाद जिले में डे केयर यूनिट, विशेष चिकित्सक तथा गर्भावस्था के दौरान बच्चों में थैलेसीमिया जांच हेतु आवश्यक तकनीकजैसे एमनियोसेंटेसिस, कॉरियोनिक विल्लुस सैंपलिंग और सीबीएस परीक्षण का उपलब्ध न होना अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि इन सुविधाओं के अभाव में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों एवं उनके परिवारों को धनबाद से बाहर इलाज के लिए जाना पड़ता है, जिससे आर्थिक और मानसिक दोनों प्रकार का बोझ बढ़ता है।

विधायक श्री सिन्हा ने यह भी बताया कि धनबाद के कई निजी संस्थान थैलेसीमिया सिकल सेल पीड़ित बच्चों को बिना डोनर और बिना शुल्क के रक्त उपलब्ध नहीं करा रहे हैं, जिससे मरीजों के सामने अत्यंत कठिन परिस्थितियाँ उत्पन्न हो रही हैं। यह स्थिति मानवीय एवं स्वास्थ्य सेवा मानकों के बिल्कुल विपरीत है।

उन्होंने सरकार से मांग की है कि धनबाद में थैलेसीमिया-सिकल सेल डे केयर यूनिट की तत्काल स्थापना की जाए। गर्भवती महिलाओं के लिए उन्नत जांच सुविधाएँ धनबाद मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध कराई जाए। निजी अस्पतालों द्वारा रक्त उपलब्ध कराने में हो रही मनमानी पर कड़ी निगरानी एवं सख़्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। थैलेसीमिया एवं सिकल सेल पीड़ित बच्चों के लिए निःशुल्क एवं नियमित रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु विशेष दिशानिर्देश जारी किए जाने की मांग की। अंत में विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मासूम बच्चों को समय पर उपचार एवं रक्त उपलब्ध कराना सरकार और स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सरकार इस मामले को तत्काल संज्ञान में लेकर त्वरित कार्रवाई करेगी।

विधायक राज ने महिला बाल विकास व सामाजिक सुरक्षा विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की

धनबाद (कासं) : झारखंड विधानसभा के सचेतक से धनबाद विधायक राज सिंहा ने महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग से संबंधित अति महत्वपूर्ण विषयों को सदन में उठाया।

विधायक श्री सिन्हा ने सवाल किया कि विभाग अंतर्गत ५२ परियोजनाओं में वर्ष २००५ से संविदा पर कार्यरत आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिकाओं के अब तक नियमितीकरण करने के मामले को क्यों लटका कर रखा गया। अन्य विभागों में वर्ष २०१४ से कार्य करने वाले संविदा कर्मियों का नियमितीकरण कारण किया जा चुका है।

विधायक श्री सिन्हा ने सदन में पूछा कि उन ५२ परियोजनाओं अंतर्गत कार्यरत संविदा आधारित पदों को २४ जनवरी २०२४ को प्रशासी पदवर्ग द्वारा प्रत्यर्पित कर नियमित पद पर परिवर्तित किया जा चुका है। फिर भी मंत्री परिषद द्वारा अनुमोदन किया जाने की प्रत्याशा में मामला लंबित है क्यों?

पान दुकान में चोरी

कतरास (ससे) : बाघमारा थाना क्षेत्र के डुमरा मोड़ में बीती रात चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बनाया, लेकिन एक में चोरी करने में सफल हो गए जबकि दो दुकानों में प्रयास असफल हो गया। सुबह ज़ब दुकानदार दुकान खोलने पहुंचे तो टूटा ताला देख होश उड़ गये। डुमरा दक्षिण मुखिया जीवन लाला महतो की सूचना पर थाना प्रभारी अजीत कुमार सदल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने दुकानदारों से पूछताछ कर घटना की जानकारी ली। वही पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज को भी खंगाला। जांच के दौरान सीसीटीवी फूटेज में रात २ बजकर २७ मिनट पर एक व्यक्ति दुकान का ताला तोड़ते हुए नजर आया है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से चोरों की तलाश शुरू कर दी है। डुमरा मोड़ स्थित बबलू पान दुकान का शटर तोड़कर चोरो ने नगद १२ सौ रूपये, आधार कार्ड सहित जरुरी कागजात चोरी कर लिया। साथ ही बगल में रामप्रसाद पान दुकान का शटर का ताला तोड़ा गया, कुछ नहीं ले जा पाया। वही अनमोल वस्त्रालय का आधा शटर को उखाड़ कर चोरी का प्रयास किया लेकिन नाकाम साबित हुए। दुकानदारों में आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से भय का माहौल बना हुआ है। दुकानदारों ने पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि हाल ही में डुमरा पोस्ट ऑफिस स्थित कृष्णा ज्वेलर्स दुकान का शटर उखाड़ कर चोरों ने चोरी का प्रयास किया था। डुमरा मेन चौक होने के बावजूद यहां चोर बड़ी आसानी से चोरी की घटना को अंजाम दे रहा है।

झामुमो ने दिया केंद्र सरकार व बीसीसीएल को चेतावनी

धनबाद (कासं) : झारखंड मुक्ति मोर्चा की केन्द्रीय सदस्य सह केन्द्रीय मीडिया पैनलिस्ट डॉ नीलम मिश्रा, जिला अध्यक्ष लखी सोरेन एवं महानगर अध्यक्ष मंटू चौहान सहित तमाम जिला एवं महानगर समिति के पदाधिकारीगण के साथ केंदुआडीह पांच नंबर नया धौड़ा राजपूत बस्ती में पहुंचे जहां विगत दिनों जहरीली गैस रिसाव से हुए दो महिलाओं की मौत ओर सैकड़ों लोगों के बीमार होने से संबंधित मामले की बीसीसीएल के संबंधित पदाधिकारियों से जानकारी ली एवं अधिकारियों से पूछा कि इतने सालों से बीसीसीएल कोयले का दोहन कर रही है फिर क्यों नहीं इस तरह के

हादसे के रोकथाम के लिए पहले से ही पुख्ता व्यवस्था की गई, क्यूं नहीं अब तक धनबाद से जब बीसीसीएल के माध्यम से केंद्र सरकार को अरबों रुपए मिल रहे हैं तो खनन स्थल ओर आसपास के लोगों की अच्छी सेहत स्वास्थ्य और रहना सहन की व्यवस्था के लिए उचित कदम क्यों नहीं उठाए गए, डॉ. नीलम मिश्रा ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेकर चेतावनी देते हुए कहा कि झामुमो इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए कोयला भवन सीएमडी कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी। साथ ही सभी मिलकर पीड़ित परिवार से मिले और वहां के निवासियों को ये भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस विषय पर गंभीर है और राज्यस्तरीय हर सुविधा ओर राहत देने को तत्पर है। इस अवसर पर मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य जग्गू महतो, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, अजय रवानी, राज आनंद, समीर रवानी, हरीश सिंह, बंटी सिंह, राजू प्रमाणिक, मदन राम, नईम अंसारी, टिंकू सरकार, जितेंद्र पासवान, रीना पासवान, कुणाल कुमार, मंसूर अंसारी, महादेव हंसदा, सुधीर यादव, फरीद मल्लिक, दिलीप महतो आदि उपस्थित थे।

माइनिंग इक्विपमेंट और अर्थ मूविंग मशीनरी में स्टैंडर्डाइजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

धनबाद (कासं) : आईएसएम धनबाद और ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स के संयुक्त प्रयास से माइनिंग इक्विपमेंट और अर्थ मूविंग मशीनरी के क्षेत्र में स्टैंडर्डाइजेशन पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में देशभर से

वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों, नीतिनिर्माताओं और शिक्षाविदों ने भाग लिया और माइनिंग सेक्टर में स्टैंडर्डाइजेशन की बढ़ती जरूरतों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत कुमार अनिमेष, साइंटिस्ट इ और प्रमुख, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, बीआईएस के स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने माइनिंग सेक्टर में सुरक्षित और भरोसेमंद संचालन के लिए एक समान मानकों की जरूरत पर जोर दिया।

आईआईटीआईएसएम धनबाद की ओर से प्रो. सारथ कुमार दास, डीन और बीआईएस चेयर प्रोफेसर ने संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि माइनिंग तथा मशीनरी सेक्टर में रिसर्चआधारित स्टैंडर्ड डेवलपमेंट को आगे बढ़ाने में बीआईएस और आईएसएमए की साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नई तकनीकों के आने के साथसाथ स्टैंडर्डाइजेशन की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

तकनीकी सत्रों के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। शुभम तिवारी, साइंटिस्ट- डी/ज्वाइंट डायरेक्टर, बीआईएस ने माइनिंग इक्विपमेंट और तकनीकों से जुड़ी भारतीय मानकों की मौजूदा स्थिति और स्टैंडर्डाइजेशन प्रक्रिया की जानकारी दी। शुभम यादव, साइंटिस्ट-सी/डिप्टी डायरेक्टर, बीआईएस ने आर एंड डी प्रोजेक्ट्स के दिशानिर्देशों और अर्थ मूविंग मशीनरी से जुड़े मानकों पर चर्चा की। पी. के. सिंह, उप महानिदेशक (मैकेनिकल) ने माइनिंग और अर्थ मूविंग मशीनरी से संबंधित नियमों और सुरक्षा मानकों पर चर्चा की। शंकरा नारायणन, कंट्री मैनेजर, कैटरपिलर इंडिया प्रा. लि., ने मशीनरी में आ रही नई तकनीकों और ऐसे क्षेत्रों के बारे में बताया जहां स्टैंडर्डाइजेशन के लिए और काम किए जाने की जरूरत है। इसी क्रम में डॉ. एल. ए. कुमारस्वामिधास, प्रोफेसर धनबाद ने माइनिंग तकनीकों और उपकरणों में विकसित होती नई प्रवृत्तियों और शोधअवसरों पर व्यापक जानकारी दी।

मिट्टी भराई के बावजूद गैस रिसाव की स्थिति गंभीर

पुटकी (ससे) : केंदुआडीह थाना के समीप बीसीसीएल का गेस्ट हाउस स्थित बंद सिरमोहान में मिट्टी भराई के बावजूद गैस रिसाव की स्थिति गंभीर बनी हुई है। केन्दुआडीह थाना परिसर में भी गैस रिसाव रेकार्ड किया गया है। केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रमोद पांडेय ने बताया कि लगातार गैस रिसाव से पूरा थाना पुलिस परिवार ग्रसित हैं और अस्वस्थ हो रहे है। बीसीसीएल , सिम्फर और आईआईटी की संयुक्त टीम ने मस्जिद मुहल्ला मो. यासीन के घर में सीओ स्तर की जाँच की गई, जिसमें २००० पीपीएम दर्ज किया गया। खतरनाक स्तर मिलने पर अधिकारियों ने घरों पर नोटिस चस्पा किया और परिवारों को सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी। मो. यासीन ने अपने परिवार को परिचित के यहाँ भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार स्थिति हानिकारक है और विस्तृत रिपोर्ट विभाग को भेजी जाएगी।

रांची से सीएमपीडीआईएल की टीम जाँच के लिए केन्दुआडीह पहुँची। टीम ने ड्रोन उड़ाकर प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वे किया और गैस रिसाव के संभावित बिंदुओं का डेटा बैस एकत्र किया। निरीक्षण के बाद टीम ने बताया कि पूरी रिपोर्ट सिंफर को सौंपी जाएगी। टीम में सीएमपीडीआईएल के मैनेजर (पायलट) भुनेश गुप्ता, सुदीप हाजरा, अशोक कुमार और विनोद महतो शामिल थे।

अफवाह रोकने व सुरक्षा को लेकर शिविर में अधिकारियों की बैठक

केन्दुआ (ससे) : केंदुआडीह गैस रिसाव के बीच फैल रही अफवाहों और सुरक्षा को लेकर दोपहर हिंदी भवन राहत शिविर में अधिकारियों व ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में पीबी जीएम जे.पी. मेहता, निलंबित जीएम जे.के. साहा और आईआईटी के पूर्व वैज्ञानिक एन. सहाय मौजूद रहे। अधिकारियों ने गैस के प्रभाव, नुकसान और बचाव के बारे में जानकारी दिये। पूर्व वैज्ञानिक एन. सहाय ने कहा कि स्थिति संवेदनशील और डरावनी है, इसलिए ग्रामीण घर न लौटें और शिविर में ही रहें।

ग्रामीणों ने गैस रिसाव को जल्द रोकने और स्थायी समाधान की मांग की। केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रमोद पांडेय दलबल मौके पर उपस्थित थे। मौके पर कृष्णा राउत, महादेव हांसदा, जयप्रकाश चौहान, अन्नु पासवान, अजीत पासवान, सुमित कुमार, दीनानाथ सिंह, मनोज राय आदि उपस्थित थे।

पुलिस थाना में जान का खतरा शिफ्ट करने की चल रही कवायद

केन्दुआ (ससे) : एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि केंदुआडीह क्षेत्र में गैस रिसाव एक सप्ताह से अधिक समय से जारी है। जिला प्रशासन और बीसीसीएल मिलकर इसे रोकने के हरसंभव उपाय कर रहे हैं। चूंकि जहरीली गैस का रिसाव केंदुआडीह थाना परिसर से काफी नजदीक हो रहा है, इसलिए थाना भी इसकी चपेट में आ गया है। थाना प्रभारी से लेकर वहां तैनात सभी पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य पर खतरा बना हुआ है। पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को देखते हुए केंदुआडीह थाने को दूसरे जगह शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में नया स्थान चिह्नित करने का काम पुलिस विभाग कर रहा है डीसी से इस बाबत बात चल रही है। बहुत जल्द थाने को पूरी तरह सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

टेंट हटाए जाने पर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

केन्दुआ (ससे) : केंदुआडीह गैस रिसाव के बीच हिंदी भवन समीप बने राहत शिविर में सुबह अफवाहें तेज रहीं। चार सौ लोगों के लिए लगाए गए अलग टेंट को हटाए जाने पर ग्रामीणों ने नाराज़गी जताई और कहा कि टेंट चेयरमैन के दौरे के लिए लगाया गया था। चेयरमैन के जाते ही अतिरिक्त टैंट सहित गद्दा, चारपाई आदि सुविधा हटा लिया गया है। ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए शाम तक शिविर को फिर से बड़ा आकार देकर तैयार कर दिया गया। नए टेंट में कारपेट और गद्दे बिछाकर बेहतर ठहरने की व्यवस्था की गई है। एपीएम अभिषेक राय ने कहा कि टेंट को पुनः तैयार करवा दिया गया है। राहत शिविर में स्वास्थ्य जांच शिविर में ५३ लोगों की जांच की गई। सुबह राजपूत बस्ती के ३२ वर्षीय रुपेश कुमार जायसवाल को तबीयत बिगड़ने पर कुस्तोर क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने किया अवैध कोयला जब्त

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रमोद पांडेय के नेतृत्व में सुबह बासदेवपुर मांइस से तीन मोटरसाइकिल, एक स्कूटर २० बोरा कोयला, वजन एक टन जब्त किया गया। छापेमारी की भनक लगते कोयला तस्कर मौके से फरार हो गये। जब्त वाहन मालिकों के विरुद्ध कांड संख्या १२६/२५ दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि लगातार बड़े पैमाने पर कोयला तस्करी की सूचना मिल रही थी, इसी सूचना पर छापेमारी किया गया है। छापेमारी से कोयला तस्करों में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के अनुसार सीआरपीएफ के मिलीभगत से प्रति दिन सैकड़ों स्कूटर और मोटरसाइकिल से बासदेवपुर मांइस से कोयला चोरी कर एक जगह जमा कर ट्रकों से बाहर भेजा जाता है।

उपायुक्त ने देर रात शहर का किया औचक निरीक्षण

बोकारो (ससे): जिले में अचानक कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित हो रहा है, ऐसे में राहत व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इसी क्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने शहर के विभिन्न इलाकों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अलाव की व्यवस्था नहीं मिलने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराज़गी जताई।

उपायुक्त ने साफ कहा कि आम जनता को राहत पहुंचाने में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शहर के चास क्षेत्र में अलाव व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उपायुक्त ने चास सीओ से तत्काल स्पष्टीकरण पूछने का अपर समाहर्ता को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि मौसम की स्थिति को देखते हुए समय पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएं। इस बाबत सभी अंचलों , नगर निगम चास एवं नगर परिषद फुसरों को राशि एवं निर्देश उपलब्ध कराया गया है।

इसके साथ ही बीएसएल नगर प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि बीएस सिटी के सभी महत्वपूर्ण चौक-चौराहों पर २४ घंटे के भीतर अलाव की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों को भी अपने-अपने प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय दौरा कर अलाव जलाने की स्थिति का वास्तविक जायजा लेने और व्यवस्था को प्रभावी बनाने को कहा। देर रात निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सेक्टर वन-सी राम मंदिर, १२ मोड़, दुंढी बाजार मोड़, नया मोड़-बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, आइटीआइ मोड़, धर्मशाला मोड़ चास सहित कई अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। इस क्रम में केवल नगर निगम चास द्वारा धर्मशाला मोड़ में अलाव की व्यवस्था पाई गई। शेष अन्य स्थानों पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि ठंड से राहत के लिए अलाव जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जनता की परेशानी में कोई भी लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह तत्परता के साथ करें। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार आदि उपस्थित थे।

रंथू महतों ने बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की

गिरिडीह (ससे): विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी कार्यों की प्रगति को लेकर आज प्रखंड कार्यालय गिरिडीह में उप निर्वाचन पदाधिकारी, श्री रंथू महतों ने बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही मैपिंग कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते सभी को कड़े शब्दों में निर्देशित किया गया कि मैपिंग कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही नहीं बरती जाय। समीक्षा के क्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने एवं सुनियोजित तरीके से मैपिंग का कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्य एक अत्यंत संवेदनशील एवं जिम्मेदारीपूर्ण प्रक्रिया है। अतः मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाना चाहिए। अतः सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों यह सुनिश्चित करें कि मतदाता सूची के अद्यतन में कोई त्रुटि न रहे। मैपिंग और पुनरीक्षण कार्यों को समय सीमा में शत-प्रतिशत पूर्ण किया।

विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है

गिरिडीह (ससे): बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कदम उठाए हैं। उपायुक्त, रामनिवास यादव ने नगर निगम समेत सभी प्रखंडों में बढ़ती ठंड से बचाव हेतु अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया है। इस आलोक में जिले के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि रात के समय ठंड से परेशान लोगों को राहत मिल सके। शहर के मुख्य चौक-चौराहों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के उन सभी स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी राहगीर और बेघर लोग अधिक संख्या में रहते या गुजरते हैं।

बीएसएल के आरएमपी विभाग में लाइम क्रशर यूनिट का शुभारंभ

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट ने रॉ मटेरियल प्रबंधन प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आरएमपी विभाग के लाइम डिस्चार्ज परिसर में १०० टन प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता वाली लाइम क्रशर यूनिट की स्थापना की है। इस मशीन का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी) नागराजन श्रीकांत, महाप्रबंधक (आरएमपी) मुकेश कुमार, उप महाप्रबंधक (आरएमपी) अनुराग डे, उप महाप्रबंधक (आरएमपी) समीर महापात्रा सहित आरएमपी विभाग एवं एफएसएनएल के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) रंजन ने कहा कि नई लाइम क्रशर यूनिट इस्पात उत्पादन प्रक्रिया को और अधिक गतिशील एवं दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एफएसएनएल कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए इसे बीएसएल की उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उल्लेखनीय है कि अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन एवं अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त के मार्गदर्शन में स्थापित यह नई लाइम क्रशर यूनिट सिंटर प्लांट के लिए फ्लक्स उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देगी। कैल्शियम-समृद्ध लाइम के उपयोग से सिंटर की बाइंडिंग स्ट्रेंथ में वृद्धि होगी तथा रिटर्न सिंटर की मात्रा में कमी आएगी। इससे न केवल सिंटर प्लांट की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि ब्लास्ट फर्नेस को उच्च गुणवत्ता वाला सिंटर उपलब्ध होगा, जिसका सीधा सकारात्मक प्रभाव ब्लास्ट फर्नेस के उत्पादन पर पड़ेगा।

इसके अतिरिक्त, यह यूनिट आरएमपी विभाग के रोटरी किल्न को लेस ऑफ-टेक की स्थिति से सुरक्षित रखते हुए किल्न की उत्पादकता एवं रिफ्रैक्टरी लाइनिंग लाइफ में भी उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री से एसडीएम एवं बीडीओ की पदस्थापना की मांग

डुमरी (ससे): सामाजिक कार्यकर्ता सुनील महतो ने मुख्यमंत्री झारखंड सरकार को ईमेल द्वारा पत्र प्रेषित कर लिखा है कि गिरिडीह जिले के डुमरी अनुमंडल पदाधिकारी एवं डुमरी प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित लगभग सभी महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद महीनों से प्रभार में चल रहा है जिस कारण विकास कार्य एवं जन सेवाएं मंथर गति से चल रही है।इसलिए सभी रिक्त पदों पर शीघ्र पदाधिकारियों की पदस्थापना की जाये।लिखा है कि डुमरी अनुमंडल एवं प्रखंड में प्रशासनिक व्यवस्था बुरी तरह चरमरा चुकी है।पिछले लगभग ११ महीनों से यहां सभी महत्वपूर्ण पद या तो पूर्णतः कर्मी रिक्त हैं या अतिरिक्त प्रभार में चल रहा हैं।उल्लेख करते हुए लिखा है कि डुमरी अनुमंडल पदाधिकारी पिछले ११ माह से प्रभार में है,भुमि सुधार उप समाहर्ता डुमरी, अवर निबंधक पदाधिकारी डुमरी प्रभार में है तथा कार्यपालक दंडाधिकारी डुमरी अनुमंडल में प्रतिनियुक्ति के बावजूद विगत दो बर्षों से जिला मुख्यालय में रह रहें हैं।डुमरी प्रखंड विकास पदाधिकारी पिछले ६ माह से प्रभार में है।इसी तरह से

प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी,डुमरी आपूर्ति गोदाम प्रबंधक,अंचल निरीक्षक,प्रखंड कल्याण पदाधिकारी,प्रखंड कृषि पदाधिकारी,प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी तथा और भी कई अन्य महत्वपूर्ण पद रिक्त पड़ें है।इन पदों के खाली/प्रभार पर रहने के कारण विकास की गति बुरी तरह चरमरा कर अव्यवस्थित हो चुकी है।मांग किया है कि उपरोक्त सभी रिक्त पदों पर पूर्णकालिक एवं योग्य पदाधिकारियों की नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति करने की कृपा करें ताकि लोगों को मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ विकास कार्यों में गति मिल सके।

जिप सदस्य ने किया सोलर हाई मास्ट लाईट का उद्घाटन

डुमरी (ससे): जिप सदस्य सुनीता कुमारी के अनुशंसा पर क्षेत्र के वनांचल चौक समीप स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर,

स्टेशन परिसर स्थित दुर्गा मंदिर तथा बरनवाल सेवा सदन के सामने लगे हाई मास्ट सोलर लाइट का उद्घाटन जिप सदस्या ने स्थानीय लोगों की उपस्थिति में बुधवार रात्रि को फीता काट कर एवं नारियल फोड़ कर किया।जिप सदस्या ने कहा कि क्षेत्र के समस्याओं के निदान के लिए वे हमेशा तत्पर रहती है।कहा कि अपने जिप क्षेत्र में जो समस्याएं है,उसे सिलसिलेवार ढंग से हल करने के दिशा में पूरी लगन से जूटे हुए हैं।

वनांचल चौक समीप मंदिर में लगे लाईट के उद्घाटन में पंसस अखिलेश राणा वार्ड सदस्य बुटु गोप शनि मंदिर का पुजारी देवानन्द पांडेय, अरविन्द शर्मा मंदिर दुर्गा पूजा समिति के सचिव बिरेन्द्र कुमार सिन्हा सदस्य जगरनाथ ठाकुर, द्वारिका प्रसाद, रामानन्द शर्मा, महेन्द्र मंडल, नकुल अग्रवाल, बिट्ठु भगत, बिक्की भगत, हरीश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, बबलू अग्रवाल, चंदन, सुभाष शर्मा, सीताराम शर्मा, दीपक राणा आदि उपस्थित थे। वहीं बरनवाल सेवा सदन समीप लगे लाईट उद्घाटन में बलवंत कुमार पवन गुप्ता विक्की बरनवाल संगीता बरनवाल लखी गुप्ता बबलू सोनी आदि उपस्थित थे।

सदर अस्पताल का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

बोकारो (ससे): ठंड भरी रात में उपायुक्त अजय नाथ झा ने देर रात अचानक सदर अस्पताल बोकारो पहुंचकर विभिन्न वार्डों और सुविधाओं का निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर एवं वार्डों में सफ़ाई की स्थिति संतोषजनक मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की।उपायुक्त ने सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया, जहां चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी ड्यूटी पर तैनात मिले। इसके बाद उन्होंने महिला वार्ड, पुरुष वार्ड सहित अन्य महत्त्वपूर्ण इकाइयों का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महिला वार्ड में मेल अटेंडेंट के मौजूद रहने पर उन्होंने आपत्ति जताई और तुरंत व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिला वार्ड में गोपनीयता और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। यह निर्देश दिया कि मरीजों के साथ आने वाले अटेंडेंट के रहने के लिए रात्रि में अलग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें मूलभूत सुविधा उपलब्ध हो सके।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की, उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने कहा कि अस्पताल सेवाओं में सुधार प्रशासन की प्राथमिकता है और जिला प्रशासन समय-समय पर निरीक्षण कर स्थिति की निगरानी करता रहेगा।

उपायुक्त ने मूल्यांकन केंद्र तय करने हेतु एक समिति की बैठक की

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट (कला, वाणिज्य, विज्ञान) परीक्षा २०२६ के लिए परीक्षा केंद्र, संबद्ध स्कूल/कॉलेज और मूल्यांकन केंद्र तय करने हेतु एक समिति की बैठक की। वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा २०२६ की फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है। परीक्षा केंद्रों का निर्धारण एवं मूल्यांकन केंद्रों के चयन को लेकर बैठक में तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिया गया। बैठक में झारखंड एकेडमिक काउंसिल (ग-उ) के दिशा-निर्देशों के तहत विद्यालयों की आधारभूत संरचना, सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की गई। साथ ही पूर्व की परीक्षा केंद्रों और वर्तमान की परीक्षा केंद्रों की भी समीक्षा की गई तथा कुछ नए परीक्षा केंद्रों को चयनित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा सभी प्रखंडों से प्राप्त विद्यालयों की उपयुक्तता संबंधी रिपोर्टों की जांच की गई, जिसमें कक्ष क्षमता, विद्युत सुविधा, परीक्षा संचालन हेतु आवश्यक अन्य सुविधाओं का परीक्षण किया गया तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया गया।

बैठक में माननीय राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि, माननीय सांसद प्रतिनिधि, गिरिडीह, कोडरमा, माननीय विधायक प्रतिनिधि, धनवार, गिरिडीह, बगोदर, गांडेय, जमुआ और डुमरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डेनियल माइकल प्रसाद को मिला नेताजी सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय सम्मान

बोकारो (ससे): दी पेंटिकास्टल असेंबली स्कूल के अधिशासी निदेशक डेनियल माइकल प्रसाद को नेताजी सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय निदेशक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान ६ दिसंबर २०२५ को कोलकाता के फेयरफील्ड बाय मैरियट में आयोजित ई आइ एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव २०२५ में प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार निदेशक महोदय के दूरदर्शी नेतृत्व, शैक्षिक प्रगतिशीलता और विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य के लिए आवश्यक कौशल और रचनात्मक क्षमताओं के विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। अकादमिक संगोष्ठी के दौरान अधिशासी निदेशक महोदय ने 'भविष्य की तेज़ी से बदलती चुनौतियों के लिए विद्यालय किस प्रकार सोचने-समझने और निर्णय लेने में सक्षम विद्यार्थी तैयार कर सकते हैं?'

विषय पर आयोजित विशेषज्ञों की सामूहिक चर्चा में देशभर के शिक्षाविदों के साथ अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर पूर्वी भारत के ४०० से अधिक प्राचार्य, निदेशक एवं शैक्षणिक नेतृत्वकर्ता इस अवसर पर मौजूद थे। शिक्षण में क्षमता-आधारित अधिगम को बढ़ावा देने में झ-ड लंबे समय से एजुकेशनल इनिशिएटिव्स का सहयोगी रहा है और एन ई पी २०२० में इसके औपचारिक महत्व दिए जाने से पहले ही विद्यालय ने इस दिशा में सक्रिय कदम उठाए। संगठन ने इसे एक गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए अधिशासी निदेशक डेनियल माइकल प्रसाद जी को बधाई दी और विद्यालय के प्रति उनके विचारों को प्रगतिशील एवं भविष्य-उन्मुख शैक्षिक सोच का प्रतीक माना।

अय्यप्पा पब्लिक स्कूल बोकारो में वार्षिक खेल दिवस

बोकारो (ससे): अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो स्टील सिटी ने ११ दिसंबर २०२५ को अपना वार्षिक खेल दिवस ''पराक्रम - फिटनेस फिएस्टा २०२५'' बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के ईडी (वर्क्स) श्री प्रिया रंजन उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत छात्रों के हार्दिक स्वागत से हुई, जिसके बाद उनके मधुर प्रदर्शन और प्रस्तुतियों ने दिन को ऊर्जावान बना दिया।

अध्यक्ष पी. राजगोपाल ने छात्रों में अनुशासन, साहस और चरित्र के विकास के प्रति विद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए एक प्रेरणादायक संदेश दिया। उपाध्यक्ष शशीन्द्रन करात और मोहनन आर. नायर, महासचिव ई. एस. सुशीलन, कोषाध्यक्ष बालाचंद्रन और निदेशक मंडल के सदस्य के. ए. सुरेश कुमार और डॉ. सुरेश बाबू ने युवा उपलब्धि हासिल करने वालों को आशीर्वाद दिया और बधाई दी।

प्रधानाचार्य पी.शैलजा जयकुमार ने अपने भावपूर्ण संदेश में युवा विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित सराहनीय उत्साह और खेल भावना की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खेल दिवस आत्मविश्वास, टीम वर्क और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच के रूप में कार्य करता है, जो प्रत्येक बच्चे के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ध्वजारोहण, परेड, खेल भावना की शपथ और प्रतीकात्मक मशाल प्रज्ज्वलन के साथ उत्सव जारी रहा। मुख्य अतिथि ने बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प, सहनशीलता और आत्म-विश्वास बढ़ाने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्री अय्यप्पा को वीरता और आशीर्वाद के देवता के रूप में वर्णित किया और फिर वार्षिक खेल सम्मेलन २०२५-२६ के उद्घाटन की घोषणा की। दर्शकों ने गुब्बारे उड़ाने, कार्टून और खेल पोशाक में सजे बच्चों द्वारा आयोजित बाल उत्सव और कक्षा पाँच के छात्रों द्वारा प्रस्तुत जीवंत ध्वज नृत्य का आनंद लिया। विभिन्न प्रतिस्पर्धी आयोजनों ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया, जिसके बाद विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

दिनभर के कार्यक्रम बेहद रोमांचक रहे, जिनमें कौशल और दृढ़ संकल्प दोनों का प्रदर्शन हुआ। बेहद पसंद की गई जिग-जैग रेस में अंश कुमार सिंह ने अपनी उत्कृष्ट फुर्ती से जीत हासिल की। मनमोहक ''स्कूल के लिए तैयार होना'' प्रतियोगिता में राजीव कुमार महाली और आराध्या श्री ने अपने बेहतरीन तालमेल और गति से शीर्ष स्थान प्राप्त किया। ४□१०० मीटर रिले में उत्साह चरम पर था, जहां शशंकर कुमार और सृष्टि पटेल के नेतृत्व वाली टीमों ने शानदार टीमवर्क के दम पर प्रभावशाली जीत दर्ज की। अभिभावकों के कार्यक्रमों ने भी रौनक बढ़ा दी - संतोष कुमार और पूनम राय ने बैलून बैलेंसिंग प्रतियोगिता जीती, जबकि पद्मावती ने ब्रिस्क वॉक में पहला स्थान प्राप्त किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगीन और पूर्णतया समन्वित ध्वजारोहण ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। छह विद्यालय समूहों ने अपने प्रतीकात्मक संदेशों को खूबसूरती से प्रस्तुत कियाकृयमुना भक्ति का प्रतीक, गंगा जीवन का पोषण, पम्पा आशा का प्रेरक, सरस्वती ज्ञान का प्रतीक, कावेरी समृद्धि का प्रतीक और पेरियार दृढ़ता का संदेशकृप्रत्येक समूह ने कार्यक्रम की भावना को समृद्ध किया।

कार्यक्रम का समापन उप-प्रधानाचार्य श्रीमती राजलक्ष्मी द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने सभी योगदानकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जो टीम वर्क, फिटनेस और खेल उत्कृष्टता का एक यादगार उत्सव था।

चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी रूटीन नहीं,पैशन के साथ करें कार्यः उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की उपायुक्त अजय नाथ झा ने समीक्षा बैठक की। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद समेत अन्य उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने स्वास्थ्य व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की और कई महत्वपूर्ण दिशा - निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को रूटीन कार्य की बजाय समर्पण और पैशन के साथ करने पर बल दिया। चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका सीधे आमजन की जिंदगी से जुड़ी है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

रजत जयंती महोत्सव का आयोजन 17 से

झरिया (ससे) : झरिया लाल बाजार स्थित श्री श्याम मंदिर में इस वर्ष आस्था और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। श्री श्याम बाल मंडल की ओर से १७ से तीन दिवसीय रजत जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। तीन दिनों तक झरिया में श्याम प्रभु की भक्ति, कीर्तन और आध्यात्मिक उल्लास की अविरल धारा बहने वाली ह। १७ को महोत्सव की शुरुआत श्री राम मंदिर, जोड़ाफाटक धनबाद परिसर से निकलने वाली भव्य निशान शोभायात्रा से होगी। हजारों की संख्या में झरिया, धनबाद सहित आसपास के क्षेत्रों के भक्त इस दिव्य यात्रा में शामिल होंगे। यह शोभायात्रा श्याम प्रभु के प्रति समर्पण तथा आस्था का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करेगी। १८ को महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित होगा २५वां श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ। प्रसिद्ध कथा वाचक अनिल जानी (मेरठ) अपने दिव्य और भावपूर्ण स्वर में पाठ का वाचन करेंगे। इसके साथ ही नृत्यनाटिका के माध्यम से श्याम लीला के विभिन्न प्रसंगों का आकर्षक मंचन किया जाएगा।

इस अवसर पर बाबा को विविध प्रकार के भोग लगाए जाएंगे तथा भव्य जन्मोत्सव समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें केक काटकर प्रभु का जन्मोत्सव मनाया जाऐगा। १९ को तीसरे दिन आयोजित होगा १६वां सुंदरकांड पाठ, जिसका वाचन जयपुर (राजस्थान) से पधार रहे महेन्द्र स्वामी करेंगे।

इस दिन बाला जी महाराज को १०८ किलो लड्डू का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा।

शाम को होने वाले भजन-कीर्तन में मेरठ के विख्यात भजन गायक आयुष कंसल और हिसार के प्रसिद्ध गायक अभिनव ऐरन अपने मधुर भजनों से भक्तिमय वातावरण को और अधिक दिव्य बना देंगे। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक एवं भव्य रूप से सजाया जा रहा है। श्री श्याम बाल मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य इस महोत्सव को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बनाने में जुटे हुए हैं। प्रवीन भिवानी वाला ने बताया कि श्याम बल मंडल झरिया द्वारा श्री श्याम प्रभु की असीम कृपा से झरिया में होने वाला यह रजत जयंती महोत्सव आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत एक अविस्मरणीय उत्सव बनने जा रहा है इस अवसर पर निशान शोभा यात्रा से लेकर कार्यक्रम की तैयारी बड़े पैमाने किए जा रहे हैं। पूरे शहर में जगहजगह तोरण द्वार भक्तों के सुविधा हेतु समुचित व्यवस्था कार्यक्रम अस्थल हूं लेकर समापन स्थल तक किए जाएंगे जानकारी देते हुए हर्ष हो रहा है कि पूरे झारखंडम में श्री श्याम मंदिर झरिया अलग पहचान बना लिया है। प्रत्येक कार्यक्रम में झारखंड बिहार बंगाल से श्रद्धालु पहुंचते हैं जिसकी सारी व्यवस्था मंदिर कमिटी के द्वारा की जाती है ,अभिषेक अग्रवाल, विवेक सिंगल, संदीप कथूरिय, मनोज अग्रवाल, समीर अग्रवाल, मोनु अग्रवाल, यशवंत अग्रवाल, दिलीप खरकिया आदि मौजूद थे।

समाहरणालय में कार पर्किंग निर्माण कार्य प्रगति पर

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर समाहरणालय आने वाले आगंतुकों के लिए समाहरणालय के पूर्वी हिस्से में विशाल पार्किंग शेड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पार्किंग का फ्रेमवर्क पूरा हो चुका है। शीघ्र शेड लगाने का कार्य आरंभ होगा।

इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि प्रतिदिन बड़ी तादाद में आम लोग अपने विभिन्न कार्यों से समाहरणालय आते हैं। आम जनों के साथ पदाधिकारी, मीडिया कर्मी भी समाहरणालय आते हैं। अक्सर उनके वाहन खुले में खड़े रहते हैं। इसलिए चार पहिया और दुपहिया वाहनों के लिए अलगअलग शेड युक्त विशाल पार्किंग एरिया बन रहा है। पार्किंग शेड बन जाने के बाद उसमें ६४ चार पहिया तथा ८० से अधिक दुपहिया वाहनों को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क किया जा सकेगा। उपायुक्त ने बताया कि पार्किंग शेड के साथसाथ आगंतुकों के लिए सिटिंग व वेटिंग एरिया एवं पार्क का भी निर्माण कार्य प्रगति पर है।

ग्रामीण गांवों को नगर निगम में शामिल करने का मामला विधायक रागिनी ने विस में उठाया

धनबाद (कासं) : नगर निगम के द्वारा शामिल किए गए २७ ग्रामीण गांवों का मामला उठाते हुए शीतकालीन सत्र में झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि जिन २७ ग्रामीण गांवों को नगर निगम में शामिल किया गया है उनमें झरिया विधानसभा में शामिल किए गए जीतपुर, डुमरी, भूतगड़िया, सिरगुज्जा, कपुरगढ़ा, पैरों, गौरखुटी, मोहलबनी, जोड़ापोखर, जामाडोभा, परघाबाद और नुनुडीह जैसे पूरी तरह ग्रामीण इलाकेबिना सही जाँच के नगर निगम में जोड़ दिए गए हैं।

ये सभी गाँव आज भी पूरी तरह ग्रामीण माहौल वाले हैं। यहाँ की संरचना, घरों का ढांचा और रहनसहन सब कुछ गांव जैसा ही है, लेकिन इन्हें शहर में शामिल कर दिया गया, जो सीमा निर्धारण की स्पष्ट गलती प्रमाण करती है और शामिल किए जाने के बाद भी उन्हें सड़क नाली व अन्य सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है।

इस दौरान सदन में झरिया विधायक रागिनी सिंह ने स्पष्ट मांग रखी कि इन ग्रामीण क्षेत्रों को फिर से ग्रामीण विकास विभाग में लाया जाए। किसी भी स्थान का दर्जा तय करने से पहले उसकी जमीनी स्थिति की सीधी जाँच होनी चाहिए, न कि सिर्फ कागज़ों के आधार पर निर्णय। इसी के लिए इन ग्रामीण क्षेत्रों की अलग से सूची बनाकर सही तरीके से जांच की जाए और उन्हें पुनः ग्रामीण दर्जा भी आवश्यक रूप से बहाल की जाए।

सुरक्षा प्रहरियों के लिए राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

जोड़ापोखर (ससे) : बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र के अंतर्गत सुरक्षा प्रहरियों के लिए राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्धघाटन लोदना क्षेत्र के अवर महाप्रबंधक परवेज आलम का स्वागत क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) दीपक कुमार सिंह ने पुस्तक और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किए साथ ही मुख्यालय से आये बीसीसीएल के प्रबंधक (राजभाषा) उदयवीर सिंह, अनुवादक अनिरुद्ध नोनिया का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं पुस्तक देकर किए।

इसके बाद अवर महाप्रबंधक, क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) नोडल अधिकारी (राजभाषा) सौरभ सिंह, मुख्यालय के हिंदी अधिकारियों ने मैथिली शरण गुप्त के चित्र पर पुष्प अर्पित किए इसके बाद राष्ट्र गान एवं कोल इंडिया गीत बजाया गया। इसके सम्मान में उपस्थित सभी प्रतिभागी खड़े हुए। कार्यशाला का संचालन विश्वनाथ धीबर वरीय लिपिक राजभाषा ने किया। क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) दीपक कुमार सिंह ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों से अधिक से अधिक हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरणा दिए। सुरक्षा निरीक्षक राम पाण्डेय ने स्वागत भाषण दिए। (प्रबंधक) राजभाषा उदयवीर सिंह ने राजभाषा नीति नियम के बारे में विस्तार से बताये साथ ही के लिए तरीका बताएं। अनुवाद अनिरुद्ध नोनिया ने शब्दावली अंग्रेजी से हिंदी एवं अन्य कार्यालीन कार्य हिंदी में करने के बारे में बताएं। इसके बाद हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का सफल आयोजन के लिए वरीय लिपिक (राजभाषा) बिश्वनाथ धीबर, रौशन कुमार शर्मा, राकेश कुमार, लालटू रजवार, हीरु सहिस, सुमित कुमार, ने योगदान दिए। इस कार्यक्रम में ५ अधिकारी ३० कर्मचारी कुल ३५ प्रतिभागी उपस्थित हुए। यह कार्यक्रम ११ बजे से २:३० बजे तक चला।

पूर्व विधायक आनंद महतो ने जेनरल अस्पताल का किया उद्घाटन

बलियापुर (ससे) : बलियापुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के समीप जेनरल अस्पताल का उद्घाटन पूर्व विधायक आनंद महतो किया। उन्होंने आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में यह अस्पताल बेहतर साबित होगा। जिसमें अत्याधुनिक मशीन लगाएं गए हैं। गरीबों को कम पैसे में बेहतर इलाज होगा। इस अस्पताल में अनुभवी चिकित्सक अपनी सेवा देंगे। यहां के लोगों को बेहतर इलाज के लिए धनबाद झरिया जैसे बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। मौके पर भाजपा नेत्री तारा देवी, उप प्रमुख आशा देवी, जिप सदस्य श्वेता कुमारी, जिप सदस्य उषा महतो, मुखिया दिलीप कुमार महतो, पूर्व मुखिया संजीत गोराई, जिला परिषद प्रतिनिधि राजू महतो, पंसस दिवाकर महतो, शत्रुघ्न महतो, संचालक सीमा कुमारी महतो, डॉ प्रदीप सिकदर, डॉ सरिता चौधरी, डॉ गोपाल सिंह, डॉ डीके दास, डॉ प्रीति महतो आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सीमा कुमारी महतो ने किया। इस दौरान दर्जनों मरीजों का जांच किया गया।

महिला बीएलओ से छेड़खानी व मारपीट, मामला दर्ज

पुटकी (ससे) : साबलडीह गांव में एक महिला बीएलओ के साथ छेड़खानी, मारपीट, गालीमलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता चिन्ता देवी, पत्नी तरुण कुमार दास, ने मुनीडीह ओपी में आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के दिए गए आवेदन के अनुसार वह बूथ संख्या४४६ की बीएलओ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी कार्य के दौरान मिथलेश कुमार दास, उसके पुत्र राहुल कुमार दास, अमित कुमार दास और उसकी पत्नी सुमित्रा देवी उनके घर में घुस आए और उनके साथ मारपीट, छेड़खानी तथा गंदी गालीमलौज की।

चिन्ता देवी ने बताया कि आरोपितों ने उन्हें जान से मारने की कोशिश की और बलात्कार करने की धमकी दी। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष २०११ में भी मिथलेश दास ने उनके साथ छेड़खानी और मारपीट की थी, जिसका मामला उन्होंने दर्ज कराया था। बीएलओ का आरोप है कि विवाद उनकी निजी जमीन के द्वार को कथित रूप से जबरन खोलने और पुराने मुकदमे का बदला लेने को लेकर बढ़ा है। पीड़िता ने बताया कि आरोपित रात में दरवाजा खटखटाकर लगातार उन्हें परेशान करते रहे, जिससे उन्हें और उनके परिवार को जान का खतरा बना हुआ है। मुनीडीह ओपी पुलिस ने आवेदन प्राप्त होते ही सभी आरोपितों के विरुद्ध मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारवाड़ी युवा मंच ने किया कंबल वितरण

बलियापुर (ससे) : कुशबेरिया गांव स्थित एकल विद्यालय प्रांगण में गुरुवार को मारवाड़ी युवा मंच सरायढेला शाखा द्वारा सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया गया। इसके अलावा बिस्कुट, स्टेशनरी समान आदि का भी वितरण किया गया। मंच के अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच सरायढेला शाखा द्वारा सुदूर ग्रामीण इलाकों में बेहतर कार्य कर रही है। जल्द ही यहां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जाएगा। मौके पर अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, सचिव विकास अग्रवाल, उपाध्यक्ष कृष्ण जालान, आदित्य जालान, अजय अग्रवाल, ललीत अग्रवाल, धीरज गोयल, नीरज उर्फ बंटी अग्रवाल आदि मौजूद थे।

महिला के घर पर हमला, मंगलसूत्र की छिनतई, मामला दर्ज

पुटकी (ससे) : साबलडीह गांव में रविवार शाम एक महिला के घर में जबरन घुसकर मारपीट, तोड़फोड़, छेड़खानी और सोना का मंगलसूत्र छिनतई का मामला सामने आया है। पीड़िता सुमित्रा देवी (४० वर्ष) ने मुनीडीह ओपी में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के दिए गए आवेदन के अनुसार शाम करीब ७:३० बजे गांव के ही सुधीर दास, शंकर दास, अरुण दास, तरुण उर्फ वासुदेव दास, पवन दास, जगदीश चंद्र दास, राजू दास, विक्की दास, धीरज दास और चिंता देवी एकजुट होकर उसके घर में घुस आए। आरोप है कि सभी ने पहले गालीमलौज करते हुए घर में तोड़फोड़ की और उसके पति को खोजने लगे। सुमित्रा देवी का कहना है कि इसी दौरान सुधीर दास, तरुण दास और पवन दास ने उसके बाल पकड़कर घसीटा, मारपीट की और गलत नियत से छेड़खानी की। आरोप है कि तीनों ने उसके गले से सोना का मंगलसूत्र भी जबरन छीन लिया।

पीड़िता ने बताया कि घटना के समय उसका पति और दोनों बच्चे घर पर नहीं थे, जिसका आरोपियों ने नाजायज फायदा उठाया। महिला ने यह भी कहा कि आरोपी अक्सर परिवार को धमकाते रहते हैं ताकि वह गांव छोड़ दे। मुनीडीह ओपी पुलिस ने आवेदन प्राप्त होते ही सभी आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्रामीणों ने किया आउटसोर्सिंग कंपनी का ट्रांसपोर्टिंग ठप

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद पांच नंबर के ग्रामीणों ने ओबी डंप के दौरान उड़ रहे धूलकण को रोकने, रोजगार देने तथा डंपिंग के गिरे पत्थरों से हुई क्षतिग्रस्त शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण करने की मांग को लेकर कनकनी कोलियरी में संचालित राम अवतार आउटसोर्सिंग कंपनी की ओबी की ट्रांसपोर्टिंग ठप कर दिया। मौके पर पहुंचे कंपनी के निदेशक आदित्य सिंह व प्रबंधक अंकित सिंह का घेराव किया।

कंपनी के अधिकारियों और ग्रामीणों के साथ हुई वार्ता में शनिवार को बैठक कर इन मांगों पर हल निकालने का आश्वासन दिया गया इसके बाद ग्रामीणों का आंदोलन समाप्त हो गया। दिन के करीब एक बजे धूल कण से परेशान ग्रामीणों ने मो. इरशाद आलम के नेतृत्व ओबी डंप कार्य को ठप कर दिया। ग्रामीणों ने मौके पर कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी जाती है तो लोयाबाद पांच नंबर में ओबी डंप करने के लिए नहीं दिया जाएगा। वैसे राम अवतार कंपनी और विवाद का साथ खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। राम अवतार आउटसोर्सिंग कंपनी भूमि पूजन के दिन से ही विवादों में रही है। यहां कुछ न कुछ होता ही रहता है। कभी रोजगार के लिए प्रदर्शन, कभी प्रदूषण के खिलाफ आंदोलन तो कभी हेबी ब्लास्टिंग से परेशानी और अगर कुछ नहीं हुआ तो कंपनी का वाहन ही दुर्घटनाग्रस्त हो जाता हैं। छह माह में अबतक तीन बार हाइवा दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है। लेकिन डीजीएमएस द्वारा अबतक कोई कारवाई नहीं की गई है।वैसे भी कंपनी का विवादों से नाता लगा रहता है।

विरोध करने वालों में मो इरशाद आलम, शांति देवी, पूनम देवी, सूरजमणि देवी, समकली देवी, बीरेंद्र पासवान, शमशाद आलम, राज कुमार, कन्हाई बाउरी, जीवा मल्लाह, चन्दन पासवान, मो. वसीम, मो. राज, रामचंद्र, अलाउद्दीन, जीतेन्द्र कुमार आदि ग्रामीण शामिल थे।

स्कूली बच्चों के बीच स्वेटर वितरण

बलियापुर (ससे) : रघुनाथपुर मध्य विद्यालय में नाईट एंगल अस्पताल रोड़ाबांध की ओर से स्कूली बच्चों के बीच स्वेटर वितरण किया गया। मौके पर अजय मंडल, दीपक साहू, शिक्षक आरबी प्रभात, स्वपन कुमार महतो, बादल कुमार दास, अभिजीत चटर्जी, कृष्ण शंकर प्रसाद, अशोक कुमार आदि मौजूद थे।

सृष्टि सिंह कबड्डी में निभाएंगी कप्तान की भूमिका

धनबाद (कासं) : धनबाद की सृष्टि सिंह सिंह मेंशन निवासी रंजन सिंह की पुत्री पांचवी राष्ट्रीय फेडरेशन कप कबड्डी प्रतियोगिता में कप्तान की भूमिका में झारखंड प्रदेश टीम की नेतृत्व करेगी जो की महाराष्ट्र के जलगांव में १३ एवं १४ दिसंबर को आयोजित है। जिससे जिले के कबड् डी खिलाड़ियों में खुशी की लहर देखी जा रही है। जिला सचिव मिंटू ठाकुर ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि जिला कोच पप्पू कुमार यादव एवं सृष्टि सिंह की मेहनत रंग लाई है। लगातार जिला से राष्ट्रीय स्तर पर चयन का सिलसिला जारी है। अध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव, संरक्षक मथुरा प्रसाद महतो टुंडी विधायक एवं जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष प्रदीप मंडल ने अपना आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दिए।

फुटपाथ दुकानदारों ने नगर निगम कार्यालय के सामने धरना देकर पुनर्वास की मांग की

धनबाद (कासं) : शहर के फुटपाथ दुकानदारों ने नगर निगम कार्यालय के सामने धरनाप्रदर्शन किया। उनका कहना है कि नगर निगम उन्हें बारबार हटाता है, लेकिन उनकी मांगों को नहीं सुनता। दुकानदारों ने स्वपोषित योजना के तहत पुनर्वास की मांग की है और कहा है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। फुटपाथ दुकानदारों का कहना है कि वे कई बार जिला प्रशासन और नगर आयुक्त के साथ बैठक कर चुके हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उनका आरोप है कि नगर निगम उन्हें बसाने के लिए सरकारी जमीन बताता है, लेकिन कुछ दिनों में फिर से उन्हें हटाने की कार्रवाई शुरू कर देता है। दुकानदारों ने कहा कि वे अपनी रोजीसेटी के लिए फुटपाथ पर दुकान लगाते हैं और नगर निगम की कार्रवाई से उनका जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि नगर निगम उनकी मांगों को सुने और उन्हें स्थायी समाधान प्रदान करे।

एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

पुटकी (ससे) : वरीय आरक्षी अधीक्षक के निर्देश में शाम को मुनीडीह ओपी प्रभारी मनीता कुमारी के नेतृत्व में एंटी क्राइम वाहन चैकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें दर्जनों दो पहिया और चार पहिया वाहनों का जांच किया गया। जांच अभियान में एएसआई प्रदीप पांडेय, जवान शामिल थे।

बिजली चोरी के तीन मामले दर्ज

पुटकी (ससे) : झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के निर्देश पर कनीय विद्युत अभियंता सूरज दास के नेतृत्व में कारीटांड बस्ती, मुनीडीह क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाया गया। मौके पर टीम ने कुल तीन जगहों पर बिजली चोरी का मामला पकड़ा। छापेमारी में मीटर बायपास कर अवैध रूप से बिजली उपभोग करते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों को पाया गयाबिनोद नापित - राजस्व क्षति ११,८२६, अमृत महतोसजस्व क्षति ११,८२६, गणेश नापित - राजस्व क्षति ११,८२६। सभी मामलों में मीटर बायपास में उपयोग किए गए तार जब्त किए गए। मुनीडीह ओपी को आवेदन मिलते ही पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

महुदा इंटर कॉलेज में चल रहा आमरण अनशन समाप्त

कतरास (ससे) : महुदा इंटर कॉलेज महुदा से निलंबित प्रो. सुरेश कुमार रजक एवं द्वारपाल गौतम कुमार महतो ने आमरण अनशन खत्म कर दिया है। अनुमंडल पदाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में बाघमारा सीओ गिरजानंद किस्कू तथा जिप अध्यक्ष शारदा सिंह अनशन स्थल कॉलेज के मुख्य द्वार पर पहुंचे। जिप अध्यक्ष तथा सीओ ने दोनों को जूस पिलाकर अनशन तोड़पाया। उन्होंने निलंबित प्रक्रिया की जांच और पुनः नियुक्ति दिलाने का भरोसा दिया। १३ दिसंबर को शासी निकाय की बैठक आयोजित करने तथा इसमें महुदा क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी एवं समाजसेवी को आमंत्रित करने का निर्देश दिया गया। निलंबित प्रोफेसर सुरेश ने कहा कि नियुक्ति नहीं होने तक धरना जारी रहेगी।

मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, पदुगोड़ा पंचायत के मुखिया महेश कुमार पटवारी, महुदा पंचायत के मुखिया मुखिया बदुरुद्दीन अंसारी, सिंगड़ा पंचायत के मुखिया सूर्यकान्त महतो, भाजपा नेत्री उगा कुमारी, सांसद प्रतिनिधि नरेश महतो, आजसू के प्रदीप महतो, टीआर प्रो आदित्य कुमार, प्रो भरत महतो, गोकुल कुम्भाकर, किशुन महतो, डाक्टर निरोज जोजो, ए एन एम सुनिता देवी, स्वास्थ्य कर्मी संजय कुमार, शंकर नाग के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

इनमोसा की नई कमिटी का गठन

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद में एक बैठक कर सिजुआ क्षेत्र पांच में इनमोसा की नई क्षेत्रीय कमिटी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता इनमोसा के प्रभागीय कोषाध्यक्ष मनोज कुमार पाण्डेय ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह नई कमिटी मजदूरों की आवाज को और मजबूत करेगी तथा बीसीसीएल के उत्पादनउत्पादकता में नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। इनमोसा हमेशा माइनिंग सरदार ओवर मैन कि हितैषी रही है और यह नई टीम सिजुआ क्षेत्र पांच को सशक्त बनाएगी। नवगठित क्षेत्रीय कमिटी में अध्यक्ष संजय कुमार पाण्डेय वरिष्ठ उपाध्यक्ष भानु प्रसाद, सचिव शशि कुमार, संयुक्त सचिव मो सर्फराज अहमद, कोषाध्यक्ष तारा चंद रवानी संगठन सचिव निशांत श्रींवास्तव को बनाया गया है।

परीक्षा केन्द्र के नाम में त्रुटि पर विभाग ने जारी की सूचना

बोकारो (ससे): आगामी १३ दिसंबर २०२५ को आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा २०२६ के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है।

चन्दनकियारी प्रखंड के लिए निर्धारित परीक्षा केन्द्र हॉलीक्रास पब्लिक स्कूल, चन्दनकियारी* है, परन्तु तकनीकी त्रुटि के कारण कुछ अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र में परीक्षा केन्द्र हॉलीक्रास पब्लिक स्कूल, चास चन्दनकियारी मुद्रित हो गया है।

परीक्षा विभाग के अनुसार यह केवल एक प्रिंटिंग त्रुटि है तथा वास्तविक परीक्षा केन्द्र में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। जिन अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र में गलत केन्द्र दर्शाया गया है, वे भी हॉलीक्रास पब्लिक स्कूल, चन्दनकियारी में ही निर्धारित समय पर परीक्षा देने पहुंचें।

जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) जगरनाथ लोहरा* ने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए संबंधित विद्यालय एवं प्रशासनिक टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं, ताकि *परीक्षा दिवस पर किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

स्थानीय अभिभावकों व छात्रों से अपील की गई है कि वे सही परीक्षा केन्द्र की जानकारी से अवगत रहें और परीक्षा में समय से उपस्थित हों। परीक्षा सुचारू व सुरक्षित रूप से संपन्न कराई जाएगी।

कार्यालय, जिला सहकारिता पदाधिकारी, धनबाद।

कृषक बन्धुओं के लिए अति आवश्यक सूचना

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी–2025–26

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) झारखण्ड, राँची का अधिसूचना सं0 916 दिनांक 14.08.2024 एवं विभागीय पत्रांक 273, दिनांक21.11.2025 के द्वारा बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी 2025–26 योजना अन्तर्गत धनबाद जिले में बजाज एलियांज जनरल ईन्शयुरेंस कंपनी लि0 का चयन किया गया है। गैर ऋणी किसान अपने नजदीक के प्रज्ञा केन्द्र अथवा https://pmfby.gov.in पर Login पर स्वंय Online आवेदन कर सकते है।

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी 2025–26 का मुख्य बिन्दु

1. अधिसूचित फसल – गेहूँ, चना, सरसों, आलु
   गेहूँ का बीमित राशि प्रति हेक्टेयर–67512.78 रूपये
   चना का बीमित राशि प्रति हेक्टेयर–54825.44 रूपये
   आलु का बीमित राशि प्रति हेक्टेयर–177908.29 रूपये
   सरसों का बीमित राशि प्रति हेक्टेयर–43697.41 रूपये
2. प्रीमियम राशि – किसानों का प्रीमियम का हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। किसान मात्र 1.00 (एक) रूपये टोकन मनी के रूप में ऑनलाईन भुगतान किया जाना है।
3. गैर ऋणी किसानों का फसल बीमा कराने हेतु आवश्यक दस्तावेज
   (क) किसान का आधार कार्ड
   (ख) किसान का बैंक पास बुक की छाया प्रति
   (ग) भुमि स्वामित्व संबंधित प्रपत्र अथवा वंशावली प्रमाण पत्र
   (घ) फसल बुआई का स्वसत्यापित प्रमाण पत्र
   (ड़) बटाई प्रमाण पत्र (बटाईदार कृशक होने के लिए)
   (च) मोबाईल नं0।
4. कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाईन नं0 14447
5. किसान सुविधा – बजाज एलियांज के टोल फ्री नं0 1800 209 0144 पर योजना संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते है।
6. बीमा कराने की अंतिम तिथि –31.12.2025
7. अधिक जानकारी के लिए सभी प्रखण्ड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी / प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी / BTM / ATM / कृशक मित्र से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

निवेदक
जिला सहकारिता पदाधिकारी,
धनबाद

PR 368286 Co-opretive(25-26)D

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं0 : DMFT/MIR/DHN/ F2-25/2025-26

लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद

निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल,लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001
वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक 03.01.2026
ई0– निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 03.01.2026 से दिनांक 10.01.2026 के अपराह्न 5 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 15.01.2026, अपराह्न 02:00 बजे
ई0– निविदा खोलने का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल,लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001
सम्पर्क सूत्र मोबाईल संख्या : 7903299712
कार्य का नाम एवं राशि निम्नवत् है :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Renovation of Banka Talab, Ramakunda	Topchanchi	Ramakunda	–	3141900.00	62900.00	5000.0	4 माह
2	Renovation of Thakur Bandh, Gendnawadih	Topchanchi	Gendnawadih	–	4262400.00	85300.00	5000.00	4 माह
3	Renovation of Hatiyapatti Talab	Baghmara	Rajganj	Rajganj	902300.00	18100.00	1250.00	4 माह
4	Renovation of Asurgaria (Kumar) Bandh	Baghmara	Maheshpur	Maheshpur	2490500.00	49900.00	5000.00	4 माह
5	Renovation of Moraidih Bandh	Govindpur	Jainagar	Moraidih	2497800.00	50000.00	5000.00	4 माह
6	Renovation of Nutan Bandh	Govindpur	Barwa Purv	Khadkabad	1073300.00	21500.00	2500.00	4 माह
7	Renovation of Kalibhasa Bandh	Govindpur	Murgabani	Fufwadih	1601900.00	32100.00	5000.00	4 माह
	Renovation of Gosai Bandh	Govindpur	Murgabani	Fufwadih				
8	Renovation of Bhulkagadia Bandh	Govindpur	Murgabani	Fufwadih	2414800.00	48300.00	5000.00	4 माह
9	Renovation of Dimgadih Bandh	Govindpur	Barwa Purv	Khadkabad	1518900.00	30400.00	5000.00	4 माह
	Renovation of Sinan Bandh	Govindpur	Barwa Purv	Khadkabad				
10	Renovation of Garbahadih Saheb Bandh	Purvi Tundi	Rupan	Garbahadih	1654652.00	33100.00	5000.00	4 माह
	Renovation of Purana Bandh	Purvi Tundi	Rupan	Phulpahari				
11	Renovation of Latani Kash Bandh	Purvi Tundi	Latani	Latani	2380000.00	47600.00	5000.00	4 माह
	Renovation of Bada Bandh	Purvi Tundi	Raghunathpur	Barketani				
12	Renovation of Chhota Bandh	Purvi Tundi	Raghunathpur	Barketani	2278000.00	45600.00	5000.00	4 माह
	Renovation of Kuber Bandh	Purvi Tundi	Raghunathpur	Barketani				
	Renovation of Dhanjit Bandh	Purvi Tundi	Raghunathpur	Kumar Kuhli (Balardih)				

नोट :–
1. केवल ई– निविदा हीं मान्य होगी। परिमाण विपत्र की राशि घट – बढ़ सकती है ।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगी ।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई0 भुगतान जिस खाता से किया जाएगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विशेष जानकारी के लिए : http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल,धनबाद

PR 368291 Minor Irrigation(25-26).D

कार्यालय, चास नगर निगम (चास, बोकारो)

आई०टी०आई० मोड़, NH-32, चास (बोकारो) पिन–827013

E-mail – chasmunicipalcouncil@gmail.com

–:: नोटिस ::–

प्रधानमंत्री आवास योजना घटक–03 "भागीदारी में किफायती आवास परियोजना" कालापत्थर में निर्मित/ निर्माणाधीन फ्लैट्स का आवंटन प्राप्त कर चुके/प्रतीक्षारत् लाभुकों द्वारा कई निजी कारणों से अपने आवंटित आवास को रद्द करने एवं जमा की गई राशि लौटाने हेतु कार्यालय में आवेदन समर्पित किया गया हैं।

उक्त के आलोक में निम्नलिखित लाभुकों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के अंदर अपने आवेदन पर पुनर्विचार/बदलाव हेतु चास नगर निगम कार्यालय में प्रधानमंत्री आवास योजना कोषांग से स्वयं उपस्थित होकर संपर्क करें। निर्धारित अवधि के उपरांत किसी भी दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा एवं उक्त आवास स्वतः रद्द समझा जायेगा तथा विभागीय निदेशानुसार राशि वापसी की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी।

आवंटन रद्द करने हेतु आवेदित लाभुकों की सूची

क्र0 सं0	नाम	पिता/पति का नाम	मोबाईल सं0	आवंटित फ्लैट	जमा की गई राशि	खाता सं0	IFSC कोड
1	सुनीता कुमारी	विकाश कुमार	8777293558	B2/GF-07	25000	20241479340	SBIN0005112
2	पुजा कुमारी साव	बिनोद साव	9304324025	B2/SF-22	311000	39394389735	SBIN0003586
3	कंचन कुमारी	सृसुन प्रसाद भगत	9955374878	B3/GF-08	25000	36554463881	SBIN0002915
4	ललिता देवी	स्व0 सूर्य नारायण लाल	7782911114	B3/FF-15	25000	539202010509527	UBIN0553921
5	समीर कुमार	सुचित कुमार सिंह	8084472662	B3/SF-17	96500	20367143012	SBIN0016005
6	सीमा देवी	केदार राम	9334865924	B5/FF-14	25000	0054200100012522	PUNB0005420
7	प्रिंस कुमार	एस0के0 वर्णवाल	7301934080	B5/SF-20	25000	585110110007403	BKID0005851
8	सुबोध कुमार	उपेन्द्र शर्मा	7004889899	B5/TF-26	25000	31391729559	SBIN0016006
9	दीपांशु कुमार	बजरंगी लाल	7366984263	B7/TF-31	25000	486210110012085	BKID0004862
10	जसविन्दर कौर	दिलीप सिंह	7979949740	B10/SF-23	25000	50100605890441	HDFC0005606
11	मनोरमा देवी	परमानन्द सिन्हा	9702012450	B3/GF-01	25000	586710110004207	BKID0005867
12	रेणु देवी	कृष्णा प्रसाद साव	7761067351	B7/GF-07	25000	30350100001214	BARB0CHASXX
13	रूपा देवी	अयोध्या प्रसाद	8986821290	Not Alloted	25000	13112151002155	PUNB01131110
14	प्रीती बर्मन	प्रदीप कुमार बर्मन	8987485141	B3/FF-13	75000	34096116079	SBIN0016006
15	प्रवीर कुमार	अबानीकांत झा	7903045840	B3/TF-31	25000	50182242348	IDIB0008504
16	अभिषेक कुमार	मदन मोहन प्रसाद	6204702149	B4/FF-16	25000	2426001500014465	PUNB0242600
17	सोमनाथ चटर्जी	दीपक चटर्जी	7903491988	B11/FF-11	25000	30850309629	SBIN0003586
18	सुजीत कुमार	स्व0 भीम राम	7250304483	B12/SF-24	25000	0052011267897	PUNB0005220
19	सुरेन्द्र कौर	प्रताप सिंह	9971156728	B9/SF-24	25000	585510310000147	BKID0005855
20	सुरेन्द्र कुमार सिंह	सीता राम सिंह	9431322677	B2/TF-31	25000	30490387776	SBIN0007872
21	सुन्दरा देवी	स्व0 सीताराम गोस्वामी	9576665502	B2/GF-03	25000	480010100022239	BKID0004800
22	बुनु देवी	आनन्द मोदक	6207440214	B3/SF-22	25000	42017434960	SBIN0016005
23	आरती देवी	नवनीत कुमार	7368007208	B5/TF-31	25000	479610510002280	BKID0004796
24	सरस्वती देवी	टीका सिंह	8789585002	Not Alloted	25000	32030295467	SBIN0003586
25	तारकेश्वरी देवी	विष्णुदेव प्रसाद	9431321591	Not Alloted	5000	74512010043009	CNRB0001745
26	अनिल कुमार सिंह	किशोर कुमार सिंह	8986833667	Not Alloted	5000	32871149872	SBIN0006546
27	अशोक मोदक	आनन्द मोदक	9534183548	B2/TF-26	25000	585610110007695	BKID0005856
28	आनंद सागर	राजवंश प्रधान	9525891069	B4/FF-14	25000	35261940811	SBIN0006546

प्रशासक
–सह– अपर नगर आयुक्त
चास नगर निगम।

PR.NO.368318 Urban Development(25-26):D

बच्चों और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने पर विशेष बल : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने श्रम, कौशल एवं कारखाना निरीक्षक विभाग के विभागीय कार्यों की प्रगति का समीक्षा किया और कई महत्वपूर्ण दिशा - निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा, योजनाओं के लाभुकों को पारदर्शी लाभ और युवा वर्ग को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण देना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित फैक्ट्री निरीक्षक को निर्देश दिया कि जिले के सभी कारखानों का नियमित एवं विस्तृत भौतिक निरीक्षण सुनिश्चित करें। औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों की समीक्षा, श्रमिकों के लिए अनिवार्य सुविधाओं की उपलब्धता, मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था आदि सभी बिंदुओं की सख्ती से जांच करते हुए नियमों के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि कोई भी फैक्ट्री सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते पाया जाता है तो तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। वहां काम करने वाले श्रमिकों व आमजनों की सुरक्षा जरूरी है।

उपायुक्त ने फैक्ट्री निरीक्षक को बालीडीह बियाडा क्षेत्र के सभी औद्योगिक इकाईयों का कैटेगरी वार सूची तैयार करने, काम करने वाले श्रमिकों की संख्या, उत्पादन - वार्षिक टर्न ओवर आदि की जानकारी अगली बैठक से पूर्व समर्पित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं - निर्माण श्रमिक सेफ्टी किट योजना, मेधावी पुत्र - पुत्री छात्रवृति योजना, अंत्योष्टि सहायता योजना, झारखंड निर्माण कर्मकार मृत्यु/ दुर्घटना सहायता योजना, मातृत्व प्रसुविधा योजना, श्रमिक औजार किट, पेंशन योजना, मुख्यमंत्री असंगठित श्रमिक औजार सहायता योजना, साइकिल सहायता योजना, विवाह सहायता योजना, प्रवासी श्रमिक योजना आदि की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि योजनाओं का सोशल ऑडिट कर लाभुकों की वास्तविक स्थिति की जांच की जाए। उपायुक्त ने कहा कि जिला स्तर पर लेबर सेस की वसूली में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जिला श्रम अधीक्षक श्री रंजीत कुमार को संबंधित विभागों - निर्माण एजेंसियों और विभिन्न कंपनियों को पत्र जारी कर सेस जमा करने का निर्देश दिया। ताकि श्रमिक कल्याण योजनाओं के लिए धन की उपलब्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि नियमों की अनदेखी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपायुक्त ने कौशल विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कहा कि बोकारो जिले के अधिक से अधिक युवाओं और स्कूली बच्चों को कौशल प्रशिक्षण, नई तकनीक और रोजगार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ा जाए।

उन्होंने निर्देश दिया कि कौशल समन्वयक हर सप्ताह समाहरणालय में मंगलवार एवं शुक्रवार आयोजित होने वाले जनता दरबार में उपस्थित रहें ताकि प्रशिक्षण से संबंधित शिकायतें व अनुरोध सीधे सुने जा सकें। बैठक में विभागीय फाइलों, योजनाओं की प्रगति, रिपोर्टिंग सिस्टम और फील्ड निरीक्षण की स्थिति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध कार्य, पारदर्शिता और निरीक्षण (फील्ड विजिट) पर विशेष ध्यान देने को कहा।

मौके पर जिला जनसंपर्सक पदाधिकारी रवि कुमार, फैक्ट्री निरीक्षक शिवा लागुरी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, कौशल समन्वयक श्री आशीष कुमार आदि उपस्थित थे।

एसेंट पब्लिक स्कूल में पंचायत समिति सदस्यों की बैठक

बलियापुर (ससे) : एसेट पब्लिक स्कूल छोटा आम्बोना में बड़ा आम्बोना पंचायत के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक मे गरीबी रेखा से नीचे वाले व्यक्तियों के बच्चों को एसेंट पब्लिक स्कूल में शिक्षा प्रदान करने के लिए ५० की छूट प्रदान करना था ग्राम प्रधान और पंचायत समिति द्वारा चिन्हित किए गए इन बच्चों को प्रत्येक कक्षा में ५ सीटें आवंटित की जाएंगी। एसेंट पब्लिक स्कूल को स्वच्छ विद्यालय के पुरस्कार के लिए चुना गया है, जिसका मूल्यांकन पंचायत प्रधान रामेश्वर गोप एवं समिति चाइना प्रामाणिक की उपस्थिति में हुई। जनरल विद्यार्थियों के लिए एडमिशन की प्रक्रिया २५ दिसंबर से शुरू होगी। बैठक में विद्यालय के सभी बोर्ड मेंबर उपस्थित थे।

सूख रहे हैं डिवाइडरों पर लगे पेड़, हरियाली बचाने की चुनौती

धनबाद (कासं) : कोयलांचल धनबाद की मुख्य सड़कों को हरा-भरा बनाने और प्रदूषण पर लगाम कसने के उद्देश्य से लगाए गए सैकड़ों पेड़ों की हालत इन दिनों अत्यंत दयनीय है। प्रशासनिक उपेक्षा और उचित देखभाल की कमी के कारण ये पौधे अब सूखने की कगार पर हैं, जिससे शहर के सौंदर्यीकरण और पर्यावरणीय प्रयासों को गहरा झटका लगा है। गोविंदपुर-धनबाद रोड पर स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। सरायढेला से लेकर आईएसएम गेट तक सड़क डिवाइडर के बीचो-बीच लगे लगभग सभी पेड़ उपेक्षा के कारण सूखने लगे हैं। इसी तरह की बदहाली बरवाअड्डा से सिटी सेंटर को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क पर भी देखने को मिल रही है। सड़कों के बीचों-बीच लगे ये पेड़ अब हरियाली देने के बजाय केवल सूखी टहनियों का ढांचा बनकर रह गए हैं। जानकारी के अनुसार इन पौधों पर मंडरा रहे गंभीर संकट के पीछे मुख्य कारण निर्माण के दौरान बरती गई घोर अनियमितता है। सड़क के कंक्रीट के ऊपर ही नाम मात्र की मिट्टी डालकर पौधे लगा दिए थे। इस वजह से पेड़ों की जड़ें गहराई तक नहीं जा पाई जिस वजह से पर्याप्त पोषण और नमी नहीं मिल पाई। जिससे ये पेड़ दम तोड़ने लगे हैं।

सड़कों के डिवाइडर पर हरियाली न केवल प्रदूषण को कम करने में मदद करती है, बल्कि शहर के यातायात को भी व्यवस्थित करती है और धनबाद के शहरी परिदृश्य को सौंदर्य प्रदान करती है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गिरिडीह।

" आवश्यक सूचना "

माननीय न्यायलय,C.J.M. Giridih ।

नगर थाना कांड सं0– 132/22, दिनांकः– 09.07.2022

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय न्यायलय द्वारा नगर थाना कांड सं0– 132/22, दिनांकः– 09.07.2022 में (84 BNS) इश्तेहार निर्गत किया गया है, जिसका तामिला कराया गया परन्तु प्रा0 अभि0– 1.सुबोध यादव उर्फ बच्चा यादव,पे0– स्व0 कैलाश यादव 2. संजय यादव उर्फ बिहारी यादव उर्फ गोगड़ यादव,पे0– सुकर यादव 3. अनिल यादव उर्फ गोलु यादव उर्फ गोला, पे0– धनराज महतो, 4. सहदेव यादव ,पे0– हुरो यादव, 5. पंकज यादव उर्फ बुधु यादव, पे0– युगल यादव, 6. सोनु यादव, पे0– स्व0 भागीरथ यादव सभी सा0– सिहोडीह आम बगान, थाना– मुफ्फसिल, जिला–गिरिडीह। जो अबतक न्यायालय /पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पित नहीं हुए हैं।

पुनः स्मारित किया जाता है तथा सूचित किया जाता है कि अविलम्ब आत्मसर्पण नहीं करने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

ह0/–
C.J.M. Giridih

PR 368271 Police(25-26)D

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं0 : DMFT/MIR/DHN/ F2-26/2025-26

लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद

निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल,लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001
वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक 03.01.2026
ई0– निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 03.01.2026 से दिनांक 10.01.2026 के अपराह्न 5 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 15.01.2026, अपराह्न 02:00 बजे
ई0– निविदा खोलने का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001
सम्पर्क सूत्र मोबाईल संख्या : 7903299712
कार्य का नाम एवं राशि निम्नवत् है :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Renovation of Morhadih Talab	Topchanchi	Baramadiha	Morhadih	5038400.00	101000.00	10000.0	4 माह
2	Renovation of Niyamatpur Sarkari Talab	Baliyapur	Dudhiya	Bera Niyamatpur	4655000.00	93100.00	5000.00	4 माह
3	Renovation of Rani Talab	Egyarkund	Ward-21	CNP	2575800.00	51600.00	5000.00	4 माह
4	Renovation of Sarkardih Talab	Dhanbad	Ward-09	DMC	3665400.00	73400.00	5000.00	4 माह
5	Renovation of Kotaladih Bandh (Rakesh Garia)	Topchanchi	Brahmandiha	Rantand	2347639.00	47000.00	5000.00	4 माह
	Renovation of Brahmandiha (Gargaria) Talab	Topchanchi	Brahmandiha	Brahmandiha				
	Renovation of Khas Bandh Lokbad	Topchanchi	Lokbad	Lokbad				
6	Renovation of Bahadur Garia Talab	Topchanchi	Chalmudhri	Tantri	1530685.00	30700.00	5000.00	4 माह
7	Renovation of Lakhanpur Talab	Topchanchi	Korkotta	Lakhanpur	1342549.00	26900.00	2500.00	4 माह
8	Renovation of Mochi Garia Talab	Topchanchi	Topchanchi	Topchanchi	1195992.00	24000.00	2500.00	4 माह
9	Renovation of Futlahi Bandh	Baghmara	Maheshpur	Maheshpur	1766188.00	35400.00	5000.00	4 माह
	Renovation of Chitahi Bandh	Baghmara	Harina	Nawadih				
10	Renovation of Kalali Talab	Baghmara	Phulwatand	Phulwatand	1125720.00	22600.00	2500.00	4 माह
11	Renovation of Bauri Tola Sarkari Talab	Egyarkund	Gopinathpur	Gopinathpur	665200.00	13400.00	1250.00	4 माह
12	Renovation of Jalhari Talab	Nirsa	Pandra West	Pandra	2103200.00	42100.00	5000.00	4 माह
	Renovation of Palarpur Nursing Bandh	Nirsa	Palarpur	Palarpur				
13	Renovation of Khas Bandh Sambandhpur	Nirsa	Pandra East	Sambandhpur	2406000.00	48200.00	5000.00	4 माह
14	Renovation of Acharay Talab	Nirsa	Birsingpur	Mahtadih	1485100.00	29800.00	2500.00	4 माह
15	Renovation of Tilori Talab	Nirsa	Madandih	Jaspur	2198800.00	44000.00	5000.00	4 माह
	Renovation of Jaspur Belgariya Talab	Nirsa	Madandih	Jaspur				
16	Renovation of Khas Bandh	Dhanbad	Petiya	Jatudih	1631828.00	32700.00	5000.00	4 माह
17	Renovation of Palarpur Kotal Talab	Nirsa	Palarpur	Palarpur	1264700.00	25300.00	2500.00	4 माह

नोट :–
1. केवल ई– निविदा हीं मान्य होगी। परिमाण विपत्र की राशि घट – बढ़ सकती है ।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगी ।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई0 भुगतान जिस खाता से किया जाएगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विशेष जानकारी के लिए : http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल,धनबाद

PR 368292 Minor Irrigation(25-26).D

ट्रक-ट्रेलर के बीच भिड़ंत, चालक गंभीर रूप से घायल

धनबाद (कासं) : राजगंज थाना क्षेत्र के कोलकाता-दिल्ली मुख्य मार्ग पर महेशपुर के पास एक ट्रक और ट्रेलर की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक चालक विनोद कुमार, निवासी भदोनी (उत्तर प्रदेश), गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल चालक विनोद ने बताया कि वह धनबाद में ट्रक खाली कर उत्तर प्रदेश लौट रहा था। महेशपुर के पास उसने ट्रक सड़क किनारे खड़ा करने की कोशिश की, तभी दूसरी लेन से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रेलर जो गोविंदपुर से सामान लेकर भिवंडी, राजस्थान जा रहा था ने ट्रक के चालक साइड पर जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में विनोद के सिर और कंधे पर गंभीर चोटें आई। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत राजगंज के एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर लिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

रंगडीह पुल की मरम्मति शुरू

गोविंदपुर (ससे) : पथ निर्माण विभाग के जीटी रोड रंगडीह से टुंडी प्रखंड के कलाली मोड़ सड़क के बीच रंगडीह पुल की मरम्मत शुरू कर दी गई। सड़क के आधे हिस्से का आवागमन बाधित कर मरम्मत शुरू कर दी गई है । इसका निर्माण ४ वर्ष पूर्व हुआ था और यह विभाग को २ वर्ष पूर्व हैंडोवर हुआ था पर घटिया निर्माण के कारण ४ वर्ष में ही पुल खराब हो गया।
कंक्रीट झड़ गया और लोहा निकल आया। संवेदक प्रधान कंस्ट्रक्शन ने पुल की मरम्मत का काम फिर से शुरू किया है। उधर हीरापुर गांव निवासी अधिवक्ता प्रदीप कुमार मोदी एवं बलराम दत्ता ने कहा कि रंगडीह पुल के बाद हीरापुर जोड़िया का भी पुल खराब हो गया है और लोहा निकल आया है। उन्होंने कहा कि इसकी भी मरम्मत आवश्यक है। यदि मरम्मत नहीं हुआ तो यह पुल भी जर्जर हो जाएगा और हादसा हो सकता है। श्री मोदी ने कहा कि निर्माण काम में गड़बड़ी के कारण ही ऐसी स्थिति हुई है। यह महत्वपूर्ण सड़क है जो गोविंदपुर प्रखंड को टुंडी प्रखंड से जोड़ती है तथा दर्जनों हाईवा पत्थर लेकर इस सड़क से गुजरते हैं।

ड्रग्स और मोबाईल दोनों ही युवाओं के लिए घातक : सीएम योगी

गोरखपुर(ईएमएस) : उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा पीढ़ी को चेताते हुए कहा है कि ड्रग्स का नशा हो या मोबाइल का, दोनों से युवाओं को बचना चाहिए। ये न केवल समय खराब करते हैं बल्कि जिंदगी को भी बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने चेताया कि यदि युवा इन दोनों जालों से स्वयं को नहीं बचाते हैं, तो न केवल वे अपना जीवन खो देंगे, बल्कि राष्ट्र भी अपनी अमूल्य शक्ति को गंवा बैठेगा।

मुख्यमंत्री महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के ९३वें संस्थापक सप्ताह के समापन समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को हार न मानने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जीवन में हार तब होती है जब दृष्टिकोण नकारात्मक हो जाता है। उन्होंने कहा कि दूसरों को दोष देने से कुछ नहीं बदलेगा। अंधकार को कोसने की बजाय यदि हम मिलकर एक छोटा-सा दीपक जलाने का संकल्प लें, तो कई समस्याएं स्वतः दूर हो जाएंगी। हिम्मत न हारने वाला ही आगे बढ़ता है। मुख्यमंत्री ने छात्रों को चेताया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता।

जीवन में शॉर्टकट अपनाने वाले लोग अक्सर रास्ता ही खो देते हैं। असली सफलता मेहनत, ईमानदारी और सतत प्रयास से मिलती है। इसलिए टीमवर्क, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और अनुशासन को अपनाइए। ये सिर्फ खेलों में ही नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे तकनीक जीवन को आसान बना रही है, चुनौतियां भी बढ़ रही हैं, इसलिए युवाओं को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से तैयार रहना होगा।

समारोह में बोलते हुए योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को स्पष्ट शब्दों में सावधान किया कि नशा माफिया युवा मन पर कब्जा जमाने की कोशिश में है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मैं युवाओं से कहना चाहता हूं कि आपको चौकन्ना रहना होगा। नशा माफिया हर उस दरार से अंदर घुसने की कोशिश करता है, जहां थोड़ी-सी कमजोरी मिलती है। संस्थाओं को भी उतनी ही जिम्मेदारी से सजग रहना पड़ेगा। सीएम ने कहा कि युवाओं को इस खतरे के खिलाफ एक नई लड़ाई के लिए तैयार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का दुश्मन विभिन्न रूपों में समाज की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाता रहता है, इसलिए अवसर न दिए जाएं। सीएम योगी ने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग को युवाओं के लिए धीमा ज़हर बताया। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन उपयोगी है, लेकिन इसकी लत क्षमता में गिरावट लाती है।

स्मार्टफोन आपकी आंखों की रोशनी को कम करेगा, मस्तिष्क को कुंद कर देगा और विवेक को कमजोर करेगा। बुद्धि, तर्क, एकाग्रता और शरीर सब पर इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। इसलिए, जरूरी है कि मोबाइल का उपयोग जितना सीमित हो सके, उतना करें। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि धीरे-धीरे मोबाइल पर बिताए जाने वाले समय को कम करें। एकाएक छोड़ पाना कठिन है, पर रोज थोड़ा घटाइए। आधा घंटा या एक घंटा बस उतना ही उपयोग करें जितना बिल्कुल आवश्यक हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तकनीक को अवसरों का विस्तार बताया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया एआई, ड्रोन, रोबोटिक्स के युग में प्रवेश कर चुकी है। हममें से कोई भी तकनीक से अलग नहीं रह सकता, न रहना चाहिए। यह धारणा बिल्कुल गलत है कि तकनीक आने से रोजगार खत्म हो जाएंगे।

सच्चाई यह है कि जहां तकनीक प्रवेश करती है, वहां नए अवसर पैदा होते हैं। जरूरत यह है कि हम खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से उस बदलाव के अनुरूप तैयार करें। उन्होंने शिक्षा संस्थानों से आग्रह किया कि वे छात्रों में कौशल, टीमवर्क और तकनीकी दक्षता विकसित करने को प्राथमिकता दें।

निशांत राजनीति में आएं और पार्टी की कमान संभालें : संजय झा

पटना (एजेंसी): कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा, इससे भी बड़ा सवाल यह है कि निशांत कुमार राजनीति में कब आएंगे? दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार एक बार फिर से सुर्खियों में आ गए हैं. सीएम नीतीश की पार्टी जनता दल यूनाइटेड में एक बार फिर से निशांत की डिमांड तेज हो गई है. पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से लेकर सामान्य कार्यकर्ता तक चाहता है कि निशांत राजनीति में आएं और पार्टी की कमान संभालें. लेकिन यह कब होगा, कैसे होगा, होगा भी या नहीं होगा. ये कुछ बड़े सवाल हैं जिनका उत्तर नहीं मिल रहा है.

बता दें कि समाजवादी विचारधारा को मानने वाले नेताओं में नीतीश कुमार ही एकमात्र ऐसे नेता बचे हैं, जो परिवारवाद से बचे हुए हैं. हालांकि, इसका दुष्प्रभाव यह है कि जेडीयू के पास नीतीश कुमार के बाद कोई चेहरा नहीं दिख रहा है. वहीं बाकी सभी दलों में नया नेतृत्व तैयार हो चुका है. नीतीश के धुर-विरोधी लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की कमान अब पूरी तरह से तेजस्वी यादव के हाथों में आ चुकी है. लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं और अब वह अपनी पार्टी बना चुके हैं.

बिहार भाजपा को भी सम्राट चौधरी के रूप में एक युवा चेहरा मिल गया है. रामविलास पासवान ने भी दुनिया को अलविदा कहने से पहले अपने बेटे चिराग पासवान को सियासी गुर सिखा दिए थे और आज चिराग पासवान केंद्र में मंत्री हैं. कभी नीतीश के शागिर्द रहे जीतनराम मांझी भी अपनी पार्टी की कमान बेटे संतोष सुमन को सौंप चुके हैं. यही नहीं उपेंद्र कुशवाहा ने भी अपने बेटे दीपक प्रकाश को बिहार सरकार में मंत्री बनवाकर अपना सियासी उत्तराधिकारी चुन लिया है. ऐसे में जनता दल यूनाइटेड में पीढ़ीगत परिवर्तन या फिर जेनरेशन शिफ्ट कब होगा? यह सवाल उतना ही ऐतिहासिक है, जितना कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा?

मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना बदल रही है बिहार की बेटियों का करियर

पटना (एजेंसी): बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना' राज्य की युवतियों के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रही है। इसी क्रम में उर्मिला इंटरनेशनल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने बिहार की ८६ युवतियों का चयन कर उन्हें टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, होसूर (तमिलनाडु) में इंटर्नशिप का मौका उपलब्ध कराया है।

यह चयन न सिर्फ उनके करियर के लिए निर्णायक साबित होगा, बल्कि राज्य की अन्य युवतियों के लिए भी प्रेरक उदाहरण है. चयनित युवतियां बिहार के विभिन्न जिलों से आती हैं. कई युवतियां सीमित आर्थिक संसाधनों और गरीब परिवार की पृष्ठभूमि से संघर्ष करते हुए यहां तक पहुंची हैं.

अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में इन्हें मोबाइल असेंबलिंग, क्वालिटी चेक और अत्याधुनिक तकनीक से जुड़े कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाएगा.

बिहार कौशल विकास मिशन के तहत कार्यरत णखडझड के अनुसार, यह योजना युवाओं को शिक्षा के आधार पर स्टाइपेंड उपलब्ध कराती है. टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में इंटर्नशिप करने वाली युवतियों को मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना से ११,००० रुपए (मैट्रिक पास) और ९,००० रुपए (इंटर पास) मासिक स्टाइपेंड मिलेगा.

इसके अलावा कंपनी की ओर से १३,४८० रुपये का अतिरिक्त स्टाइपेंड और १०० प्रतिशत उपस्थिति पर १,००० रुपये बोनस भी दिया जाएगा. फूडिंग, लॉजिंग और ट्रैवल की सुविधा भी पूरी तरह निःशुल्क रहेगी. यह सहयोग उन युवतियों के लिए विशेष मददगार है जो आर्थिक तंगी के बावजूद अपने सपनों को साकार करना चाहती हैं. कंपनी का कहना है कि योजना के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ ही आवेदन कर्ताओं की संख्या में भी तेजी आ रही है. जल्द ही फ्लिपकार्ट सहित अन्य बड़ी कंपनियां भी इससे जुड़ने जा रही हैं, जिससे बिहार के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे. उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना युवाओं को प्रशिक्षण के साथ रोजगारपरक कौशल प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है.

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए चयनित ८६ युवतियों की यह उपलब्धि साबित करती है कि सही अवसर और मार्गदर्शन मिलने पर बिहार का युवा राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सक्षम है.

ऑपरेशन लंगड़ा में कुख्यात बदमाश घायल

पटना (एजेंसी): बिहार का गृह विभाग इस बार डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को मिला है. सम्राट के हाथों में कमान आते ही यूपी स्टाइल में बिहार पुलिस की बंदूकें भी आग उगलने लगी हैं और प्रदेश में ऑपरेशन लंगड़ा की शुरुआत हो चुकी है. इसी कड़ी में पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर में आज (गुरुवार, ११ दिसंबर) सुबह पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई. मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश राकेश कुमार के पैर में गोली लगी है. पुलिस ने उसे घायल अवस्था में तुरंत एम्स पटना में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है. जानकारी के अनुसार, बदमाश राकेश कुमार मूल रूप से पिपरा थाना क्षेत्र के सहबजपुरा का रहने वाला है और पिछले कई दिनों से एक बैंक कर्मी से रंगदारी मांग रहा था. बैंक कर्मचारी की शिकायत पर पुलिस लगातार उसकी तलाश में थी. जब पुलिस टीम ने मुरादपुर में राकेश को पकड़ने की कोशिश की तो उसने भागने की कोशिश की और पुलिस पर फायरिंग की. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया. पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह बड़ी सफलता है.

पटना पुलिस ने साफ कर दिया है कि अपराध और रंगदारी मांगने वालों पर अब सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और शहर में कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वालों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा. पटना पुलिस का ऑपरेशन लंगड़ा के तहत यह कार्रवाई अपराधियों में दहशत और आम लोगों में भरोसा दोनों बढ़ा रही है. पुलिस के तमाम बडे. अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और बड़ी बारीकी से उसकी जांच-पड़ताल की. एनकाउंटर की सच्चाई जानने के लिए ऋडड की टीम भी पहुंची और सभी सबूतों को सील कर अपने कब्जे में लिया. पुलिस अनुसंधान टीम ने इलाके में कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाते हुए संदिग्धों पर कड़ी नजर बनाए रखी है. वहीं पुलिस का कहना है कि राकेश कई संगीन मुकदमों में वांछित है और लंबे समय से इलाके में दहशत और दगाबाजी फैलाए बैठा था.

लालू परिवार में हक की लड़ाई एक बार फिर चर्चा में

पटना (एजेंसी): राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य राजनीति और अपने परिवार से सारे रिश्ते तोड़ चुकी है. उन्होंने बिहार चुनाव खत्म होते ही सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर संजय यादव और रमीज पर आरोप लगाया था . उन्होंने कहा था कि संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही करने को कहा था. मैं सारा इल्जाम अपने ऊपर ले ले रही हूं. इसके अलावा भी उन्होंने कई और आरोप लगाए थे. वहीं, गुरुवार को रोहिणी आचार्य ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है.

उन्होंने लिखा, 'लड़कियों को १०,००० रुपये देना या साइकिलें बांटना, भले ही नेक इरादे से किया गया हो, लेकिन ये भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण में बाधा डालने वाले व्यवस्थागत मुद्दों को हल करने के मद्देनजर अपर्याप्त है. सरकार और समाज का यह प्रथम दायित्व होना चाहिए कि वह बेटियों के समान अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए, खासकर सामाजिक और पारिवारिक उदासीनता के मद्देनजर.

रोहिणी ने आगे लिखा, 'बिहार में गहरी जड़े जमा चुकी पितृसत्तात्मक मानसिकता सामाजिक और राजनीतिक, दोनों क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता पैदा करती है. प्रत्येक बेटी को इस आश्वासन के साथ बड़े होने का अधिकार है कि उसका मायका एक ऐसा सुरक्षित स्थान है, जहां वह बिना किसी डर, अपराधबोध, शर्म या किसी को कोई स्पष्टीकरण दिए बिना लौट सकती है. इस उपाय को लागू करना केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं है, बल्कि अनगिनत महिलाओं को भविष्य में होने वाले शोषण और उत्पीड़न से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा.'

ऐसा पहली बार नहीं है जब रोहिणी आचार्य ने एक्स पर पोस्ट कर अपनी बात कही हो. परिवार से अलग होने के बाद वो लगातार एक्स पर एक्टिव है और अपने विचार साझा करते रहती है. राबड़ी आवास खाली करने वाले नोटिस पर भी रोहिणी ने अपनी प्रतिक्रिया दी थी. उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा था, सुशासन बाबू का विकास मॉडल. करोड़ों लोगों के मसीहा लालू प्रसाद यादव का अपमान करना पहली प्राथमिकता। घर से तो निकाल देंगे, बिहार की जनता के दिल से कैसे निकालिएगा. सेहत नहीं तो कम से कम लालू जी के राजनीतिक क़द का ही सम्मान रखते.'

पटना में कड़ाके की सर्दी के बीच बदल गई स्कूलों की टाइमिंग, नया आदेश जारी

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में अब सर्दी अपना रौद्र रूप दिखाने को तैयार है. राजधानी में तापमान में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है और सुबह-शाम को कोहरे की चादर से विजिबिलिटी काफी कम दर्ज की जा रही है, जिससे जन-जीवन काफी प्रभावित हो रहा है. ऐसे में छोटे बच्चों के लिए स्कूल जाना बड़ी भारी चुनौती साबित हो रही है. वहीं बच्चों की तकलीफ को समझते हुए जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन एसएम ने सभी सरकारी-निजी स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव करने का आदेश जारी किया है. अब राजधानी में प्राइमरी से कक्षा आठ तक सभी सरकारी-निजी स्कूल सुबह ८.३० बजे के बाद ही खुलेंगे.

जिला प्रशासन ने इसको लेकर आदेश जारी कर दिया है. नए आदेश के अनुसार, आज यानी ११ दिसंबर से १८ दिसंबर तक सभी स्कूलों (प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों) में क्लास ८ तक पढ़ने वाले बच्चों की कक्षाएं सुबह ८:३० बजे के पहले और शाम ४ बजे के बाद नहीं चलेंगी. विद्यालय प्रबंधन को आदेशानुसार अपनी कक्षा-संचालन समय-सारणी को पुनर्निर्धारित करना होगा, आदेश का उद्देश्य बच्चों को ठंड के प्रतिकूल प्रभाव से बचाना है. आदेश में यह भी कहा गया है कि प्री-बोर्ड और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी हेतु संचालित होने वाली विशेष कक्षाएं और परीक्षाएं इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी, यानी ९वीं से १२वीं तक की तैयारी कक्षाएं सामान्य रूप से चल सकती हैं.

बता दें कि बुधवार (१० दिसंबर) की सुबह पटना समेत कई जिलों में घने कोहरे की चादर में लिपटी हुई रही, जिससे विजिबिलिटी काफी कम रही और तापमान में काफी गिरावट देखने को मिली. पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि राजधानी आज (गुरुवार, ११ दिसंबर) पटना सहित अधिकतर भागों में सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है. बर्फीली हवाओं के कारण दिन में भी कनकनी महसूस होगी. इसी वजह से पटना जिलाधिकारी की ओर से छोटे बच्चों के स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई है. जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि सभी विद्यालय चाहे वह निजी हों या सरकारी सुबह ८ बजे से पहले किसी भी परिस्थिति में संचालित नहीं होंगे.

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ,(ईएमएस): यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न प्रणब मुखर्जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उनकी दूरदर्शिता, सरलता और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण भारतीय लोकतंत्र की अमूल्य धरोहर है। केंद्र सरकार में विदेश, रक्षा, वित्त समेत कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री और देश के १३वें राष्ट्रपति रहे प्रणब मुखर्जी का जन्म पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के मिराती गांव में ११ दिसंबर, १९३५ को हुआ था। ३१ अगस्त २०२० को ८४ साल में दिल्ली में उनका निधन हो गया था।

बीसीसीएल BCCL भारत कोकिंग कोल लिमिटेड Bharat Coking Coal Limited

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड
(एक मिनीरत्न कम्पनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अंग)

भू-सम्पदा पदाधिकारी का न्यायालय
पुटकी बलिहारी क्षेत्र
सूचना

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, पुटकी बलिहारी क्षेत्र प्रथम पक्ष

क्र सं.	मुकदमा सं.	द्वितीय पक्ष का नाम	इकाई/निवास स्थान	मो. न.	खा. न.	प्लॉ. न.	अतिक्रमण का विवरण
1	183/2025	शंकर नाथ सिंह	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम नेहरू नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास NHS/NN/44
2	184/2025	डेगन महतो	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास A/C Sheet
3	185/2025	चौधरी मिया	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास आर्च टाइप
4	186/2025	भोजन अंसारी	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास आर्च टाइप
5	187/2025	शिव कुमार पासवान	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास आर्च टाइप
6	188/2025	चूरण रविदास	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी सिंगल आवास
7	189/2025	रामवृक्ष पासवान	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी सिंगल आवास
8	190/2025	इरशाद अंसारी	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास
9	191/2025	नवाब कुरैशी	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास
10	192/2025	चन्दन कुमार राम	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास आर्च टाइप
11	193/2025	बसंत पासवान	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी सिंगल आवास
12	194/2025	राम आशीष	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास आर्च टाइप
13	195/2025	सन्तु बर्णवाल	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास आर्च टाइप
14	196/2025	हरिश इमाम	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास दो आवास आर्च टाइप
15	197/2025	काला चन्द्र बाउरी	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/भूली कवाटर, पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास NHS टाइप
16	198/2025	विकास महतो	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/भूली कवाटर, पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास भूली कवाटर NHS टाइप
17	199/2025	बाल्ले महतो	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/भूली कवाटर, पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास भूली कवाटर NHS टाइप
18	200/2025	सलीम मिया	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/भूली कवाटर, पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास NHS टाइप
19	201/2025	ललन राम	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/भूली कवाटर, पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास NHS टाइप दो आवास
20	202/2025	मुकेश महतो	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/भूली कवाटर, पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी आवास NHS टाइप
21	203/2025	भीम खान	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी सिंगल आवास
22	204/2025	श्री बसीर खान	के.बी. 10/12 पिट कोलियरी/ग्राम केंदवाई नगर पोस्ट कुसुन्डा थाना पुटकी	XXX	XXX	XXX	कम्पनी सिंगल आवास
23	436/2025	सुधीर सिंह	भागाबाँध कोलियरी/आदर्श नगर पो.-भागाबाँध	100	19	1155	कम्पनी जमीन पर अवैध निर्माण
24	437/2025	प्रेमशंकर सिंह	भागाबाँध कोलियरी/आदर्श नगर पो.-भागाबाँध	100	19	1155	कम्पनी जमीन पर अवैध निर्माण
25	438/2025	बबलू कुमार महतो	भागाबाँध कोलियरी/आदर्श नगर पो.-भागाबाँध	100	19	1152, 1153&1154	कम्पनी आवास स BHG/NHS/32 अवैध कब्जा
26	439/2025	संतोष कुमार महतो	भागाबाँध कोलियरी/आदर्श नगर पो.-भागाबाँध	100	1154	19	कम्पनी जमीन पर अवैध कब्जा 7X20 फिट
27	440/2025	संजय साव	भागाबाँध कोलियरी/आदर्श नगर पो.-भागाबाँध	100	19	1155	कम्पनी जमीन पर अवैध निर्माण 10X5
28	441/2025	मुड्डू रवानी	भागाबाँध कोलियरी/आदर्श नगर पो.-भागाबाँध	100	19	1153	कम्पनी जमीन पर अवैध निर्माण, 15X10
29	442/2025	संजय मंडल	भागाबाँध कोलियरी/आदर्श नगर पो.-भागाबाँध 3	100	19	1154	कम्पनी जमीन पर अवैध निर्माण
30	443/2025	मिलेश सिंह	भागाबाँध कोलियरी/आदर्श नगर पो.-भागाबाँध	100	57	1111	कम्पनी आवास संख्या E/2 अवैध कब्जा
31	444/2025	हरिहर ठाकुर	भागाबाँध कोलियरी/ग्राम पुटकी शिव शंकर नगर थाना पुटकी	77	21	4	कम्पनी आवास अवैध कब्जा 700 sq.ft
32	445/2025	रवि मिश्रा	भागाबाँध कोलियरी/ग्राम पुटकी शिव शंकर नगर थाना पुटकी	77	23	5	कम्पनी जमीन पर अवैध आवास निर्माण 9X9 फिट
33	446/2025	राजीव सिंह	भागाबाँध कोलियरी/ग्राम पुटकी शिव शंकर नगर थाना पुटकी	77	21	96	कम्पनी जमीन पर अवैध आवास निर्माण 8X15
34	447/2025	सीता राम रजक	भागाबाँध कोलियरी/ग्राम पुटकी शिव शंकर नगर थाना पुटकी	77	21	6	कम्पनी आवास अवैध कब्जा 200 फिट
35	461/2025	अस्मिता कुमारी	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम नये सेन्टर, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	27	2	कम्पनी आवास अवैध 3 खिलान
36	462/2025	सुमित कुमार	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम प्योर बोर्रागढ़, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	28	450	कम्पनी आवास संख्या 269
37	463/2025	राखी देवी	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम नये सेन्टर, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	27	2	कम्पनी आवास संख्या 03
38	464/2025	कुंदन कुमार	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम सुरेन्द्र कॉलोनी, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	3	214&215	कम्पनी आवास संख्या 7X8
39	465/2025	दिपक पासवान	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम नया सेन्टर, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	28	1	कम्पनी आवास संख्या 42 (खिलान धौड़ा)
40	466/2025	स्वरूप रवानी	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम नये सेन्टर, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	27	48	कम्पनी आवास 1X2
41	467/2025	अमान अंसारी	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम नये सेन्टर, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	28	1	कम्पनी आवास संख्या 01
42	468/2025	राजेश सिंह	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम स्टाफ कॉलोनी, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	10	86	कम्पनी आवास बी टाईप
43	469/2025	प्रद्युम्न पासवान	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम सुरेन्द्र कॉलोनी, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	4	263&269	कम्पनी आवास संख्या NHS R/3
44	470/2025	अमन पासवान	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम सुरेन्द्र कॉलोनी, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	3	215&216	कम्पनी आवास संख्या N/3
45	471/2025	सुप्रिया पासवान	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम सुरेन्द्र कॉलोनी, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	14	145&146	कम्पनी आवास संख्या B/3
46	472/2025	डब्लू धाड़ी	बोर्रागढ़ कोलियरी/ग्राम सुरेन्द्र कॉलोनी, पो.-भागाबाँध थाना बोर्रागढ़	XXX	3	215&216	कम्पनी आवास संख्या N/4

परियोजना पदाधिकारी, के.बी. 10/12 पिट कोलियरी, भागाबाँध कोलियरी और बोर्रागढ़ कोलियरी, भा.को.को.लि. ने आप लोगो के विरुद्ध लोक परिसर (अनाधिकृत दखलदारो की बेदखल) अधिनियम, 1971 के अंतर्गत इस न्यायालय मे मुकदमा दायर किया है। उपरोक्त मुकदमा में कारण पृच्छा दाखिल करने हेतु आप लोगो को पूर्व में नोटिस भेजी गई थी। आप लोग उपस्थित नहीं हो रहे है, और ना ही कारण पृच्छा दाखिल किए है। इस समाचार पत्र के माध्यम से पुनः एवं अंतिम बार सूचित किया जाता है कि आप स्वयं अथवा किसी अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07.01.2026 को प्रातः 11:00 बजे दिन बुधवार को भू-सम्पदा पदाधिकारी का न्यायालय, महाप्रबंधक का कार्यालय परिसर, पुटकी बलिहारी क्षेत्र, पुटकी धनबाद में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा एक पक्षीय सुनवाई कर समुचित आदेश पारित कर दिया जाएगा

ह./-
भू-सम्पदा न्यायालय, पुटकी बलिहारी क्षेत्र

यह सूचना बीसीसीएल की वेबसाइट www.bcclweb.in पर भी उपलब्ध है

उत्तर प्रदेश सरकार ने घुसपैठियों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक अभियान शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार अभियान का उद्देश्य संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें निरुद्ध केंद्रों में रखने और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का है। सरकार का दावा है कि यह कदम अपराध और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण को आसान बनाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि अवैध घुसपैठियों की वजह से कई सरकारी योजनाओं का लाभ अपात्र लोगों तक पहुंच रहा था। इस अभियान के तहत पहचान किए गए घुसपैठियों को निरुद्ध केंद्रों में भेजा जाएगा, जिससे संसाधनों का लाभ केवल असली हकदारों तक पहुंचेगा।

योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से अपील की है कि वे घरेलू या व्यावसायिक कार्यों में किसी को नियुक्त करने से पहले पहचान सत्यापित करें। उन्होंने कहा कि राज्य की सुरक्षा और सामाजिक संतुलन बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि घुसपैठियों के लिए लाल कालीन नहीं बिछाया जा सकता। इससे यह स्पष्ट है कि विदेशी नागरिकों को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती और संसाधनों पर अधिकार केवल नागरिकों का होना चाहिए। राज्य के विभिन्न शहरों में स्थानीय निकाय और प्रशासनिक अधिकारी जागरूकता अभियान चला रहे हैं। दुकानदारों और नागरिकों को नौकरी या अन्य कार्यों में किसी व्यक्ति को रखने से पहले पहचान सत्यापित करने की सलाह दी जा रही है। लखनऊ की मेयर भी इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सं० : ईसीआर-सीएओ-सी-एस-एटेन-गया-02, **कार्य का नाम :** पूर्व रेलवे के धनबाद मंडल में चोपन-चुनार दोहरीकरण कार्य के संबंध में चौ. 141.430 से चौ. 143.070 के बीच छोटे पुलों का निर्माण, रिटेनिंग वॉल, निर्माण में मिट्टी का काम, कंबलिंग, गिट्टी की आपूर्ति सहित स्थायी मार्ग को जोड़ना, पी.वे सामग्री का परिवहन, निर्माण कार्य, पानी की पाइप लाइन और अन्य संबंधित कार्य। **आकलित लागत (रू.):** 18,99,71,720.68, **बोली प्रतिभूति (रू.):** 10,99,900.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 (बारह) महीने

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)
पूर्व मध्य रेलवे, गया

पीआर/1440/कॉन गया/टी/25-26/24

इंडिगो सहित अन्य एयर लाइंस की फ्लाइट्स का नियमित संचालन

अयोध्या,(ईएमएस): महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस की ५ फ्लाइट्स के साथ अन्य एयर लाइंस की ७ फ्लाइट्स का नियमित संचालन हो रहा है। बुधवार को केवल हैदराबाद की इंडिगो की उड़ान निरस्त की गई है। आगे के दिनों में इसका नियमित संचालन होगा। यह जानकारी एयरपोर्ट के डायरेक्टर धीरेन्द्र सिंह ने दी। एयरपोर्ट के डायरेक्टर सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के सभी ऑपरेशन अब सुचारू रूप से संचालित हैं। यात्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग हो रही है।

यात्रियों से उनके अनुभव और फीडबैक भी लिया गया, जिसमें अधिकांश यात्री एयरपोर्ट की सुविधाओं और सेवाओं से संतुष्ट दिखे। विशेष रूप से भोजन व्यवस्था की भी सराहना की गई। यात्रियों को समयानुसार स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि यात्रा के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि सभी वेंडर कंपनियों को निर्देश है कि वे सामानों की कीमत बढ़ाने से परहेज करें। पार्किंग फीस को भी उचित दर पर ही चार्ज कर यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा जाए। निरस्त होने वाली उड़ानों के पैसेंजर्स को ४ दिन पहले ही सूचना दे दी गई थी जिससे यहां यात्रियों की भीड़ नहीं पहुंची। तीन एयर लाइंस के १६ काउंटर बाहरी हिस्से में खोल दिए गए हैं, जिससे वे रिफंड व अन्य समस्या का निपटारा आसानी से कर लें। एयरपोर्ट के डायरेक्टर सिंह ने बताया कि बुधवार को कुल ११ निर्धारित उड़ानों का संचालन होना था, जिसमें से एक उड़ान रद्द रही। रद्द उड़ान की सूचना यात्रियों को पूर्व में ही उपलब्ध करा दी गई थी, ताकि किसी यात्री को असुविधा न हो। एयरपोर्ट प्रशासन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी यात्री सुविधाओं, सुरक्षा मानकों तथा भोजन जैसी आवश्यक सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

सड़क हादसों का कहर जारी, 8 महीने में 212 मौतें

वैशाली (ईएमएस) : वैशाली जिले में अप्रैल २०२५ से नवंबर २०२५ तक सड़क हादसों ने भयावह रूप ले लिया है। इन आठ महीनों में जिले में २१२ लोगों की मौत और ७८ गंभीर घायल हुए। केवल नवंबर माह में ही २५ लोगों की जान गई। महीनेवार आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में १९, मई में २७, जून में ३३, जुलाई में ३९, अगस्त में १८, सितंबर में २३, अक्टूबर में २८ और नवंबर में २५ लोगों की मौतें हुईं। सबसे अधिक हादसे हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच-२२, हाजीपुर-महुआ मुख्य मार्ग और हाजीपुर-लालगंज रोड पर हुए। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार, ओवरटेकिंग और चालकों की लापरवाही मुख्य वजह है। वाहनों की बढ़ती संख्या और नियमों के पालन में ढिलाई भी दुर्घटनाओं को बढ़ा रही है। यातायात थाना के अनुसार, इस अवधि में २०२ सड़क हादसों के मामले दर्ज किए गए और १०९ वाहन जब्त किए गए, लेकिन केवल २२ वाहनों पर कार्रवाई हुई।

वोट चोरी के खिलाफ दिल्ली कूच, बंधु तिर्की और टाना भगतों का जत्था रामलीला मैदान की रैली में देगा सत्ता के खिलाफ संदेश

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य, पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि १४ दिसंबर को नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में होने वाली कांग्रेस की वोट चोर गद्दी छोड़ रैली पूरे देश में बड़ा संदेश देगी। उनके अनुसार यह रैली न सिर्फ लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि इससे चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी के बीच कथित मिलीभगत के मुद्दे पर आम जनता की जागरूकता भी बढ़ेगी। बंधु तिर्की ने बताया कि राजधानी रांची से लगभग ३०० टाना भगत, अपने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ, इस रैली में शामिल होने दिल्ली रवाना हुए हैं। उन्होंने अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम में टाना भगतों से भरी तीन बसों को हरी झंडी दिखाकर विदा किया। इसके अलावा कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, प्रखंड अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी आज शाम ट्रेन से दिल्ली के लिए निकल गए।

रैली को लेकर तिर्की का बयान

बंधु तिर्की ने संवाददाताओं से कहा कि रैली के जरिए देशभर में यह संदेश जाएगा कि वोट चोरी के आरोप अब पूरी तरह स्पष्ट हो चुके हैं और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर चुनाव की निष्पक्षता से समझौता किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद चुनाव आयोग किसी भी प्रकार की संवेदनशीलता नहीं दिखा रहा।

उन्होंने कहा कि सरकार चुनाव आयोग की उस छवि का बचाव कर रही है जो लोकतंत्र के लिए खतरा बनती जा रही है। तिर्की के मुताबिक यह रैली जनता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेगी और भविष्य में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बंधु तिर्की स्वयं भी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली रवाना हो गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह रैली कांग्रेस के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी।

सत्र के समापन पर बोले रबीन्द्रनाथ महतो- तीखी बहस ठीक, लेकिन भाषा की मर्यादा बनी रहे, दूसरे अनुपूरक बजट को खास बताया

रांची (एजेंसी): झारखंड विधान सभा का शीतकालीन सत्र आज समाप्त हो गया।

विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने समापन भाषण देते हुए कहा कि ५ से ११ दिसंबर तक चला यह सत्र राज्य के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा। इस दौरान कई अहम विधेयक, बजट प्रस्ताव और जनता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

अध्यक्ष ने बताया कि इस सत्र में कुल ३०१ प्रश्न स्वीकार किए गए, जिनमें से ज्यादातर के जवाब सरकार की ओर से मिल गए। सत्र में १२९ शून्यकाल और ४२ ध्यानाकर्षण सूचनाएं भी आईं, जिनमें कई पर तुरंत कार्रवाई की गई।

उनके अनुसार यह दर्शाता है कि सदन जनता की समस्याओं को लेकर सक्रिय और उत्तरदायी है। उन्होंने कहा कि इस सत्र की बड़ी उपलब्धि द्वितीय अनुपूरक बजट का पारित होना है।

खासकर महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए किए गए आवंटन को उन्होंने महत्वपूर्ण और स्वागतयोग्य बताया। उनके अनुसार यह कदम महिला सशक्तिकरण, पोषण और बच्चों के अधिकारों को मजबूत करेगा।

अध्यक्ष महतो ने सदन में हुई तीखी राजनीतिक बहसों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन बहस के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली भाषा मर्यादित और सम्मानजनक होनी चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों से आने वाले सत्रों में सदन की गरिमा बनाए रखने की अपील की। अध्यक्ष ने सदन चलाने में सहयोग देने के लिए मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विपक्ष, अधिकारी-कर्मचारियों और मीडिया का धन्यवाद किया।

उन्होंने राज्यवासियों को क्रिसमस, नव वर्ष २०२६, सो-हराय, बंधना-खुंटांव और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं भी दीं और कहा कि ये पर्व झारखंड की एकता और सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक हैं। अंत में उन्होंने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

रांची नगर निगम ने बकरी बाजार में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम ने गुरुवार को बकरी बाजार स्थित निगम धर्मशाला के आसपास अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। लंबे समय से निगम-स्वामित्व वाली भूमि पर बने अस्थायी झुग्गियों और अनधिकृत संरचनाओं को हटाने के लिए अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान टीम ने क्षेत्र की घेराबंदी करते हुए निगम भूमि पर फैले अतिक्रमण को चिह्नित किया। एक-एक कर अस्थायी निर्माणों को हटाया गया।

निगम अधिकारियों के अनुसार कुल २५ से अधिक झुग्गी-झोपड़ियों और टीन-शेड संरचनाओं को ध्वस्त किया गया। जिसकी वजह से क्षेत्र में अव्यवस्था और भीड़भाड़ की समस्या बनी रहती थी। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि शहर के सार्वजनिक स्थानों और निगम की भूमि पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम हेमंत तक पहुंची असम में बसे झारखंडी आदिवासी परिवारों की पीड़ा, भेजा जाएगा सरकारी प्रतिनिधिमंडल

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा में आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को असम में रह रहे आदिवासी समुदाय की वर्तमान स्थिति और वहां उन्हें झेलनी पड़ रही समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि असम सरकार की लगातार उपेक्षा के कारण चाय बगान क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी परिवार सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्तर पर तेजी से पीछे होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड से ले जाए गए इन परिवारों के साथ आज भी दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि झारखंड सरकार असम में बसे आदिवासी समुदायों के अधिकार, पहचान और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए हर संभव पहल करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार जल्द ही एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल असम भेजेगी, जो वहां के हालात का आकलन करेगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी दोहराया कि असम के चाय बागानों में काम कर रहे आदिवासी परिवारों को एसटी का दर्जा दिलाने की दिशा में झारखंड सरकार लगातार प्रयासरत है। साथ ही, दैनिक वेतन बढ़ाने और भूमि से जुड़े विवादों को हल करने में भी सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे इस मुद्दे पर नेतृत्व करें ताकि उनकी आवाज केंद्र और राज्य सरकारों तक प्रभावी तरीके से पहुंच सके।

बैठक में मंत्री चमरा लिंडा, आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) के जीतेन केरकेट्टा, बिरसा मुंडा, तरुण मुंडा, गणेश, अजीत पूर्ति, राजेश भूरी, बाबूलाल मुंडा, मंगल हेंब्रम सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पुलिसकर्मी के घर में चोरी लाखों के सामान उड़ाए

चाईबासा (एजेंसी): पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां अज्ञात चोरों ने सहायक पुलिस प्रमिला ओझा के घर को निशाना बनाया। चोरों ने नगद १७ हजार रुपये, सोने का मंगलसूत्र, तीन जोड़े चांदी के पायल, एक जोड़ा सोने की बाली, सोने का चार पीस लॉकेट, चांदी का दो जोड़ा कड़ा और कांसा के बर्तन चोरी कर लिए। प्रमिला ओझा पिछले २० दिनों से अपनी मां के साथ चाईबासा में ड्यूटी कर रही थीं और बुधवार को ही घर आई थीं। उन्होंने बताया कि २०-३० दिनों से घर में कोई नहीं था, जिसका फायदा चोरों ने उठाया। आनंदपुर थाना की पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झारखंड में मिलेट मिशन से जुड़े 35 हजार किसानों के खाते में कल जाएंगे 15.6 करोड़ रुपये : शिल्पी नेहा

रांची (एजेंसी): झारखंड में मिलेट मिशन से जुड़े किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की शिल्पी नेहा तिर्की ने जानकारी दी कि राज्य सरकार कल, १२ दिसंबर को मोटे अनाज की खेती करने वाले लगभग ३५ हजार किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से १५.६ करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरण करने जा रही है। यह प्रोत्साहन राशि राज्य के उन किसानों के लिए है, जिन्होंने ५२ हजार एकड़ में मिलेट (मोटे अनाज) की खेती की है। विभाग की ओर से मिलेट मिशन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रति एकड़ ३,००० रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है।

शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य सिर्फ घोषणा करना नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव लाना है। मिलेट मिशन के जरिए किसानों की आय बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, पौष्टिक आहार को बढ़ावा देने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार अपने वादों पर अमल करने में विश्वास रखती है-हम सिर्फ कहते नहीं, बल्कि करके दिखाते हैं।

रिम्स पूरी तरह हो अतिक्रमण मुक्त, मरीजों की सुविधाओं पर भी जताई चिंता

रांची (एजेंसी): झारखंड हाई कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि रिम्स परिसर में चल रहा अतिक्रमण हटाओ अभियान बिना रुकावट जारी रहेगा। कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने के विरोध में दायर सभी हस्तक्षेप याचिकाओं को खारिज करते हुए, जिला प्रशासन को कार्रवाई नियमित रूप से जारी रखने का निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान रांची डीसी, एसएसपी और बड़गाई सीओ कोर्ट में मौजूद थे। खंडपीठ ने अधिकारियों से रिम्स परिसर में अतिक्रमण की स्थिति और अब तक की कार्रवाई पर विस्तृत सवाल किए। प्रशासन की ओर से बताया गया कि पिछले आदेश के बाद से चरणबद्ध तरीके से परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है।

कई लोगों ने हस्तक्षेप याचिका दायर कर अभियान रोकने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने सभी को खारिज कर दिया। हालांकि, कैलाश कोठी से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार की तारीख तय की गई है। डीआईजी ग्राउंड के पास स्थित इस भवन को हटाने पर पिछले दिनों कोर्ट ने अस्थायी रोक लगाई थी।

रिम्स में उपचार की खस्ताहाल व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की कमी पर स्वतः संज्ञान लेते हुए हाई कोर्ट पहले ही जनहित याचिका दर्ज कर चुका है। मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई में कहा कि रिम्स को व्यवस्थित, सुरक्षित और अतिक्रमण मुक्त बनाना आवश्यक है, क्योंकि इसका सीधा संबंध मरीजों की सेवा से है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने परिसर के सभी अतिक्रमणकारियों को ७२ घंटे के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था। उसी के आलोक में अब प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। बता दें, प्रार्थी ज्योति शर्मा ने भी रिम्स की खराब व्यवस्था को लेकर अलग से जनहित याचिका दायर की है, जिस पर कोर्ट गंभीर रूप से विचार कर रहा है।

आजसू नेता सतीश चंद्रवंशी का निधन सुदेश महतो समेत कई ने शोक जताया

रांची (एजेंसी): आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार चन्द्रवंशी के निधन पर पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने शोक व्यक्त किया है। उनका देहांत कल देर रात हो गया। वह कुछ दिनों से एम्स पटना में इलाजरत थे। अंतिम संस्कार मेदिनीनगर के बेलवाटिका स्थित श्मशान घाट पर किया गया।

आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, भाजपा के डाल्टनगंज विधायक आलोक चौरसिया, आजसू विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, केन्द्रीय मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत, केन्द्रीय महासचिव संजय मेहता, भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, केन्द्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान, इन्तेयाज अहमद नजमी, चंद्रशेखर सिंह, बब्लू, गुप्ता, विजय मेहता, बिकेश शुक्ल, दिलीप चौधरी, उमेश उरांव सहित कई नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की। सुदेश महतो ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सतीश जी का जाना पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी कमी हमेशा महसूस होती रहेगी।

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सत्तापक्ष विपक्ष मिलकर करें ठोस पहल:कैलाश यादव

रांची (एजेंसी): प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव को विधानसभा सत्र में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के बेहतर इलाज से जुड़ा सवाल उठाने के लिए साधुवाद व शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदीप यादव ने न सिर्फ वादा निभाया बल्कि इस गंभीर बीमारी पर सरकार का ध्यान भी केंद्रित कराया है। कैलाश यादव ने बताया कि हाल ही में 'लहू बोलेगा' के बैनर तले विधायक क्लब में आयोजित कार्यक्रम में प्रदीप यादव मुख्य अतिथि थे और वह स्वयं राजद की ओर से विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान ही प्रदीप यादव से अनुरोध किया गया था कि राज्य में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के इलाज की स्थिति पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया जाए।

उन्होंने कहा कि थैलीसीमिया एक गंभीर और जन्मजात बीमारी है, जो बच्चों, शिशुओं और युवाओं में खून की कमी के कारण जानलेवा साबित होती है। झारखंड के दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में प्रदूषित पानी, खराब हवा और सीमित संसाधनों के चलते इसका प्रभाव और अधिक गहरा है। राज्य में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो सरकार के लिए चिंता का विषय है। यादव ने कहा कि विधायक प्रदीप यादव ने इस मुद्दे को सदन में उठाकर राज्य के हजारों प्रभावित परिवारों की उम्मीदों को आवाज दी है।

राजद प्रवक्ता ने आगे कहा कि किडनी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए डायलिसिस और कीमोथेरेपी की उचित और उच्चस्तरीय व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को मिलकर ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने अस्पतालों में ब्लड बैंक को और मजबूत करने तथा ब्लड डोनेशन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी कैंप आयोजित करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

पृष्ठ एक का शेषांश

बजट पर चर्चा के---

उनके अनुसार- किसी को हार्ट अटैक हो रहा है, कोई कैंसर का शिकार हो रहा है, कोई अपंग पैदा हो रहा है। यह रिसर्च का विषय है, लेकिन देश में रिसर्च का सन्नाटा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय फाइटर प्लेन के ट्रायल के दौरान हुई दुर्घटना में पायलट की जान गई, लेकिन पूरा ठीकरा पायलट पर फोड़ दिया जाएगा। गोवा में मजदूरों की मौत वाली घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां रेस्टोरेंट मालिक विदेश भाग गए, पर कार्रवाई होती नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य सिर्फ सुर्खियां बटोरना है। अगर सार्थक प्रश्न उठाए जाते, तो सरकार जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार रहती।

साथी नागरिकों के---

जीने का अधिकार, बिना किसी बाधा के सीखने का अधिकार, बिना शोषण के काम करने का अधिकार शामिल है।

राज्यसभा में चर्चा के---

इन टिप्पणियों के चलते राज्यसभा में हंगामा शुरू हो गया और स्थिति को शांत करने के लिए अध्यक्ष उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा। नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू की छवि को धूमिल नहीं करना चाहती और उसका एकमात्र उद्देश्य ऐतिहासिक तथ्यों को सही करना है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे... उस समय सत्ता में रहे लोग (सरकार) इस स्थिति के लिए जिम्मेदार थे। नड्डा ने कहा कि पहले आपने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटा दिए। जून १९४७ में आपने भारत को खंडित स्वतंत्रता दी और जिन्ना के सपनों को पूरा साकार कर दिया। उसके बाद आपने पाकिस्तान की गुरिल्ला सेनाओं के सामने पीओके समर्पित किया, खंडित कश्मीर पर कब्जा कर लिया और फिर अनुच्छेद ३७० लागू कर दिया... देश समझौतों से नहीं चलता-यही हमारी विचारधारा है।

उमर खालिद को---

उमर खालिद पर नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली दंगों के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत चार्जशीट दायर की गई है। उनकी जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। साथ ही, दिल्ली हाईकोर्ट और कड़कड़डूमा कोर्ट ने उनकी पिछली जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

5 राज्य, 1 यूटी में एसआईआर---

जिसका ड्राफ्ट २३ दिसंबर को पब्लिश होगा। चुनाव आयोग ने ३० नवंबर को एसआईआर की समयसीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया था। आयोग ने कहा था कि अब अंतिम मतदाता सूची १४ फरवरी २०२६ को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोडऩे-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब ११ दिसंबर तक चलेगा, जो पहले ४ दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट ९ दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे १६ दिसंबर को जारी किया जाएगा।

तलाक मांगने पहुंची---

देखने को मिलता है। सुनवाई के दौरान जैसे ही पत्नी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़ीं, तब न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा कि हमने अपने फैसले में इस बात का उल्लेख किया है कि यह उन दुर्लभ मामलों में से है जहां किसी प्रकार का लेन-देन नहीं हुआ। हम आपकी सराहना करते हैं। अतीत को भूलकर खुशहाल जीवन बिताइए।

स्निग्धा की तलाश में दिल्ली में छापे, संपत्ति और डिजिटल डिवाइस जब्त, मनी-लांड्रिंग व भूमि घोटाले की कड़ियां खुलने का दावा

रांची/नई दिल्ली (एजेंसी): झारखंड एंटी करप्शन ब्यूरो ने भूमि घोटाले के आरोपों में घिरे ऑटोमोबाइल कंपनी नेक्सजेन के मालिक विनय सिंह की पत्नी स्निग्धा सिंह की तलाश में दिल्ली में तड़के छापेमारी की।

यह कार्रवाई वसंत विहार स्थित भारत सरकार के एक संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी के सरकारी आवास पर सुबह करीब ४ बजे की गई।

छापा मारने पहुंची टीम स्निग्धा सिंह को पकड़ने में कामयाब नहीं हो सकी-सूत्रों के अनुसार, वह कार्रवाई से कुछ देर पहले ही वहां से निकल गई थीं। हालांकि, एसीबी ने उनके बेटे सनत कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

एसीबी की तकनीकी सेल पिछले कई दिनों से स्निग्धा सिंह की डिजिटल गतिविधियों, कॉल रिकॉर्ड और लोकेशन पर नजर रख रही थी। इसी दौरान उनकी लोकेशन वसंत विहार स्थित सरकारी आवास में मिलने के बाद एक विशेष टीम तुरंत दिल्ली रवाना की गई।

एसीबी ने स्पष्ट किया कि सनत कुमार को गिरफ्तार नहीं किया गया है, बल्कि पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में उससे विनय चौबे, विनय सिंह और अपनी मां स्निग्धा सिंह की कई संपत्तियों को लेकर अहम जानकारियां दी हैं।

छापेमारी के दौरान टीम ने कई डिजिटल उपकरण भी जब्त किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वसंत विहार में उ-२४ नंबर की एक संपत्ति खरीदी गई थी, जिसके बेनामी निवेश या अवैध गतिविधियों से जुड़ा होने की आशंका है।

एसीबी अधिकारियों का मानना है कि जब्त किए गए डिजिटल डिवाइस भूमि घोटाले, मनी लॉन्ड्रिंग और कथित शराब घोटाले की रकम के निवेश से जुड़ी विस्तृत जानकारी उजागर कर सकते हैं। टीम अब इन डिजिटल साक्ष्यों का फोरेंसिक विश्लेषण शुरू कर चुकी है, जिससे केस में नई कड़ियां खुलने की संभावना है।

कहीं बीच सड़क में खंभा, कहीं तारों के सहारे झूल रहा पोल

रांची (एजेंसी): बीच शहर में बिजली विभाग की लापरवाही लोगों पर सीधा खतरा बनकर मंडरा रही है। कहीं सड़क के बीचों-बीच बिजली का पोल खड़ा रह गया है, तो कहीं जर्जर हो चुका लोहे का खंभा अब बिजली के तारों के सहारे टिका हुआ है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि लोगों की शिकायत करने के बावजूद विभाग ने अब तक स्थिति सुधारने की कोई कोशिश नहीं की, जिसके कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। हरमू में करम चौक के पास सड़क निर्माण पूरा हो चुका है। लेकिन कार्य पूरा हो जाने के बाद भी बिजली विभाग ने पोल शिफ्ट करने के नियम को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। सड़क का लेवल बढ़ने के बाद खंभा बीच सड़क में आ गया।

पेट के एसिड को कंट्रोल में रखते हैं ये आयुर्वेदिक इलाज

एसिडिटी होना आम समस्या है मगर बार-बार होने की वजह से इंसान परेशान हो जाता है। इससे परमानेंट छुटकारा पाने के लिए खाने में 6 चीजों को शामिल करना चाहिए। यह पेट के एसिड को कंट्रोल में रखती हैं।

सिर में एसिडिटी चढ़ने की समस्या

खाना पचाने के लिए पेट एसिड बनाता है। जब यह एसिड पेट से निकलकर खाने की नली में वापिस चढ़ता है तो उसे गैस्ट्रोइसोफेगियल रिफ्लक्स डिजीज कहते हैं। इसकी वजह से हाइपर एसिडिटी होती है और बार-बार एसिड सीने में चढ़ता है। सीने में जलन इसका सबसे आम लक्षण है। गट से दिमाग का रास्ता भी जाता है जिसकी वजह से एसिडिटी दिमाग पर चढ़ने लगती है और भयानक सिरदर्द होता है।

केला

केले को नेचुरल एंटासिड कहते हैं। इससे पेट का एसिड कम किया जा सकता है। जॉन हॉप्किन्स के मुताबिक इसकी तासीर अल्कलाइन होती है। इसमें मौजूद फाइबर और पोटैशियम पेट की गैस को कम करते हैं और पाचन को सुधारते हैं।

दही

दही में हेल्दी प्रोबायोटिक्स होते हैं। यह पेट और आंतों को हेल्दी बनाते हैं जिससे पाचन तंत्र स्वस्थ बनता हैं। यह फूड एसिडिटी को कंट्रोल करते हैं। दही पेट की जलन को कम करने में भी मददगार है।

ओटमील

ओटमील में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। हाइपर एसिडिटी कम करके डायजेशन बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है। यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है और एसिड रिफ्लक्स को रोकता है।

अदरक

अदरक भी एक नेचुरल एंटासिड है। इसमें इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह पेट के एसिड और सूजन को कम करने में सहायक है। इसका सेवन पूरे शरीर को फायदा पहुंचाता है।

तरबूज

तरबूज में पानी की मात्रा काफी होती है और यह पेट को ठंडक पहुंचाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्टमक एसिड को कंट्रोल करने में मदद करके डायजेशन भी सुधारते हैं।

सौंफ

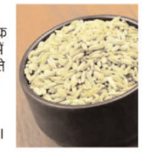

खाना पचाने के लिए सौंफ बहुत कारगर है। सौंफ में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो एसिडिटी को कम करते हैं। इसे खाने के बाद चबाने से गैस की समस्या भी कम होती है।

कॉन्टैक्ट लेंस लगाने वाले इन बातों का रखें ख्याल

आंख भगवान का दिया एक खूबसूरत तोहफा है जिससे हम दुनिया देख सकते हैं, लेकिन आजकल आकर्षक दिखने के लिए लोग कलरफुल लेंस लगा रहे हैं। वहीं यह चश्मा का भी बेहतरीन विकल्प बन गया है। हालांकि कॉन्टैक्ट लेंस लगाना आपके लिए परेशानी की वजह भी बन सकता है। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन की आंखें कॉन्टैक्ट लेंस पहनने से खराब हो गई। कॉन्टैक्ट लेंस को ठीक से इस्तेमाल न करने से उनकी आंखों की कॉर्निया को क्षति पहुंची है,उन्हें दिखना बंद हो गया, और शदीद दर्द का सामना करना पड़ा। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं की कैसे कॉन्टैक्ट लेंस आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है।

कॉन्टैक्ट लेंस से आंखों को कैसे नुकसान होता है

एक्सपर्ट के मुताबिक आपके कॉर्निया को ऑक्सीजन की जरूरत होती है, ऐसे में अगर आप लंबे वक्त तक लेंस पहनते हैं तो इससे ऑक्सीजन की सप्लाई में रुकावट आ जाती है,और कॉर्नियल डैमेज की संभावना बढ़ जाती है। लेंस की स्वच्छता बनाए रखने में विफलता से कॉर्नियल क्षति हो सकती है। सूखी आंखें होने से कॉर्निया में जलन भी हो सकती है और कॉर्निया की सतह खरोंच सकती है, जिससे व्यक्ति को संक्रमण होने का खतरा हो सकता है। इसके अलावा, खराब फिटिंग वाले लेंस कॉर्निया को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं,जिससे खरोंच और संक्रमण हो सकता है जो दृष्टि को प्रभावित करता है। कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वाले क्या करें और क्या न करें -

क्या करें

- कॉन्टैक्ट लेंस स्टोरेज केस को हर तीन महीने में बदलें ।
- कॉन्टैक्ट लेंस को छूने से पहले अपने हाथों को अच्छी तरह धो लें।
- लेंस लगाने से पहले इसे सॉल्यूशन से अच्छी तरह से साफ करें।
- अगर लेंस गिर जाए तो उसे दोबारा लगाने से पहले साफ करें ।
- मेकअप करने से पहले लेंस पहनें।
- लेंस लगाने के बाद बार-बार आंखों को ना छुएं।
- 7 से 8 घंटे ही लेंस का इस्तेमाल करें

क्या न करें

- कॉन्टैक्ट लेंस को कभी भी टैप वाटर से न धोएं।
- अपना कॉन्टैक्ट लेंस शेयर न करें।
- कॉन्टैक्ट लेंस पहन कर कभी न सोएं।
- कॉन्टैक्ट लेंस पहन कर स्विमिंग न करें।
- अगर आपका लेंस सिर्फ 24 घंटे वाला है तो इसे दोबारा इस्तेमाल न करें।
- एक्सपायर्ड लेंस न लगाएं।
- बिना डॉक्टर की सलाह के खुद से लेंस न लें।
- रोजाना लेंस लगाने से बचें।

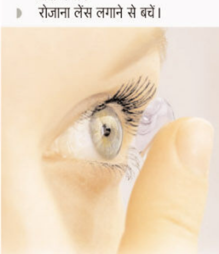

अगर आपको ज्यादा काटते हैं मच्छर तो हो सकते हैं ये साइंटिफिक कारण

कुछ लोग कहते हैं कि जिनका खून मीठा होता है, मच्छर उन्हें ज्यादा काटते हैं। कुछ कहते हैं जिन लोगों में से पसीने की बदबू आती है मच्छर उन्हें काटते हैं, लेकिन सच क्या है। आपको शायद पता न हो लेकिन इसके पीछे भी एक साइंटिफिक कारण होता है। इसमें एक बड़ा रोल आपके ब्लड टाइप का होता है। इसके अलावा आपके कपड़ों का रंग और बैक्टीरिया पर भी निर्भर करता है।

आप और आपका कोई दोस्त साथ में बैठे हैं और मच्छर बार-बार आपको ही काटे तो कितनी इरिटेशन होती है। आप गुस्से में कई बार कहते भी हैं अरे यार! ये मच्छर मुझे ही क्यों काट रहे हैं मगर क्या आपने कभी यह वाकई जानने की कोशिश की है। कुछ लोग कहते हैं कि जिनका खून मीठा होता है, मच्छर उन्हें ज्यादा काटते हैं। कुछ कहते हैं जिन लोगों में से पसीने की बदबू आती है मच्छर उन्हें काटते हैं, लेकिन सच क्या है आपको शायद पता न हो लेकिन इसके पीछे भी एक साइंटिफिक कारण होता है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि लगभग 20% लोग मच्छरों के प्रति इरेजिस्टिबल होते हैं। इसमें एक बड़ा रोल आपके ब्लड टाइप का होता है। इसके अलावा आपके कपड़ों का रंग और बैक्टीरिया पर भी निर्भर करता है। चलिए इस आर्टिकल में आपको वो कारण बताएं, जिनकी वजह से हो सकता है कि मच्छर आपको ज्यादा काट सकते हैं।

आपकी त्वचा में होने वाले बैक्टीरिया बनते हैं वजह

आपकी त्वचा में स्वाभाविक रूप से रहने वाले बैक्टीरिया आपके पसीने के कंपोनेंट्स को आपकी स्किन पर रिलीज करते हैं। इन कंपोनेंट्स में ऐसे बाय प्रोडक्ट होते हैं जो मच्छरों को आकर्षित करते हैं। ऐसा कहा जा सकता है कि इसमें आपके पसीने से उत्पन्न होने वाली बदबू महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चूंकि हम सभी की त्वचा पर अलग-अलग प्रकार और बैक्टीरिया के मिश्रण होते हैं, इसलिए हमारे शरीर की गंध अलग-अलग होती है। हालांकि, एक अध्ययन से पता चला है कि आपकी त्वचा माइक्रोबायोटा के भीतर बैक्टीरिया की विविधता कम होने से आप मच्छरों के लिए अधिक आकर्षक हो सकते हैं, एक उच्च जीवाणु विविधता कम आकर्षक होती है।

ब्लड टाइप होता है बड़ा कारण

वयस्क मच्छर पोषण के लिए नेक्टर पर जीवित रहते हैं, लेकिन मादाएं अंडे के उत्पादन के लिए मानव रक्त में प्रोटीन पर निर्भर करती हैं। दिलचस्प बात यह है कि मच्छरों को कुछ रक्त प्रकार दूसरों की तुलना में अधिक पसंद आते हैं। एक शोध में पाया गया है कि अलग-अलग प्रजातियों में अलग-अलग प्रकार के रक्त के लिए प्राथमिकताएं होती हैं। उदाहरण के लिए, एडीज एल्बोपिक्टस मच्छर ह ब्लड ग्रुप के पक्ष में होते हैं, जबकि एनोफिलीज गाम्बिया टाइप AB ज्यादा पसंद करते हैं। इसके अलावा, लगभग 80% लोग एक स्राव उत्पन्न करते हैं जो संकेत देता है कि उनका क्या ब्लड ग्रुप है। ब्लड ग्रुप के अन्य प्रकार के बावजूद, मच्छर इन ब्लड ग्रुप के लोगों को दूसरों की तुलना में अधिक पसंद करते हैं।

कहां काटते हैं ज्यादा मच्छर

वैसे तो मच्छर शरीर के किसी भी हिस्से में काटते हैं। मच्छर खून के जरिए भोजन करने के लिए किसी भी त्वचा पर बैठते हैं, जहां उनकी पहुंच होती है। एक अध्ययन में पाया गया कि मच्छरों की दो प्रजातियां सिर और पैरों के आसपास काटना पसंद करती हैं। शोधकर्ताओं का मानना था कि इन क्षेत्रों में त्वचा के तापमान और पसीने की ग्रंथियों की संख्या ने इस वरीयता में भूमिका निभाई है। वहीं सांस की स्मेल और पैरों की गंध से भी मच्छर आपकी तरफ आकर्षित होते हैं।

मच्छरों के काटने से क्यों होती है इतनी खुजली

जब कोई मच्छर आपको काटता है, तो वह अपने मुंह के हिस्सों की नोक को आपकी त्वचा में डालता है और अपनी लार की थोड़ी मात्रा को आपके रक्त प्रवाह में इंजेक्ट करता है। यह आपके खून को बहने में मदद करता है क्योंकि मच्छर खिलाता है। आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मच्छर की लार में रसायनों के प्रति प्रतिक्रिया करती है, जिससे एक प्रतिक्रिया होती है जिसमें त्वचा में रेडनेस, सूजन और खुजली शामिल हो सकती है।

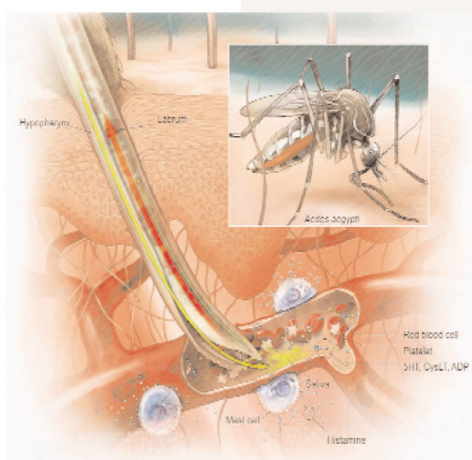

इन होम रेमिडीज से मिलेगी मच्छर के काटने पर खुजली से फौरन राहत

आपने शायद नोटिस किया होगा कि मच्छर के काटने के बाद स्किन का वह हिस्सा लाल निशान हो जाता है जिसमें बहुत खुजली होती है। कभी-कभी तो खुजली इतनी ज्यादा होती है कि खुजाते-खुजाते स्किन कट जाती है और उसमें से ब्लड आने लगता है। अगर आपको भी मच्छरों के काटने के बाद इतनी भयंकर खुजली होती है तो परेशान ना हो क्योंकि हम आपके लिए कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खे लेकर आये हैं जिनकी हेल्प से आप मच्छर के काटने से होने वाली जलन से राहत पा सकती हैं।

बर्फ दिलाये आराम

बर्फ से मच्छर के काटे स्थान पर किसी प्रकार की सूजन और खुजली नहीं होती। इसलिए मच्छर के काटे गए स्थान पर तुरंत फ्रिज से बर्फ निकालें और उस स्थान पर रगड़ें। अगर बॉडी पर मच्छरों के काटने के निशान बहुत ज्यादा हों तो ठंडे पानी से नहाएं।

डंक के लिए नमक

अगर आप जलन व खुजली से तुरंत आराम चाहती हैं तो काटे गए स्थान को पानी से भिगो लें और उस पर हल्के हाथ से नमक रगड़ें। इससे आपको जल्द ही राहत मिलेगी। साथ ही लाल निशान की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि नमक वाले पानी से कीड़ों के डंक या जहर का असर खत्म हो जाता है जिससे काफी राहत मिलती है।

नीम का तेल

नीम के तेल में औषधीय गुण होते हैं। जी हां नीम में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण किसी भी प्रकार के इंफेक्शन को फैलने से रोकता है। अमेरिका की नेशनल रिसर्च काउंसिल द्वारा किए गए शोध में भी यह बात सामने आ चुकी है कि नीम का तेल किसी भी रिपेलेंट से अधिक प्रभावी है। इतना ही नहीं, इसका पौधा लगाने से भी मच्छर घर में कम आते हैं।

नींबू का रस

हम जानते हैं कि नींबू में एंटीबैक्टीरियल और एंटीमाइक्रोबियल गुण पाये जाते हैं। प्रभावित जगह पर नींबू का ताजा रस लगाने से खुजली कम होती है और इंफेक्शन भी नहीं होता है। नींबू का रस लगाने के बाद कुछ देर तक बाहर नहीं जाना चाहिए, क्योंकि सूरज की रोशनी के कारण फुंसियां हो सकती है।

एल्कोहल

मच्छर के काटने पर होने वाले लाल निशान पर एल्कोहल का प्रयोग करना फायदेमंद होता है। मच्छर काटने वाली जगह पर कॉटन से थोड़ा सा एल्कोहल लगा कर रगड़े या एल्कहोल वाइप से काटे गए स्थान को अच्छी तरह साफ करें। इससे खुजली से काफी राहत पहुंचेगी। अगर एल्कोहल नहीं है तो साधारण साबुन और पानी से उस हिस्से को साफ कर लें।

सेब का सिरका

नहाने के दौरान पानी में सेब का सिरका मिला लें। यह ना सिर्फ लाल निशान को जल्द गायब करता है, बल्कि इसमें पाए जाने वाले मॉलिक एसिड से खुजली व जलन में भी आराम मिलता है। अगर आप नहा नहीं सकती है तो कॉटन की मदद से सेब का सिरका प्रभावित जगह पर सीधे भी लगा सकती हैं।

बेकिंग सोडा और पानी

बेकिंग सोडा में थोड़ा सा पानी मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और प्रभावित क्षेत्र स्थान पर 15 मिनट तक लगाएं। बेकिंग सोडा में एक एल्कलाइन तत्व पाये जाते है, जो त्वचा के पीएच को निष्प्रभावित करने में मदद करते है।

एलोवेरा जैल

ताजा ऐलोवेरा जैल को प्रभावित स्थान पर लगाएं। यह जेल ठंडक प्रदान करता है जिससे जलन व खुजलाहट से आराम मिलता है। अगर काटने के स्थान से खुजाने के बाद ब्लड निकल रहा हो तो यह उसे भी ठीक कर देता है। ऐसा इसलिए क्योंकि एलोवेरा जैल में त्वचा से संबंधित रोगों को दूर करने तथा इंफेक्शन जैसे तत्वों से लड़ने के गुण पाए जाते हैं।

एयर होस्टेस, कमर्शियल पायलट बनकर
संवारे करियर

अगर आप 12वीं के बाद अपने कॅरियर को नई दिशा देना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको कुछ शॉर्ट टर्म कोर्स या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं।

इसमें अच्छा पैसा और काफी अवसर हैं। वहीं आज के दौर में इनकी काफी मांग है।

एयर होस्टेस

वहीं एयर होस्टेस की नौकरी भी अच्छी मानी जाती है। अच्छी बात यह है कि एयर होस्टेस की नौकरी के लिए आपको किसी खास तरह की डिग्री की जरूरत नहीं होती है। 12वीं पास करने के बाद और कुछ शारीरिक मापदंडों को पूरा करने के बाद आप यह नौकरी पा सकते हैं।

कमर्शियल पायलट

एविएशन सेक्टर में बढ़ती ग्रोथ देखते हुए कमर्शियल पायलट की भी मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत में कमर्शियल पायलट लाइसेंस लेने वालों की संख्या में साल दर साल इजाफा हो रहा है।

इसके लिए अभ्यर्थी को किसी भी डिग्री की जरूरत नहीं है। इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाने के लिए साइंस स्ट्रीम से न्यूनतम 50% अंकों से 12वीं पास अभ्यर्थी कर्मशियल पायलट बन सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थियों को फ्लाइंग स्कूल में एडमिशन के लिए एंट्रेस टेस्ट देना होगा और कर्मशियल पालयट का लाइसेंस भी लेना होगा।

उड़द दाल की बनाएं चटपटी बड़ी, सब्जी में डालते ही स्वाद हो जाएगा जबरदस्त, नोट करें रेसिपी

उड़द की दाल तो आपने जरूर खाई होगी। उड़द की दाल से वैसे तो कई व्यंजन बनते हैं, जैसे दही बड़े, सांभर वाला वड़ा लेकिन क्या आपने इसकी बनी बड़ी खाई है। कई जगहों पर उड़द की दाल की बड़ी बनाकर लोग बिजनेस भी करते हैं। उड़द की बड़ी कई मसालों को मिलाकर बनाई जाती है और इसकी सब्जी लोग बड़े चाव से खाते हैं। अगर आपको दाल खाना पसंद न हो तो आप इसकी सब्जी बनाकर खा सकते हैं। इसके अलावा आलू-टमाटर के साथ भी इसकी सब्जी बनाई जाती है। इतना ही नहीं उड़द की दाल में कॉपर, पोटैशियम, विटामिन बी 1 और जिंक जैसे तत्व होते हैं, ऐसे में ये बड़ियां खाने से सेहत को भी कई फायदे होते हैं। चलिए आपको उड़द दाल की बड़ी बनाने की विधि बताते हैं।

बनाने के लिए सामग्री

किलो- उड़द दाल, 1/2 कटोरी सूखी धनिया, 2 बड़े चम्मच- साबुत काली मिर्च, 2 चम्मच- सौंफ, 1 टेबलस्पून- साबुत जीरा, 1 छोटा चम्मच- पिसी हुई काली मिर्च, 1 चम्मच- पिसा हुआ धनिया, 1/2 चम्मच- हींग, 8 से 10 बड़ी इलायची, 10 से 12- छोटी इलायची, 5 से 6- लौंग।

कैसे बनाएं

उड़द की दाल को रात में भिगोकर रख दें। दाल कम से कम 8 घंटे तक भीग जाए, जिससे ये अच्छे से फूल जाए। दाल को सुबह अच्छे से धोकर मिक्सी में हल्का दरदरा पीस लें। दाल के पेस्ट को कटोरे में निकाल लें। अब आपको सभी मसालों को तवे या कड़ाही पर भून लें और फिर इन्हें मिक्सी में पीसकर पाउडर बना लें। इसके बाद मसाला पाउडर आपको पिसी हुई उड़द की दाल में मिलाना है। इस पेस्ट को अच्छे से मिक्स करें, जिससे पूरा मसाला पूरी दाल में फैल जाए। फिर एक थाली या साफ पन्नी लें और इस पर घी या तेल हल्का सा लगा लें। अब दाल वाले पेस्ट को छोटे-छोटे टुकड़े में थाली या पन्नी पर पकोड़ी की तरह गिराएं। बड़ी को बनाते समय थोड़ा स्पेस दें, ताकि ये आपस में चिपके नहीं। 5-6 दिन आप बड़ियों को धूप या पंखे की हवा में सूखने के लिए रखें। फिर एयरटाइट डिब्बे में बंद करके रखें। सब्जी बनाने के लिए इनका इस्तेमाल करें।

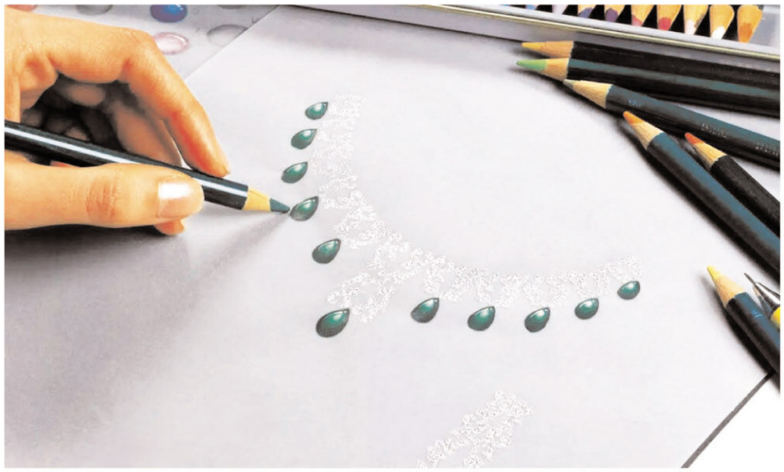

अगर आप किसी अलग क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो ज्वेलरी डिजाइन का है। ज्वेलरी डिजाइन के क्षेत्र में उतरें। इसमें आप किसी बड़ी डिग्री के बिना भी एक अच्छा पैकेज हासिल कर सकते हैं। इसमें सुंदरता, कारीगरी और रचनात्मकता को अधिक महत्व दिया जाता है।

ज्वेलरी डिजाइन के क्षेत्र में बनाये करियर

ज्वेलरी डिजाइन कोर्स सिर्फ अंगूठी या नेकलेस का डिजाइन बनाने से कहीं ज्यादा है। इसमें ज्वेलरी के सांस्कृतिक महत्व को समझने के साथ, फंक्शन, मटेरियल, फॉर्म और मार्केट की मांग को ध्यान में रखना शामिल है। ज्वेलरी डिजाइन में कलात्मक अभिव्यक्ति का विशेष स्थान होता है। लेकिन इसके साथ तकनीकी ज्ञान होना भी बहुत जरूरी होता है। इन कोर्स में छात्रों को धातु-रत्नों से लेकर कंप्यूटर आधारित डिजाइन तकनीकों के बारे में शिक्षा दी जाती है। इसमें 3डी मॉडलिंग, जेमोलॉजी और बहुमूल्य धातुओं की केमेस्ट्री भी सिखाई जाती है। यह कोर्स छात्रों को तकनीकी ज्ञान और रचनात्मकता के बीच संतुलन बनाना सिखाता है। इसके जरिए छात्र खुद को मार्केट के हिसाब से तैयार करते हैं। बता दें कि ज्वेलरी डिजाइनर सिर्फ आभूषण के डिजाइन पर ही नहीं बल्कि फैशन के रुझान और उपभोक्ता के व्यवहार की समझ होनी जरूरी है। इस कोर्स में वैश्विक बाजार, फैशन ट्रेंड्स और खरीददार की मानसिकता जैसी चीजों पर ध्यान दिया जाता है। इससे स्टूडेंट्स ऐसे आभूषण डिजाइन कर सकते हैं, जो दिखने में सुंदर और आकर्षक होने के साथ ही उपभोक्ता और बाजार के रुझानों में भी फिट हों। स्टूडेंट्स आभूषण स्टाइलिस्ट,

जेमोलॉजिस्ट, आभूषण डिजाइनर, मर्चेंडाइजर और उद्यमी के तौर पर अपने कॅरियर को नई दिशा दे सकते हैं। स्टूडेंट्स डिजिटल मार्केटिंग और ई कॉमर्स के बढ़ते क्षेत्र के माध्यम से ज्वेलरी डिजाइनर ई-सेलर के तौर पर वैश्विक स्तर पर अपनी पहुंच बना सकते हैं। इसके जरिए छात्र न सिर्फ विदेश बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अपने उत्पादों को बेच सकते हैं।

बच्चा बोर्ड एग्जाम देने वाला है, तो एक बार जरूर बता दें ये बातें, पेरेंटिंग कोच ने दी सलाह!

बोर्ड परीक्षा को आसान बनाने के लिए बच्चों को कुछ जरूरी बातें समय रहते समझा देनी चाहिए। इससे ना सिर्फ बच्चे का मन शांत होता है, बल्कि अपनी तैयारी पर भरोसा रखते हुए परीक्षा में बेहतर परफॉर्म भी कर पाता है।

बोर्ड एग्जाम नजदीक आ रहे हैं। ऐसे में जो बच्चे इस बार एग्जाम में बैठने वाले हैं, उन पर पढ़ाई और अच्छे नंबर को लेकर दवाब बढ़ना स्वाभाविक है। कई बार यह प्रेशर इतना ज्यादा हो जाता है कि बच्चा अपने ही आत्मविश्वास पर भी शक करने लगता है। पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा कहती हैं कि ऐसे समय में पेरेंट्स की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि उनके सही मोटिवेशन और मार्गदर्शन से ना सिर्फ बच्चे का स्ट्रेस लेवल कम होता है, बल्कि उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उनका मानना है कि बोर्ड परीक्षा को आसान बनाने के लिए बच्चों को कुछ जरूरी बातें समय रहते समझा देनी चाहिए। इससे ना सिर्फ बच्चे का मन शांत होता है, बल्कि अपनी तैयारी पर भरोसा रखते हुए वो परीक्षा में बेहतर परफॉर्म भी कर पाता है। चलिए जानते हैं-

समझाएं कंसिस्टेंसी और फोकस का महत्व

पेरेंटिंग कोच बताती हैं कि सफलता का सबसे सरल रास्ता है नियमित अभ्यास और लक्ष्य पर फोकस। बच्चे को यह समझाना जरूरी है कि रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़ने से याद भी अच्छा रहता है और दिमाग पर दबाव भी नहीं पड़ता। जब बच्चा सही दिशा में लगातार मेहनत करता है, तो उसका आत्मविश्वास भी मजबूत होता है और वह परीक्षा का सामना बिना घबराहट के कर पाता है।

> **कम समय में भी अच्छा सीखना संभव है**
>
> कोच पुष्पा शर्मा का कहना है कि सफल होने के लिए देर तक पढ़ना जरूरी नहीं है। बल्कि जरूरी यह है कि बच्चा जिस समय पढ़े, पूरे मन से पढ़े। कम समय में भी ध्यान लगाकर पढ़ा जाए तो चीजें जल्दी समझ में आती हैं, और और जो कुछ भी पढ़ा जाता है, वह लंबे समय तक दिमाग में याद भी रहता है। कम समय में ध्यान लगाकर पढ़ने से बच्चे को थकान भी कम होती है और पढ़ाई का प्रेशर भी कम होता है।

आत्मविश्वास बनाए रखना है बहुत जरूरी

हर मोड़ पर बच्चे का आत्मविश्वास बना रहना सबसे जरूरी है। परीक्षा नजदीक आते ही कई बच्चे घबरा जाते हैं और अपनी तैयारी पर शक करने लगते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का भरोसा और उनके पॉजिटिव वर्ड्स, बच्चों का आत्मविश्वास बनाए रखने में मदद करते हैं। और जब बच्चों में भरपूर आत्मविश्वास होता है तो वो परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

फिजिकल और मेंटल हेल्थ का ध्यान

पेरेंटिंग कोच का कहना है कि अच्छी सेहत के बिना कोई भी बच्चा अपना बेस्ट नहीं दे सकता। परीक्षा के दिनों में नींद पूरी होना, पौष्टिक खाना, हल्का व्यायाम और थोड़ा आराम बहुत जरूरी है। जब शरीर और मन दोनों ठीक हों, तब बच्चा तेजी से समझ पाता है और पढ़ी हुई चीजें अच्छी तरह याद रहती हैं। एक बैलेंस रूटीन से बच्चे के सीखने की कैपेसिटी भी बढ़ती है।

डाउट तुरंत पूछने की आदत डालें

पुष्पा शर्मा बताती हैं कि बच्चे अक्सर अपने सवालों को मन में दबाकर रखते हैं, जिससे बाद में समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में वो पैरेंट्स को सलाह देती हैं कि बच्चों को खुलकर पूछने के लिए मोटिवेट करें। जितना जल्दी बच्चा अपना डाउट क्लियर करेगा, उतना आसान उसकी आगे की तैयारी होगी। यह आदत उसे पढ़ाई में तेज और आत्मविश्वासी बनाती है।

परिणाम की चिंता छोड़कर तैयारी पर भरोसा

कोच कहती हैं कि रिजल्ट की चिंता करने से बच्चा पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाता। पेरेंट्स को यह बात बच्चों में भरोसे के साथ समझनी चाहिए कि उन्होंने जो पढ़ा है, वह काफी है। जब बच्चा परिणाम की जगह अपनी मेहनत पर भरोसा करना सीखता है, तो उसका प्रदर्शन नेचुरली बेहतर हो जाता है।

प्रेशर कम होने पर ही पढ़ाई में मन लगता है

पढ़ाई तभी सही तरीके से होती है जब बच्चा मानसिक दबाव में ना हो। पैरेंट्स को चाहिए कि घर का माहौल हल्का रखें और बच्चों को यह महसूस कराएं कि आपका प्यार और भरोसा उनके साथ है। जब बच्चा बिना डर और तनाव के बैठता है, तो उसकी याद रखने की क्षमता बढ़ती है और पढ़ाई आसान लगने लगती है।

शिशु को जल्दी डकार कैसे दिलाएं? नए माता-पिता के लिए आसान और असरदार टिप्स

शिशु को समय पर डकार दिलाना उसके पाचन और गैस की समस्या से राहत के लिए जरूरी है। सही पोजिशन, हल्का सहारा और कुछ आसान तकनीकें अपनाकर आप अपने बच्चे को जल्दी और आराम से डकार दिला सकते हैं।

नवजात शिशुओं के लिए डकार लेना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि फीडिंग के दौरान वे दूध के साथ हवा भी निगल लेते हैं। यही हवा पेट में रुककर गैस, असहजता, रोना और उलझन पैदा कर सकती है। कई बार बच्चे सो भी नहीं पाते क्योंकि अटकी हुई गैस उन्हें परेशान करती रहती है। इसलिए शिशु को जल्दी और सुरक्षित तरीके से डकार दिलाना हर माता-पिता के लिए जरूरी कौशल है। सही तकनीक और थोड़ी प्रैक्टिस के साथ यह प्रक्रिया आसान और तनावमुक्त हो सकती है। नीचे दिए गए टिप्स आपके बच्चे को जल्दी डकार दिलाने में काफी मदद करेंगे।

कंधे पर रखना: बच्चे को अपने कंधे पर हल्का उठाकर रखें जिससे उसका सिर आपके कंधे पर टिके। यह पोजिशन हवा को ऊपर लाने में सबसे प्रभावी मानी जाती है।

गोद में सीधा बैठाना: बच्चे को गोद में बैठाकर उसकी ठुड्डी को अपनी हथेली का सहारा दें, फिर पीठ को हल्के से रगड़ें। यह पोजिशन छोटे शिशुओं के लिए सुरक्षित है।

गोद में पेट के बल लिटाना: बच्चे को पेट के बल अपनी जांघ पर लिटाएं और उसकी पीठ पर हल्का मसाज करें। यह फँसी हुई गैस को नीचे से ऊपर लाने में तेजी से मदद करता है।

2. धीमी, रिदमिक थपकी दें

शिशु की पीठ पर तेज या जोरदार थपकी देना गलत है। हल्का, एक समान रिदम में थपकी देने से गैस धीरे-धीरे ऊपर उठती है।

गोलाकार गति में रगड़ना भी बहुत प्रभावी है।

ध्यान रहे, थपकी पूरे पीठ क्षेत्र में हो, सिर्फ एक जगह पर नहीं।

3. फीडिंग के दौरान छोटे ब्रेक लें

शिशु लगातार फीड के दौरान हवा निगल लेता है।

हर 5-7 मिनट बाद 20-30 सेकंड का ब्रेक लेकर डकार दिलाने की कोशिश करें।

इससे पेट में हवा कम जाएगी और बाद में डकार जल्दी आएगी। यह तकनीक खासकर बोतल से दूध पीने वाले बच्चों के लिए बहुत जरूरी है।

4. फीड के बाद बच्चे को अप राइट रखें

फीडिंग के तुरंत बाद बच्चे को लिटाना ठीक नहीं। 10-15 मिनट तक बच्चे को सीधा पकड़े रहने से हवा ऊपर आने में आसानी होती है।

यह स्थिति रिफ्लक्स और उल्टी के खतरे को भी कम करती है।

5. ओवरफीडिंग से बचें

बहुत भरा हुआ पेट डकार आने में रुकावट बनता है।

ओवरफीडिंग से हवा बाहर निकलने में मुश्किल होती है और बच्चा ज्यादा रोने लगता है।

छोटे-छोटे अंतराल में फीड देने से पाचन सुचारू रहता है और डकार जल्दी आती है।

6. शांत माहौल में फीड दें

रोते हुए या हिलते-डुलते हुए शिशु को फीड देने से वह हवा ज्यादा निगलता है।

शांत वातावरण में फीड देने से शिशु आराम से दूध पीता है और हवा कम निगलता है। इससे बाद में डकार दिलाना बेहद आसान हो जाता है।

संक्षिप्त समाचार

हम तो भारत को छोड़ पाकिस्तान के साथ आ जाएंगे, मगर ये दो देश...;

ढाका, एजेंसी। दक्षिण एशियाई देशों के संगठन सार्क की 2014 के बाद से ही कोई मीटिंग नहीं हुई है। इस बीच बीते 11 सालों में काफी कुछ बदल गया है। बांग्लादेश में पिछले साल तख्तापलट हो गया था और तब से ही पूर्व पीएम शेख हसीना भारत में शरण लेकर रह रही हैं। 1971 में जिस बांग्लादेश के गठन में भारत ने योगदान दिया था। वहां अब कट्टरपंथियों के समर्थन वाले मोहम्मद यूनुस की सत्ता है और वह भारत से ज्यादा पाकिस्तान के करीब जाते दिख रहे हैं। यहां तक कि भारत से अलग सार्क जैसे एक नया संगठन भी बांग्लादेश और पाकिस्तान मिलकर खड़ा करना चाहते हैं। इनकी तैयारी है कि इसमें भारत की बजाय चीन को शामिल कर लिया जाए। इससे भारत को घेरने में मदद मिलेगी। इसके अलावा चीन को साथ लेकर ताकत भी बढ़ाई जा सकेगी। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक अहमद डार ऐसी ही बात कह चुके हैं। इसके अलावा बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी संगबाद संस्था ने विदेश सलाहकार मोहम्मद तोहिद हुसैन के हवाले से लिखा है कि हमारे लिए यह संभव है कि हम पाकिस्तान के साथ चले जाएं। लेकिन नेपाल और भूटान जैसे देशों के लिए यह संभव नहीं है कि वे भारत को छोड़कर पाकिस्तान के साथ आ जाएं। बांग्लादेश के सलाहकार का यह बयान इशाक डार की टिप्पणी के बाद आया है इशाक डार ने कहा था कि बांग्लादेश, चीन के साथ मिलकर हम एक त्रिपक्षीय सहयोग शुरू कर रहे हैं। इसमें भविष्य में कुछ और देशों को भी शामिल किया जा सकता है। बांग्लादेशी एजेंसी के अनुसार हुसैन ने कहा कि डार ने एक बात कही है और भविष्य में हम लोग उस पर आगे बढ़ते हुए दिखेंगे। बता दें कि अगस्त में ही इशाक अहमद डार ने बांग्लादेश का दौरा किया था। 13 सालों के बाद ऐसा मौका था, जब किसी पाकिस्तानी नेता ने बांग्लादेश का दौरा किया था। इसके अलावा पिछले कुछ महीनों में दो बार मोहम्मद यूनुस और शहबाज शरीफ की भी मुलाकात हो चुकी है। दरअसल शेख हसीना की सत्ता से विदाई के बाद से ही बांग्लादेश के तेवर बदले हुए हैं।

सैनिकों का वेतन बढ़ाने और हथियार खरीद प्रक्रिया बदलने का प्रावधान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा ने एक अहम रक्षा नीति विधेयक को पारित किया। इस विधेयक में 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने की बात कही गई है। इसमें सैनिकों की तनख्वाह बढ़ाने और रक्षा मंत्रालय द्वारा हथियारों की खरीद के तरीके में सुधार करने का प्रावधान शामिल है। यह बिल ऐसे समय में आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस (संसद) और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच सैन्य प्रबंधन को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। इस विधेयक का नाम 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' (एनडीएए) है। इस विधेयक को दोनों राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है और व्हाइट हाउस ने भी यह कहते हुए इसका मजबूती से समर्थन किया है कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है। फिर भी इस तीन हजार से अधिक पन्नों वाले विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं, जो रक्षा मंत्रालय पर नियंत्रण बढ़ाने के उद्देश्य से हैं। इनमें कैरिबिया में नावों पर हमलों पर अधिक जानकारी मांग, यूरोप में यूक्रेन जैसे सहयोगियों को समर्थन देने जैसे प्रावधान भी हैं। इस विधेयक में अधिकांश सैन्य कर्मियों के वेतन में 3.8 फीसदी की वृद्धि और सैन्य ठिकानों पर रहने और सुविधाओं में सुधार करने और राजनीतिक दलों के बीच समझाते का प्रावधान भी है।

5 साल की सोशल मीडिया हिस्ट्री दिखाओ तभी मिलेगा यूएस वीज़ा!

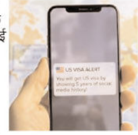

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूएसए जाने का प्लान बनाने वालों के लिए एक बड़ी और जरुरी खबर सामने आई है। अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने एक ऐसा नया प्रस्ताव पेश किया है, जो आपकी यात्रा को प्रभावित कर सकता है। इस प्रस्ताव के तहत वीज़ा वेवर प्रोग्राम में शामिल 42 देशों के नागरिकों को अमेरिका में प्रवेश के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम फॉर ट्रैवल अथॉराइजेशन आवेदन में अब अनिवार्य रूप से अपनी पिछले 5 साल की सोशल मीडिया हिस्ट्री देनी होगी। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने इस प्रस्ताव की मुख्य वजह राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना बताया है। विभाग का मानना है कि सोशल मीडिया हिस्ट्री की जाँच से यह पता लगाया जा सकेगा कि क्या कोई व्यक्ति अमेरिका के लिए संभावित खतरा बन सकता है या नहीं। यह प्रस्ताव % संघीय रजिस्टर में प्रकाशित हो चुका है और इस पर सार्वजनिक टिप्पणियाँ देने के लिए 9 फरवरी 2026 तक का समय दिया गया है। यह बदलाव लागू होने पर यात्रियों को आवेदन में कई संवेदनशील जानकारियाँ साझा करनी होंगी। अब सोशल मीडिया जानकारी देने को आप अनदेखा नहीं कर सकते, ऐसा करने पर आवेदन रिजेक्ट भी हो सकता है।

ताइवान को लेकर युद्ध हुआ तो अमेरिका को कुचल देगा चीन

पेंटागन के टॉप सीक्रेट ने किया खुलासा

ताइपे, एजेंसी। एक टॉप-सीक्रेट अमेरिकी सरकारी दस्तावेज ने एक बड़ा खुलासा किया है, जिससे अमेरिका की परेशानी बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच सैन्य संघर्ष की नौबत आती है तो अमेरिका को इसमें करारी हार का सामना करना पड़ेगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेज के हवाले से कई राज खोले हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ताइवान को लेकर अगर चीन अमेरिका के बीच लड़ाकू विमानों, बड़े युद्धपोतों और सैन्य उपग्रहों की मदद से संघर्ष होते हैं तो चीन भारी साबित होगा। ड्रैगन आसानी से दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के हथियारों को नष्ट कर सकता है। इस दस्तावेज को ओवरमैच ब्रीफ का नाम दिया गया है, जिसे पेंटागन के ऑफिस ऑफ नेट असेसमेंट ने तैयार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका महंगे और हमलों के प्रति अधिक संवेदनशील हथियारों पर निर्भर है, जबकि चीन सस्ते लेकिन तकनीकी रूप से अत्याधुनिक हथियारों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यह खुलासा ऐसे समय आया है जब चीन ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि वह ताइवान मुद्दे में किसी भी विदेशी हस्तक्षेप को कुचल देगा। जापान द्वारा ताइवान के पास एक द्वीप पर मिसाइलें लगाने की योजना का जिक्र होने पर चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता पेंग किंगएन ने कहा, राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए हमारे पास मजबूत इच्छा, दृढ़ संकल्प और सशक्त क्षमता है। हम किसी भी विदेशी हस्तक्षेप को पूरी तरह कुचल देंगे।

एनवाईटी की रिपोर्ट के अनुसार, ओवरमैच ब्रीफ में चीन की वे क्षमता विस्तार से बताई गई हैं जिनसे वह अमेरिकी लड़ाकू विमान, बड़े युद्धपोत और सैन्य उपग्रहों को निशाना बना सकता है। दस्तावेज में यह भी बताया गया है कि अमेरिकी सैन्य ढांचे में सप्लाई चेन की कमजोरियां कितनी गंभीर हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2021 में बाइडेन प्रशासन के दौरान जब एक सुरक्षा अधिकारी ने यह रिपोर्ट देखी तो वह हैरान रह गया। उसे इस बात का एहसास हुआ कि अमेरिका के पास जो भी रणनीतिक तरकीबें थीं, चीन के पास उनके लिए कई-कई बैकअप मौजूद थे।

पाकिस्तान में तुर्की की ड्रोन यूनिट शुरू

● अब बना रहा है बायराकटार-लेवल के कॉम्बैट ड्रोन

इस्लामाबाद , एजेंसी।

दक्षिण एशिया में हथियारों की होड़ एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। तुर्की अब सिर्फ पाकिस्तान को ड्रोन बेचने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसने पाकिस्तान में ही एक ड्रोन असेंबली और निर्माण सुविधा स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत-पाकिस्तान के बीच मई में हुआ संघर्ष विराम टूटने के बाद दोनों देशों के संबंध और भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस फैसले का प्रभाव सीधे भारत की सुरक्षा पर पड़ सकता है।

तुर्की की यह सुविधा पाकिस्तान में स्टील्थ तकनीक वाले, लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले कॉम्बैट-[illegible] तैयार करेगी। यानी अब आधुनिक युद्धक ड्रोन पाकिस्तान में ही जमीन पर बनाए जाएंगे, वह भी भारत की सीमा से ज्यादा दूर नहीं। इससे पाकिस्तान को ऐसी तकनीक मिल जाएगी, जिसे अब तक अमेरिका या पश्चिमी देशों के नियंत्रण और अनुमति के बिना हासिल करना मुश्किल था।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन पिछले कुछ वर्षों में तेजी से अपना रक्षा नेटवर्क विस्तार कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में तुर्की के रक्षा निर्यात 30 प्रतिशत बढ़कर 7.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुके हैं। एर्दोआन अब मुस्लिम देशों और गैर-पश्चिमी राष्ट्रों के बीच ऐसा रक्षा आपूर्ति तंत्र बना रहे हैं, जो पूरी तरह पश्चिमी हथियार कंपनियों और उनके राजनीतिक दबाव से मुक्त हो। इस साझेदारी से पाकिस्तान को न सिर्फ उन्नत तकनीक वाले [illegible] स्तर के ड्रोन मिलेंगे, बल्कि उन्हें बनाने की क्षमता भी मिलेगी। पाकिस्तान को इससे ऐसी रक्षा दावेदारी हासिल होगी, जो उसे पश्चिमी देशों के किसी निरीक्षण, मंजूरी या प्रतिबंध के दबाव से बाहर रखेगी। वहीं तुर्की को एक नया रणनीतिक फायदा मिलेगा। वह पाकिस्तान को दक्षिण एशिया में अपना उत्पादन केंद्र बनाकर लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर के क्षेत्रीय हथियार बाजार में प्रवेश कर सकेगा। यह पूरा घटनाक्रम भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय बन सकता है। पाकिस्तान अपनी ड्रोन क्षमता को तेजी से बढ़ाएगा और भारत इस तकनीक पर कोई सीधा प्रतिबंध या रोक नहीं लगा सकता। इससे सीमा सुरक्षा और भारत की मौजूदा काउंटर-ड्रोन रणनीति पर पुनर्विचार की जरूरत पड़ेगी। विशेषज्ञों की मानें तो भारत अब अपने स्वदेशी ड्रोन्स के विकास में तेजी लाएगा, साथ ही अमेरिका और इज़राइल के साथ रक्षा साझेदारी को भी और मजबूत करेगा। इस बीच, चीन भी इस नए समीकरण से असहज है। पाकिस्तान लंबे समय से चीन के हथियारों पर निर्भर रहा है, लेकिन तुर्की की इस एंट्री से बीजिंग के पारंपरिक बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी। तुर्की पहले ही इंडोनेशिया को लड़ाकू विमान बेच चुका है और सऊदी अरब से लेकर सीरिया तक कई देश तुर्की के हथियारों की लाइन में खड़े हैं। अब पाकिस्तान तुर्की की दक्षिण एशिया रणनीति का प्रमुख केंद्र बन सकता है, जो आगे चलकर अफगानिस्तान, मध्य एशियाई देशों और संभवतः ईरान को भी ड्रोन सप्लाई कर सकता है। कुल मिलाकर, पाकिस्तान ने तुर्की की मदद से अपनी ड्रोन कमजोरी को दूर कर लिया है। भारत के लिए यह एक नई सुरक्षा चुनौती है, क्योंकि दक्षिण एशिया में अब एक मल्टीपोलर (बहुध्रुवीय) हथियारों की दौड़ शुरू हो चुकी है–जहां न कोई पश्चिमी बिचौलिया है और न कोई राजनीतिक शर्त।

चुनाव को लेकर ट्रंप ने फिर से जेलेंस्की को लताड़ा

कीव, एजेंसी।

रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति समझौते पर जेलेंस्की की असहमति के बाद ट्रंप ने एक बार फिर से कीव में चुनाव का मुद्दा उठाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि जेलेंस्की पद पर बने रहने के लिए युद्ध का बहाना बना रहे हैं... जेलेंस्की को युद्ध को लेकर यथार्थवादी होना होगा और सोचना होगा कि वह अगला चुनाव कब करवा रहे हैं। इससे पहले ट्रंप के इसी तरह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जेलेंस्की ने कहा था कि यदि सहयोगी देश युद्धकाल में सुरक्षित मतदान की गारंटी दें और यदि यूक्रेन के चुनावी कानून में संशोधन किया जा सके तो यूक्रेन तीन महीने के भीतर चुनाव करा सकता है।

ट्रंप ने मीडिया से बात करते जेलेंस्की के ऊपर सत्ता से चिपके रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'वहाँ लंबे समय से चुनाव नहीं हुए हैं। आप जानते हैं, वे लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन एक समय ऐसा आता है जब यह लोकतंत्र नहीं रह जाता।' इस पर जेलेंस्की ने कहा ने कहा कि वह चुनाव के लिए तैयार हैं। लेकिन मतदान के लिए उन्हें यूरोप और अमेरिका की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन सुरक्षित होता है तो वह 60 से 90 दिनों के भीतर मतदान कराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'चुनाव कराने के लिए दो मुद्दों पर ध्यान देना आवश्यक है जिनमें पहला है सुरक्षा- चुनाव कैसे कराए जाएं, हमलों और मिसाइल हमलों के बीच चुनाव कैसे कराए जाएं और दूसरा, हमारी सेना से संबंधित प्रश्न- वे कैसे मतदान करेंगे। और दूसरा मुद्दा चुनावों की वैधता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक

विधायी ढांचा है।''

जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के सांसदों से ऐसे विधायी प्रस्ताव तैयार करने को कहा है जो यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू होने के दौरान चुनाव कराने की अनुमति देने वाला हो।

आपको बता दें, जेलेंस्की का कार्यकाल 2019 से शुरू हुआ था, जो कि अब समाप्त हो चुका है। हालांकि, युद्ध के चलते उनके कार्यकाल को लगातार बढ़ाया जाता रहा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी जेलेंस्की के कार्यकाल संबंधी इस मुद्दे को कई बार उठा चुके हैं। उनका कहना है कि जेलेंस्की का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। इसलिए वह किसी भी तरह से शांति समझौते पर यूक्रेन की तरफ से हस्ताक्षर करने केलिए वैध उम्मीदवार नहीं है। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बात करें तो जेलेंस्की को लेकर उनका व्यवहार यूक्रेनी राष्ट्रपति की प्रतिक्रिया को लेकर निर्भर करता है। जब वह उनकी प्रतिक्रिया से खुश होते हैं, तो उन्हें एक बेहतर नेता बताते हैं और जब खुश नहीं होते तो तानाशाह तक करार दे देते हैं। हाल ही में ट्रंप जेलेंस्की से इसलिए नाराज माने जा रहे हैं क्योंकि यूक्रेनी राष्ट्रपति ने युद्ध को समाप्त करने के लिए ट्रंप द्वारा सुझाए गए प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया है।

बात का बतंगड़ ना बनाए जापान, रूस को लेकर चीन देने लगा नसीहत

बीजिंग, एजेंसी। चीन और रूस द्वारा की गई पेट्रोलिंग पर जापान के रिएक्शन पर अब ड्रैगन ने नई नसीहत दी है। चीनी विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि टोक्यो को चीन और रूस की सेनाओं द्वारा की गई इस पेट्रोलिंग से परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह उनके वार्षिक साझा कार्यक्रम का हिस्सा है। गौरतलब है कि चीन और रूस की साझा पेट्रोलिंग के बाद जापान ने भी गुरुवार को इस बात की घोषणा की थी कि उसने अमेरिका के साथ मिलकर एक संयुक्त हवाई अभ्यास किया है। जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद चीन और जापान के बीच कूटनीतिक तनाव अपने चरम पर है।

रूस और चीन द्वारा की गई इस पेट्रोलिंग पर चिंता जाहिर करते हुए जापान के संयुक्त चीफ्स ऑफ डिफेंस स्टाफ ने बुधवार को कहा कि इससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बढ़ता है। जापान ने आरोप लगाया कि एक दिन पहले दो रूसी टीयू-95 परमाणु क्षमता वाले बॉम्बर जापान सागर से उड़कर दो चीनी एच-6 बॉम्बर्स से पूर्वी चीन सागर में मिले और फिर दोनों देशों ने जापान के चारों ओर संयुक्त उड़ान भरी। जापान की तरफ से कहा गया कि इसी तनाव को कम करने के लिए जापानी सेना ने भी अमेरिकी सेना के साथ एक संयुक्त अभ्यास किया है। इससे पहले भी जापान द्वारा चीन के ऊपर आरोप लगाया गया था कि बीजिंग ने इंटरनेशनल वॉटर्स में दो बार जापानी फाइटर जेट्स को रडॉर लॉक कर दिया था। इसके बाद उसे अपने जहाजों को स्क्रैंबल (तेजी से उड़ान भरकर खतरे की जांच करने) का आदेश देना पड़ा। इसके बाद जापान ने चीनी राजदूत को तलब किया। हालांकि, इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने अपने-अपने तरीकों से बयान जारी किया। चीन की तरफ से कहा गया कि जापानी जहाजों ने बिना अनुमति के चीनी क्षेत्र में प्रवेश करके जासूसी करने की कोशिश की थी, इसके बाद तनाव पैदा हुआ।

जापान और चीन के बीच में वैसे तो विवाद काफी पुराना है लेकिन हाल ही में जापान की नई नवेली प्रधानमंत्री तकाइची के एक बयान के बाद विवाद बढ़ गया है। दरअसल, उन्होंने खुले तौर पर ताइवान की तरफदारी करते हुए कहा कि अगर चीन ताइवान की और सैन्य खतरा पैदा करता है या सैन्य कार्रवाई करने की कोशिश करता है तो जापान इसमें हस्तक्षेप करेगा। ताइवान को अपना अभिन्न अंग मानने वाले बीजिंग ने इस बयान के प्रति कड़ी प्रतिक्रिया जताई।

खैबर पख्तूनख्वा की विधानसभा में आसिम मुनीर के नाम पर बवाल

पेशावर , एजेंसी। पाकिस्तान में आसिम मुनीर को भारत के ऑपरेशन सिंदूर में मात खाने के बाद फील्ड मार्शल बनाया गया है। इसके अलावा चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का दर्जा भी संविधान संशोधन करके मिला है। जानकार मानते हैं कि पाकिस्तान ने ऐसा इसलिए किया है ताकि भारत से मिली हार को छिपाया जा सके और जनता में गलत जानकारी देकर ही सही, सेना और सरकार का भरोसा कायम रहे। फिर भी इमरान खान के नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टी पीटीआई से सेना की अदावत जारी है। यहां तक कि गुरुवार को तो खैबर पख्तूनख्वा की विधानसभा में आसिम मुनीर के पोस्टर लहराए जाने पर विवाद छिड़ गया।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की ओर से इमरान खान और खैबर के सीएम सोहैल आफरीदी के खिलाफ बयान देने पर भी विवाद मचा है। सदन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की महिला विधायक सोबिया शाहिद ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पोस्टर लहराए। इस पर स्पीकर सुरैया बीबी ने मार्शलों को आदेश दिया कि वे आसिम मुनीर के पोस्टरों को हटाएं। इसके अलावा उन्होंने पीएमएल-एन की विधायक से भी कहा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सेना का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका आपकी पार्टी से कोई ताल्लुक नहीं है। उन्होंने कहा कि आप अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात करें। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की तस्वीरें लहराने का क्या मतलब है। देश में गंभीर समस्याएं हैं। गरीबी, आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता है। इसके बाद भी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी पीटीआई नेतृत्व के खिलाफ बयान देते हैं। विशेष तौर पर इमरान खान और सीएम सोहैल आफरीदी के खिलाफ उन्होंने जो बोला है, उससे खैबर पख्तूनख्वा के लोगों में गुस्सा है। पीटीआई के विधायक हुमायूं खान ने कहा कि आखिर सेना के लोगों को राजनीतिक मसले में बोलने की क्या जरूरत है।

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग के बाजार में जोरदार धमाकों से लगी आग

मास्को, एजेंसी।

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। शहर के सबसे बड़े बाजारों में से एक में बुधवार शाम तेज धमाकों के बाद भीषण आग लग गई। आग लगते ही पूरे मार्केट कॉम्प्लेक्स में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंचीं।

रूसी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आग लगने से पहले बाजार क्षेत्र में एक के बाद एक कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इसके तुरंत बाद आग ने पूरे कॉम्प्लेक्स को अपनी चपेट में ले लिया। आग की तीव्रता को देखते हुए दमकल विभाग ने बड़ी संख्या में जवान और उपकरण मौके पर भेजे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में बाजार में तेज़ी से फैलती आग को साफ देखा जा सकता है। ऊंची लपटें और घना काला धुआं रात के अंधेरे में दूर तक फैलता दिखाई दिया, जिससे स्थानीय लोग दहशत में आ गए। रूसी आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी, उसमें अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री मौजूद थी, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों की जानकारी नहीं मिल सकी है। नेवस्की जिले के अभियोजक कार्यालय ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि आग पर काबू पाने के लिए 96 दमकलकर्मी और 26 फायरफाइटिंग उपकरण तैनात किए गए। शुरुआती रिपोर्टों में 1 व्यक्ति के घायल होने और 1 की मौत की पुष्टि हुई है।

अस्पताल पर हुआ हवाई हमला, 30 की मौत, 70 घायल

यांगून, एजेंसी।

म्यांमार इन दिनों गंभीर गृहयुद्ध की आग में झुलस रहा है। 10 दिसंबर की रात राखाइन प्रांत के एक अस्पताल पर एयर-स्ट्राइक हुआ, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और लगभग 70 लोग घायल हुए। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि इस अस्पताल में विद्रोही समूह अराकन आर्मी के लड़के इलाज करा रहे थे या छिपे हुए थे। हालांकि, म्यांमार की सेना और सरकार की तरफ से इस हमले को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

म्यांमार में वर्तमान संघर्ष की जड़ें 1 फरवरी 2021 तक जाती हैं। उस दिन म्यांमार की सेना (तत्मादाव) ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंका। आंग सान सू ची की पार्टी

नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी ने 2020 के चुनावों में भारी बहुमत हासिल किया था। सेना ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए सत्ता हथिया ली। इस तख्तापलट के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, लेकिन सेना ने इन्हें हिंसक रूप से दबा दिया। विरोध के बाद नए सशस्त्र समूहों का गठन हुआ। इनमें प्रमुख है पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ), जो नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट (एनयूजी) की सशस्त्र शाखा है। इसके अलावा, देश के कई जातीय सशस्त्र संगठन भी लंबे समय से स्वशासन और अधिकारों की मांग कर रहे हैं, जैसे करेन नेशनल यूनियन और काचिन इंडिपेंडेंस ऑर्गनाइजेशन। विद्रोही समूहों ने 2024 तक देश के लगभग 40-50त्न इलाकों पर नियंत्रण कर लिया था। खासकर सीमावर्ती क्षेत्र जैसे शान स्टेट और राखाइन स्टेट में उनका दबदबा मजबूत था। लेकिन 2025 में सेना ने बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। हालांकि, बड़े शहर जैसे यांगून पर सेना का नियंत्रण अभी भी कायम है।

आईपीएल 2026 की नीलामी में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

बनाए हैं करीब 10 हजार रन 705 विकेट भी हैं चटकाए

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के लिए मिनी नीलामी का आयोजन 16 दिसंबर को दुबई में किया जाएगा। इस नीलामी में कई स्टार खिलाड़ियों की बोली लगेगी, लेकिन इस बार कौन खिलाड़ी ऐसा होगा जो सबसे उम्रदराज होगा यानी आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी वो कौन खिलाड़ी शामिल होगा जिसकी उम्र सबसे ज्यादा होगी उनके बारे में जानते हैं।

जलज सक्सेना होंगे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी- इस आईपीएल नीलामी में हिस्सा लेने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी जलज सक्सेना होंगे जो 15 दिसंबर को 39 साल के हो जाएंगे। मध्यप्रदेश का ये ऑलराउंडर मुंबई इंडियंस, और पंजाब किंग्स जैसी टीमों के लिए खेल

चुका है। जलज को आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन चैंपियंस लीग 2014 में उन्होंने मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया था। वहीं साल 2021 में उन्होंने आईपीएल डेब्यू किया था।

शुभमन गिल नंबर 1, यशस्वी-पंत से आगे जडेजा; 2025 में भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बैटर- जलज सक्सेना को आईपीएल में अपना टैलेंट दिखाने का ज्यादा मौका नहीं मिला है, लेकिन घरेलू क्रिकेट में वो कमाल के परफॉर्मर रहे हैं जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल किया है। जलज ने अब तक 79 टी20 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 709 रन बनाए हैं और 86 विकेट भी लिए हैं। बल्लेबाजी में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 55 रन रहा है जबकि गेंदबाजी में उनका बेस्ट प्रदर्शन 16 रन देकर 5 विकेट रहा है।

जलज ने बनाए हैं 9967 रन, लिए हैं 705 विकेट- जलज के ओवरऑल क्रिकेट करियर का बात करें तो उन्होंने फर्ल्स क्लास, लिस्ट ए और टी20 प्रारूप को मिलाकर कुल 9967 रन बनाए हैं जबकि इन तीनों प्रारूप में उन्होंने अपने करियर में कुल 705 विकेट भी लिए हैं। जलज सक्सेना एक शानदार ऑलराउंडर हैं, लेकिन उन्हें कभी भी भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। हालांकि वो घरेलू स्तर पर अभी भी पूरी तरह से एक्टिव हैं और लगातार खेल रहे हैं।

फुटबॉल

चैंपियंस लीग में 16 वर्षीय सैल्मन का डेब्यू

रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ी रेफरी से बदसलूकी पर निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय फुटबॉल में इस हफ्ते दो विपरीत तस्वीरें सामने आईं। एक ओर 16 साल के मार्ली सैल्मन ने चैंपियंस लीग में आर्सेनल की ओर से डेब्यू कर इतिहास रचा, वहीं दूसरी ओर रियल मैड्रिड के तीन खिलाड़ियों को रेफरी के प्रति अनुचित व्यवहार के कारण दो मैचों के निलंबन का सामना करना पड़ा।

आर्सेनल के 16 वर्षीय डिफेंडर मार्ली सैल्मन का रिकॉर्ड डेब्यू- लंदन में क्लब ब्रुग के खिलाफ खेले गए मैच में आर्सेनल ने 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में एक खास पल तब आया जब मार्ली सैल्मन, जिनकी उम्र सिर्फ 16 साल 103 दिन है, को कोच मिकेल आर्टेटा ने अंतिम मिनटों में मैदान पर उतारा। जैन ब्राइडलस्टेडियन में हुए इस मैच ने सैल्मन को चैंपियंस लीग इतिहास के छठे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में दर्ज कर दिया। आर्टेटा ने मैच के बाद कहा, 'हमें पता था कि किसी न किसी दिन हमें उसे मौका देना होगा। वह अभी सिर्फ 16 साल का है और चैंपियंस लीग में खेलना कोई छोटी बात नहीं।'

आर्सेनल की इस सीजन में यह सबसे कम उम्र का डेब्यू भी नहीं है। इससे पहले मैक्स डॉमन, उम्र 15 साल 308 दिन, स्लाविया प्राग के खिलाफ मैदान पर उतरकर रिकॉर्ड बना चुके हैं। श्वस्त्र के मुताबिक, जैक विल्शर और डॉमन के बाद, सैल्मन आर्सेनल के तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें 16 वर्ष या उससे कम उम्र में चैंपियंस लीग में मैदान पर उतारा गया है। क्लब का कहना है कि नंबर 89 जर्सी पहनने वाला यह डिफेंडर एक बेहतरीन बॉल-प्लेइंग सेंटर-बैक है और उसने अंडर-11 टीम से शुरुआत की थी। खास बात यह है कि सैल्मन ने अभी तक आर्सेनल के लिए कोई सीनियर घरेलू लीग या कप मैच नहीं खेला है। उनका टॉप-टियर डेब्यू अंडर-21 फुटबॉल लीग ट्रॉफी के मुकाबले से पहले ही चैंपियंस लीग के मंच पर हो गया।

भारत के 5 ऐसे कप्तान जो कभी नहीं हारे टी20 इंटरनेशनल

ऋतुराज भी ऐतिहासिक लिस्ट का हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के लिए अभी तक 2006 से 2025 तक कुल 14 खिलाड़ी टी20 इंटरनेशनल में कप्तानी कर चुके हैं। इसमें से सिर्फ पांच ऐसे कप्तान रहे हैं जिनकी कप्तानी में टीम इंडिया एक भी टी20 इंटरनेशनल नहीं हारी। इस लिस्ट में कई क्रिकेट फैंस ऋतुराज गायकवाड़ का नाम देख हैरान हो सकते हैं। क्योंकि उनकी जगह टी20 इंटरनेशनल टीम में कभी पक्की ही नहीं रही और सिर्फ 23 मुकाबले वह खेले हैं। ऋतुराज गायकवाड़ के अलावा 4 और ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने एक भी टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं गंवाया। हालांकि, मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड भी शानदार है और उनकी कप्तानी में भारत एक भी टी20 सीरीज नहीं हारा है, लेकिन मैच वह भी बतौर कप्तान 5 हार चुके हैं।

पांच भारतीय कप्तान जो कभी नहीं हारे टी20

1. **ऋतुराज गायकवाड़-** भारत के लिए 23 टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले ऋतुराज गायकवाड़ ने 2023 एशियन गेम्स में टीम इंडिया की कमान संभाली थी। उनकी कप्तानी में भारत ने तीन में से दो मैच जीते थे और एक बेनतीजा रहा था। इस इवेंट में भारतीय क्रिकेट टीम ने गोल्ड मेडल भी जीता था।
2. **सुरेश रैना-** मिस्टर आईपीएल सुरेश रैना ने 2010-11 में भारत के लिए तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों में कप्तानी की थी। उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने सभी मुकाबले जीते थे। बतौर कप्तान उनका रिकॉर्ड जितना बेहतरीन है, उतना बतौर प्लेयर भी था। उन्होंने 66 टी20 इंटरनेशनल पारियों में 1605 रन एक शतक और 5 अर्धशतक के साथ बनाए थे।
3. **केएल राहुल-** भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपनी कप्तानी में हाल ही में वनडे सीरीज जिताने वाले केएल राहुल ने टी20 इंटरनेशनल में भी एक बार भारत की कमान 2022 में संभाली थी। उन्होंने बतौर कप्तान एक टी20 पारी में 62 रन भी बनाए थे। उस मैच में भारत को जीत मिली थी।
4. **वीरेंद्र सहवाग-** भारत के दिग्गज बल्लेबाज और 19 टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले वीरेंद्र सहवाग ने भी भारत की कप्तानी टी20 इंटरनेशनल में की है। हालांकि, उन्होंने बतौर भारतीय कप्तान एक ही मैच टी20 में खेला, लेकिन उस मैच में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की।
5. **जसप्रीत बुमराह-** भारतीय टीम के धाकड़ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी टीम इंडिया की कमान टी20 इंटरनेशनल में संभाली है। उनकी कप्तानी में भारत ने दो टी20 इंटरनेशनल खेले और दोनों में ही टीम को जीत मिली।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप

मां के गहने बेचकर खरीदी थी गोलकीपिंग किट, अब जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में चमके दिलराज सिंह

नई दिल्ली। पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी का दामन थामने वाले दिलराज सिंह के दिल को तब ठेस पहुंची जब उन्हें पता चला कि उन्हें गोलकीपिंग किट दिलाने के लिए उनकी मां को अपने गहने बेचने पड़े थे और तभी से उन्होंने ठान ली थी कि खेल के मैदान पर नाम कमाकर परिवार को अच्छे दिन दिखाना है। चेन्नई में जूनियर हॉकी विश्व कप में नौ साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा छह गोल करने वाले दिलराज अपने जन्मदिन पर मिली जीत के बाद भावुक हो गए।

'मां मैच देखने से डरती थी, अरदास करती थी'

दिलराज ने बताया, 'जीत के बाद सबसे पहले मैने मां (रुपिंदर कौर) से बात की। वह काफी भावुक हो गई थीं। वह मेरा मैच नहीं देखती क्योंकि उनको डर लगता है। वह उतने समय अरदास करती रहती हैं।' शुरुआती दिनों में गोलकीपर के तौर पर खेलने वाले पंजाब के इस खिलाड़ी ने बताया कि उनके पिता ठीक नहीं रहते थे और मां ने काफी कठिनाइयां झेलकर उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

मां की कुर्बानी ने दिलराज को बनाया स्टार फॉरवर्ड- दिलराज ने बताया, 'मैंने जब पहली गोलकीपिंग किट ली थी तो मेरी मां को अपने गहने बेचने पड़े थे। उनके और मेरे अलावा किसी को यह नहीं पता था। मुझे फिर बहुत दुख हुआ और मैं बहुत संजीदगी से खेलने लगा क्योंकि मैं जब भी मैदान पर उतरता था तो मेरी मां की कुर्बानियां याद आती थीं। मेरे पापा ठीक नहीं रहते थे तो सब कुछ मां पर ही निर्भर था और उनकी वजह से ही मैं यहां तक पहुंचा।'

टूर्नामेंट में जाने के लिए नहीं होते थे पैसे

दिलराज ने कहा, 'हालात इतने खराब थे कि कई बार मेरे पास टूर्नामेंट में जाने के लिए भी पैसे नहीं होते थे। किसी टूर्नामेंट में इनाम मिल जाता तो काम चल जाता था।' पिछले साल जोहोर कप (तीन गोल) में कांस्य और जूनियर एशिया कप (सात गोल) में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे दिलराज ने कहा कि विश्व कप में मिला पदक इसलिए भी बहुत मायने रखता है क्योंकि इससे भविष्य में उन्हें नौकरी मिलने का मौका बनेगा।

शुभमन गिल नंबर 1 यशस्वी-पंत से आगे जडेजा

2025 में भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बैटर

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल इन दिनों टी20 प्रारूप में रन बनाने के लिए बेशक थोड़ा संघर्ष करते हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन साल 2025 में टेस्ट प्रारूप में उनका बल्ला जमकर बोला। साल 2025 में गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी भी दी गई थी और कप्तान बनने के बाद उनके बल्ले से जमकर रन निकले और वो इस साल क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर भी रहे।

शुभमन गिल रहे टॉप पर

साल 2025 में गिल ने भारत के लिए खेले 9 टेस्ट मैचों की 16 पारियों में 5 शतक लगाए और इन मैचों में उन्होंने 70.21 की औसत के साथ 983 रन ठोक दिए। इस साल टेस्ट में गिल का बेस्ट स्कोर 269 रन रहा जो उनके टेस्ट करियर का भी सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। इस लिस्ट में साल 2025 में दूसरे नंबर पर केएल राहुल रहे जिन्होंने 10 मैचों में 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाए और उन्होंने 19 पारियों में 813 रन बनाए। केएल राहुल का बेस्ट स्कोर 137 रन रहा और उनका औसत 45.16 का रहा।

जडेजा ने मारी बाजी, पीछे रह गए यशस्वी और पंत- साल 2025 में भारत की तरफ से टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर रविंद्र जडेजा रहे जिन्होंने 10 मैचों की 17 पारियों में 764 रन बनाए और 2 शतक के साथ-साथ 6 अर्धशतक भी जड़े। जडेजा का बेस्ट स्कोर इस सीजन में टेस्ट में नाबाद 107 रहा। इस सूची में चौथे नंबर पर यशस्वी जायसवाल रहे जिन्होंने 10 मैचों की 19 पारियों में 745 रन बनाए और 3 शतक के साथ-साथ 3 अर्धशतक भी लगाए। उनकी बेस्ट पारी इस साल 175 रन की रही। भारत की तरफ से टेस्ट में इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पांचवें स्थान पर ऋषभ पंत रहे जिन्होंने 7 टेस्ट मैचों की 13 पारियों में 629 रन बनाए। पंत ने इस साल टेस्ट में 2 शतक के साथ-साथ 3 अर्धशतकीय पारियों भी खेली और उनका औसत इस दौरान 48.38 का रहा। पंत ने इस साल टेस्ट में अपनी बेस्ट पारी 134 रन की खेली और इंग्लैंड दौरे पर वो चोटिल होने के बाद इस वर्ष वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने से चूक गए थे।

बीएफआई को एलीट नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप करनी पड़ी रीशेड्यूल, जानिए क्या थी वजह?

नई दिल्ली, एजेंसी। 9वीं एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को उत्तर भारत में प्रदूषण के नियमों की वजह से रीशेड्यूल करना पड़ा है। पहले ये चैंपियनशिप 31 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में होनी थी, लेकिन अब इसे अगले साल 4-10 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि सरकार की ओर से अनिवार्य किए गए और 31 दिसंबर 2025 तक लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए चैंपियनशिप अब 4-10 जनवरी 2026 के बीच उसी वेन्यू पर होगी। चैंपियनशिप को लेकर शेष सभी इंतजाम वैसे ही रहेंगे। इसे लेकर सभी ताजा अपडेट शेयर किए जाएंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है जब बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को एक साथ होस्ट करने जा रहा है। इस चैंपियनशिप में भारत के टॉप सीनियर मुक्केबाज एक ही छत के नीचे आएंगे। इसमें 10-10 भार वर्ग में मुकाबले खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप में सर्विसेज डिफेंडिंग मेंस नेशनल चैंपियंस के तौर

भारतीय खिलाड़ियों पर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा का सनसनीखेज आरोप

मच सकता है भारी बवाल

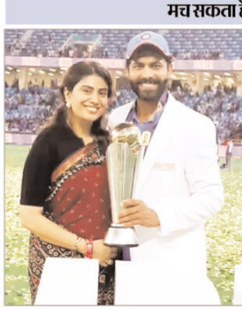

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा अपने बयान की वजह से हमेशा चर्चा में रही हैं। गुजरात के पिछले विधानसभा चुनाव में उन्हें जीत मिली और वह विधायक बन गईं। कुछ समय पहले ही उन्हें मंत्री मंडल में शामिल किया गया है। वह गुजरात की शिक्षा मंत्री हैं। इस बीच रिवाबा ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसपर हर तरफ चर्चा शुरू हो गई है। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाड़ियों पर बड़े आरोप लगाए हैं।

- **पति की तारीफ करते हुए रिवाबा ने आरोप लगाए-** रिवाबा जडेजा ने अपने पति रविंद्र जडेजा की तारीफ के दौरान अन्य भारतीय खिलाड़ियों पर आरोप लगा दिए। रिवाबा के अनुसार भारतीय खिलाड़ी विदेशों में जाकर गलत काम करते हैं। एक कार्यक्रम में स्टेज पर बोलते हुए रिवाबा ने कहा- मेरे पति को लंदन, दुबई, ऑस्ट्रेलिया जैसे अनेकों देशों में खेलने के लिए जाना होता है फिर भी आज दिन तक उन्होंने कभी व्यसन नहीं किया। टीम के बाकी सारे खिलाड़ी गलत काम करते हैं।
- **राजस्थान के लिए खेलेंगे जडेजा-** आईपीएल 2026 में रविंद्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। पिछले सीजन वह चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें ऑक्शन से पहले राजस्थान के साथ ट्रेड कर लिया है। संजू सैमसन के बदले राजस्थान को जडेजा और सैम करन मिले। जडेजा ने 2008 में राजस्थान की तरफ से ही आईपीएल डेब्यू किया था। अब वह एक बार फिर टीम के लिए खेलते नजर आएंगे। भारतीय खिलाड़ियों पर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा का सनसनीखेज आरोप, मच सकता है भारी बवाल

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच के बाद खिलाड़ियों की शर्मनाक हरकत

लाइव प्रसारण वायरल होने के बाद जांच शुरू

कराची, एजेंसी: पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन और देश की सबसे बड़ी ओलंपिक संस्था कराची में पाकिस्तान आर्मी और डब्ल्यूएपीडीए टीम के बीच सेमीफाइनल मैच के बाद हुई एक शर्मनाक घटना की जांच कर रही है जिसमें कई खिलाड़ियों और अधिकारियों को चोटें आई हैं। केपीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नेशनल गेम्स फुटबॉल सेमीफाइनल के बाद दोनों तरफ के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को मुक्के और लातें मारीं। मैच का लाइव प्रसारण हो रहा था, इसलिए ये शर्मनाक दृश्य कैमरे में कैद हो गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई लोगों ने दोनों टीमों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब डब्ल्यूएपीडीए के कुछ सदस्यों ने आर्मी के खिलाड़ियों के अपनी डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर गुस्सा जताया। पीएफएफ के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा क्योंकि नेशनल गेम्स उसी के दायरे में आते हैं।